ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY

गारंटी योजनाओं को बिना किसी देरी के रखा जाएगा जारी: सिद्धरामैया @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 19 अप्रैल, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 |✻| मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-109

लोकसभा चुनाव प्रारंभ होने के पहले ही हताश हो गया विपक्ष

फर्जी निकली कासरगोड की कारगुजारी

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव शुरू होने के पहले ही सम्पूर्ण विपक्ष हताश हो चुका है। विपक्ष के पास अब कोई मसला नहीं रहा, जिसे लेकर वह सत्ता पक्ष पर हावी हो सके। जबकि विपक्ष भ्रष्टाचार और देश में अराजकता फैलाने की साजिशों के ठोस तथ्यों के बीच बुरी तरह घिर चुका है। अब विपक्ष के पास एकमात्र इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का सहारा है, जिसे लेकर वह तरह-तरह के षडयंत्रों में लगा है। इस कुचक्र में कांग्रेस और दक्षिण की सहयोगी माकपा और मुस्लिम लीग शामिल है। उत्तर में समाजवादी पार्टी अधिक मुखर होकर इस ईवीएम षडंयत्र को हवा दे रही है।

हताशा से भरे विपक्षी दलों में गठबंधन की एकता केवल ईवीएम को लेकर बनी हुई है। चुनाव में स्थिति खराब देखकर एक बार फिर ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायतें जोर पकड़ने लगी हैं। विधानसभा चुनाव में जिन राज्यों में विपक्ष की जीत हुई, वहां ईवीएम में कोई गड़बड़ी की शिकायत नहीं है। लेकिन जिन राज्यों में भाजपा की जीत हुई, वहां ईवीएम में गड़बड़ी किए जाने की शिकायतें हैं। अब लोकसभा चुनाव में एनडीए की तेज हवा चली तो विपक्ष एक बार फिर ईवीएम की आड़ के पीछे छुप कर अपनी कमजोरी से बचना चाह रहा है। पिछले दिनों केरल के कासरगोड में जिस मॉक-पोल में ईवीएम की गड़बड़ी की खबरें सुनियोजित तरीके से फैलाई गई, वह फर्जी साबित हुई। कासरगोड से निकली ईवीएम की कहानी षडयंत्र का हिस्सा थी।

हताशा से भरा विपक्ष आजमा रहा ईवीएम-षडयंत्र

सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपैट पर निर्णय सुरक्षित रखा

कारगोड़ भारत विरोधी गतिविधियों का अड्डा बना हुआ है। कासरगोड को कट्टर इस्लामी धर्मांधता और प्रतिबंधित आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया का प्रमुख केंद्र माना जाता है। राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए विदेश से होने वाली फंडिंग का भी कासरगोड मुख्य केंद्र है।

बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट ईवीएम के जरिए डाले गए मतों का वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) से पूर्ण सत्यापन करने के लिए दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

इस दौरान चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को कासरगोड से निकली ईवीएम में गड़बड़ी की फर्जी खबर के बारे में बताया।

बंगाल में सच साबित हुई ममता बनर्जी की दंगा 'हुमकी'

मुर्शिदाबाद में रामनवमी शोभायात्रा पर हमला, 50 जख्मी

कोलकाता, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में रामनवमी पर ममता बनर्जी की दंगा हुमकी (धमकी) सच साबित हुई। मुर्शिदाबाद जिले में रामनवमी के अवसर पर निकली शोभायात्रा पर मुसलमानों पर भीषण हमला बोल दिया। मस्जिदों और घरों से अंधाधुंध पत्थर बरसाए और देसी बम फोड़े। अचानक हुए हमले में शोभायात्रा निकाल रहे रामभक्तों को बचने का भी मौका नहीं मिल पाया। 50 सके अधिक लोगों को गंभीर चोटें आई हैं, जिन्हें मुर्शिदाबाद अस्पताल में भर्ती किया गया है। हमला करने वाले किसी भी व्यक्ति की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पश्चिम बंगाल के उस मुर्शिदाबाद जिले में आखिरकार बवाल हो ही गया जहां के डीआईजी मुकेश कुमार को चुनाव आयोग द्वारा हटाने पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था कि अगर मुर्शिदाबाद में दंगा होता है तो उसके लिए जिम्मेदार चुनाव आयोग होगा। बुधवार शाम मुर्शिदाबाद में रामनवमी की शोभायात्रा यात्रा बड़ी धूमधाम से निकल रही थी। जैसे ही यह यात्रा मुस्लिम बहुल इलाके रेजीनगर पहुंची तो यहां चारों तरफ से घरों की छतों से पत्थरों की बरसात होने लगी जिससे शोभायात्रा में शामिल रामभक्तों को बचने का मौका नहीं मिला।

मस्जिदों और घरों से बरसाए गए पत्थर और देसी बम

पुलिस ने हिंदू श्रद्धालुओं पर ही दागे आंसू गैस के गोले

शुगर बढ़ाने के लिए केजरीवाल जेल में कर रहे 'चतुर' हरकतें

ठूंस ठूंस खा रहे मीठा ताकि जमानत मिल जाए!

हैरत में डालने वाली है केजरीवाल के खाने की लिस्ट

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। स्वास्थ्य के आधार पर जमानत मिल जाए, इसके लिए अरविंद केजरीवाल जेल में चालाक हरकतें कर रहे हैं। केजरीवाल मधुमेह के रोगी हैं, लेकिन जेल में ठूंस ठूंस कर मीठा खा रहे हैं, ताकि उनका शुगर लेवल काफी बढ़ जाए और स्वास्थ्य के आधार पर उन्हें जमानत मिल जाए। ईडी ने कोर्ट को सारी जानकारियां मुहैया कराई हैं। जेल ने भी केजरीवाल के खाने का पूरा ब्यौरा कोर्ट को दिया है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अपने नियमित डॉक्टर से सलाह लेने की याचिका पर राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान ईडी ने जवाब दाखिला किया है। ईडी ने दावा किया है कि केजरीवाल जेल जानबूझ कर मीठा खा रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शराब घोटाले मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं। केजरीवाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अपने नियमित डॉक्टर से सलाह लेने की याचिका दायर की थी। दिल्ली की कोर्ट में केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई हुई।

मनीष सिसोदिया की जेल हिरासत 26 अप्रैल तक बढ़ी

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी (आपा) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जेल हिरासत 26 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दी गई है। दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने सिसोदिया की न्यायिक हिरासत बढ़ाने का आदेश दिया। मामले की सुनवाई 26 अप्रैल को होगी। मनीष सिसोदिया फिलहाल गुजरात लोकसभा चुनाव में आपा के प्रचार अभियान का हिस्सा नहीं बन सकेंगे।

भारत ने फिर हासिल की बड़ी कूटनीतिक जीत

ईरान में फंसे जहाज से भारतीय महिला की सुरक्षित वापसी

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान द्वारा अगवा किए गए इज़राइली अरबपति के जहाज पर सवार 17 भारतीय चालक दल में शामिल केरल की एन टेसा जोसेफ सुरक्षित भारत लौट आई हैं। केरल के त्रिशूर की रहने वाली एन टेसा गुरुवार को कोचीन हवाई अड्डे पर पहुंची, जहां उनका स्वागत किया गया। विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान के जरिए इस बारे में जानकारी दी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने उनकी सुरक्षित वापसी पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा, मोदी की गारंटी हमेशा काम करती है। फिर चाहे वह देश हो या विदेश।

विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि तेहरान में भारतीय मिशन कंटेनर जहाज पर बचे शेष 16 भारतीय चालक दल के सदस्यों के सम्पर्क में है। जहाज वर्तमान में ईरानी नियंत्रण में है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि भारत लौटी चालक दल की सदस्य ठीक हैं और वे अपने परिजनों के सम्पर्क में हैं। अन्य भारतीयों की स्वदेश वापसी के लिए भारतीय मिशन ईरानी अधिकारियों के सम्पर्क में है। शीघ्र ही उनकी भी वापसी होगी। इसे भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि ईरान की नौसेना ने 13 अप्रैल को होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ओमान की खाड़ी में भारत की ओर आ रहे इस्राइली अरबपति के इस जहाज को अपने कब्जे में ले लिया था।

अर्धसैनिक बल के 3 लाख जवानों का सख्त सुरक्षा घेरा, सीमाएं सील

पहले चरण के मतदान के लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के 19 अप्रैल को होने वाले पहले चरण के मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिन सीटों पर मतदान होगा, उसके आसपास के जिलों की सीमाएं सील रहेंगी। इसके अलावा, ऐसा कोई लोकसभा क्षेत्र, जिसकी सीमा अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर से लगती हैं, वहां भी कई रास्तों को सील किया गया है। संवेदनशील मतदान केंद्रों के आसपास ड्रोन से निगरानी की जाएगी। नक्सल प्रभावित क्षेत्र और उत्तर पूर्व के इलाकों में स्थित मतदान कर्मियों को बूथ तक पहुंचाने के लिए हेलिकॉप्टर की मदद ली गई है। निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से मतदान कराने के मकसद से केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के करीब तीन लाख जवानों ने तीन स्तरीय सुरक्षा घेरा तैयार किया है। चुनावी जिलों में इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण के लिए वोट डाले जाएंगे। 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 102 संसदीय सीटों पर मतदान होगा।

21 राज्यों की 102 संसदीय सीटों पर आज होगा मतदान

लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण की वोटिंग के साथ ही अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम की 92 विधानसभा सीटों पर भी वोट डाले जाएंगे। अरुणाचल प्रदेश की 2 लोकसभा सीटें, जिनमें अरुणाचल प्रदेश पूर्व और अरुणाचल प्रदेश पश्चिम शामिल हैं, पर मतदान होगा। असम की डिब्रूगढ़, जोरहाट, काजीरंगा, लखीमपुर व सोनितपुर सीट पर वोट डाले जाएंगे। बिहार में औरंगाबाद, गया, जमुई व नवादा सीट पर मतदान होगा।

मध्यप्रदेश में छिंदवाड़ा, जबलपुर, बालाघाट, मंडला, सीधी व शहडोल और छत्तीसगढ़ की बस्तर सीट पर वोट डाले जाएंगे।

बांग्लादेश में टांय-टांय-फिस्स हो गया 'बॉयकॉट-इंडिया' अभियान

हफ्तेभर में डेढ़ लाख बांग्लादेशी आए भारत घूमने

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के पड़ोसी बांग्लादेश में मजहबी कट्टरपंथी जमातों, विशेषकर विपक्षी दल बीएनपी और जमाते इस्लामी के भारत विरोधी अभियान की हवा निकल गई है। इसके तहत भारत के बहिष्कार का राग अलापा था लेकिन इस राग को अब वे अकेले ही गा रहे हैं। उन्हें देशवासियों का समर्थन नहीं मिल रहा है।

भारत विरोधी इस अभियान के तहत पड़ोसी हिंदू बहुल देश की तरक्की से चिढ़े कट्टर इस्लामवादियों ने भारतीय उत्पादों के बहिष्कार का आह्वान किया था, लेकिन यह मुहिम अपनी ही मौत मरती दिखाई दे रही है।

कार्टून कॉर्नर

क्या ब्राह्मण थे ओवैसी के पूर्वज? ...लेकिन इससे बड़ा सवाल ओवैसी की देशभक्ति पर है

भारत विरोधी रजाकारों की विरासत संभाल रहे हैं असदुद्दीन ओवैसी!

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के पूर्वज हिंदू थे और उसमें भी ब्राह्मण थे, यह बहस का विषय नहीं, बल्कि यह शोध का विषय है। लेकिन सवाल असदुद्दीन ओवैसी की देशभक्ति पर जरूर है।

जहां तक ओवैसी के पूर्वज ब्राह्मण होने या नहीं होने का मसला है, तो जुलाई 2021 में राज्यसभा सांसद प्रोफेसर राकेश सिन्हा ने दावा किया था कि चार पीढ़ी पहले असदुद्दीन ओवैसी के पूर्वज हैदराबाद के कुलीन ब्राह्मण थे। धर्म बदलने के बाद वह मुस्लिम बने। इससे पहले 2017 में भी राकेश सिन्हा ने ओवैसी के पूर्वजों को हैदराबाद का ब्राह्मण बताया था। हालांकि उस समय असदुद्दीन ने कहा था, मेरे परदादा, उनके परदादा और उनके परदादा और सभी दादा पैगंबर आदम से आए थे।

इस प्रसंग में वरिष्ठ राजनीतिक हस्ती गुलाम नबी आजाद का वह वक्तव्य उल्लेखनीय है जो उन्होंने अगस्त 2023 में कहा था। जम्मू-कश्मीर के नेता गुलाम नबी आजाद ने कहा था कि भारत में पैदा हुआ प्रत्येक व्यक्ति स्वाभाविक रूप से हिंदू है। बहरहाल, इसी क्रम में सोशल मीडिया से लेकर कई सामाजिक फोरम पर लोगों ने दावा किया कि असदुद्दीन ओवैसी के दादा अब्दुल वहीद का नाम तुलसीराम दास था। उन्होंने अपना धर्म बदल लिया था और मुस्लिम धर्म को स्वीकार करने से पहले वह ब्राह्मण थे।

इस पर असदुद्दीन ओवैसी ने कहा था, यह मेरे लिए हमेशा मजेदार होता है कि जब उन्हें वंश गढ़ना होता है, तब भी संघियों को मेरे लिए एक ब्राह्मण पूर्वज ढूंढ़ना पड़ता है। हम सभी को

शुभ-लाभ सरोकार

अपने कर्मों का जवाब देना होगा। हम सभी आदम और हव्वा के बच्चे हैं। जहां तक मेरी बात है, मुसलमानों के समान अधिकारों और नागरिकता के लिए लोकतांत्रिक संघर्ष आधुनिक भारत की आत्मा की लड़ाई है। यह हिंदूफोबिया नहीं है।

खैर, बहस उस सवाल के इर्द-गिर्द हो जिसमें असदुद्दीन ओवैसी की देशभक्ति केंद्र में हो। इसे समझने के लिए थोड़ा इतिहास में झांकते हैं। बहुत समय पहले, निजाम नामक राजाओं का एक समूह था जो हैदराबाद में शासन करता था। उनमें से एक, जिसका नाम आसफ जाह मुजफ्फुरुल मुल्क सर मीर उस्मान अली खान था वह 1911 में हैदराबाद का राजा बना। हैदराबाद रियासत के एक व्यक्ति बहादुर यार जंग और उनके दोस्तों ने मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन यानी एमआईएम नामक एक समूह शुरू किया क्योंकि वो मुसलमानों के लिए अपनी संस्कृति और धर्म के बारे में अपने विचार साझा करने के लिए एक जगह बनाना चाहते थे। बहादुर यार जंग का 1944 में अचानक निधन हो गया। कुछ लोगों का मानना है कि उन्हें जहर दिया गया था। उनकी मृत्यु के बाद कासिम रजवी ने संगठन के नेता के रूप में पदभार संभाला।

इतिहासकार मोहम्मद नूरुद्दीन खान के मुताबिक, अगस्त 1948 में रजाकारों ने भैरोंपल्ली नामक गांव पर हमला किया। उन्होंने कई लोगों को चोट पहुंचाई और कुछ को मार भी डाला। उन्होंने महिलाओं से बलात्कार किए और 118 लोगों को मार डाला।

अगर किसी ने रजाकारों के बारे में कुछ भी बुरा कहने की कोशिश की तो उन्हें भी चोट पहुंचाई गई या उन्हें मार दिया गया।

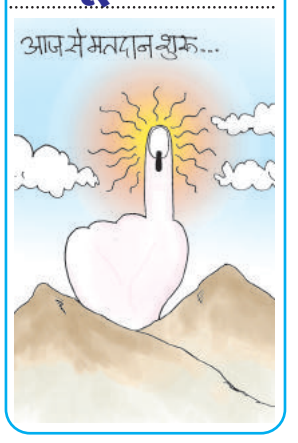

शेयर मार्केट

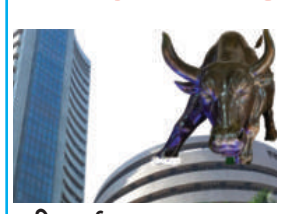

बीएसई : 72,488.99
-454.69 -0.62% ↓

एनएसई :21,995.85
-152.05 (-0.69%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 75,670/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 85,750/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 35°
न्यूनतम : 24°

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हम बेंगलूरु निवासियों को कावेरी जल हर हाल में कराएंगे मुहैया: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को कहा कि वह बेंगलूरु के निवासियों को कावेरी नदी के पानी की आपूर्ति किसी न किसी तरीके से सुनिश्चित करेंगे। उनकी यह प्रतिक्रिया तब आई जब उन्होंने कथित तौर पर मतदाताओं से कहा कि अगर वे उनके भाई डीके सुरेश को वोट देंगे, जो बेंगलूरु ग्रामीण से फिर से चुनाव लड़ रहे हैं तो वह उन्हें कावेरी का

उन्हें पानी उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा हम समस्याओं को सुलझाने के लिए वहां हैं। यह हमारा कर्तव्य है। हम इसे कर रहे हैं। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि हम उनकी समस्या को सुलझाने के लिए वहां हैं, चाहे जो भी हो, हम सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो क्लिप में शिवकुमार को कथित तौर पर अपने भाई के निर्वाचन क्षेत्र में एक हाउसिंग सोसायटी के निवासियों से यह कहते हुए सुना गया कि वह एक व्यावसायिक सौदे के लिए आए थे और अगर उन्होंने उनके भाई को वोट दिया तो वह उन्हें कावेरी नदी के पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे। वीडियो क्लिप साझा करते हुए भाजपा आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने राज्य कांग्रेस प्रमुख शिवकुमार पर हमला किया और कहा कि लोग चाहे जिसे भी वोट देना चाहें, एक मंत्री के रूप में लोगों को सुविधाएं प्रदान करना उनकी जिम्मेदारी है। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने सत्ता का बेधड़क दुरुपयोग करते हुए अपने भाई डीके सुरेश के निर्वाचन क्षेत्र में एक बड़ी हाउसिंग सोसायटी के मतदाताओं को बंधक बना लिया है। हर तरह से खतरनाक लगते हुए, वह एक धमकी देते हैं। उन्होंने कहा चाहे लोग किसी को भी वोट देना चाहें, एक मंत्री के रूप में लोगों को सुविधाएं प्रदान करना डीके शिवकुमार की जिम्मेदारी है। यदि वह ऐसा नहीं करते हैं, तो भाजपा सत्ता में आने पर ऐसा करेगी। लेकिन इस तरह की धमकियां अस्वीकार्य है। डीके शिवकुमार ने कांग्रेस सरकार द्वारा पेश की गई पांच गारंटी पर सवाल उठाने के लिए भाजपा की कड़ी आलोचना करते हुए कहा था कि कांग्रेस पार्टी विश्वास और वादों पर कायम है। समानता - समान हिस्सेदारी, सभी का विकास हमारा लक्ष्य है। हमारी गारंटी केवल 5 साल के लिए नहीं है, बल्कि एक दशक तक के लिए भी है। लोग हमें लंबे समय तक शासन करने का आशीर्वाद देते रहेंगे। राज्य भर की महिलाएं भाजपा की आधारहीन आलोचना का जवाब देने के लिए तैयार हैं। हमारी गारंटी सिर्फ एक राजनीतिक ढांचा नहीं है, यह हर नागरिक के लिए प्रगति का संकल्प है। राज्य इस चुनाव में गारंटी पर भाजपा नेताओं की आलोचनाओं का जवाब देगा।

उपाध्याय यानि शिष्यों के पठन पाठन की जिम्मेदारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में नवपद जी ओली की आराधना करवा रही साध्वी स्वर्णांजना श्री जी ने अपने प्रवचन में कहा कि उपाध्याय यानि शिष्यों के पठन पाठन की जिम्मेदारी, विनय की प्रतिमूर्ति, निश्रावर्ती सभी साधुओं को संयम मार्ग में स्थिर करने का महान कार्य करने वाले मुनि होते हैं। आचार्य शासन को चलाते हैं तो संघ को जिस वाणी को तीर्थंकरों ने कहा है उस वाणी को उपाध्याय पदधारी हमे सुनाते हैं। योग्य आत्मा को वात्सल्य, समझ, स्नेह देकर उसे धर्म में रत करना - यह उनकी जिम्मेदारी है। जैसे पंच परमेष्ठी में बीच में आचार्य विराजित है, वैसे गुरु तत्व के बीच उपाध्याय विराजित है। साधु और आचार्य के बीच पुल का कार्य उपाध्याय करते है। आचार्य जिनशासन के राजा है तो उपाध्याय जिनशासन के युवराज है और आने वाले समय में वो आचार्य बनकर शासन को मार्ग दिखाते है। आचार्य को तीर्थंकर की उपमा दी गयी है तो उपाध्याय को गणधर की उपमा दी गयी है। तीर्थंकर अर्थ का उपदेश देते है। आचार्य भी वही अर्थ का उपदेश देते है। गणधर सुत्रों आगमों की

रचना करते है। उपाध्याय उन आगमों का अर्थ सिखाते है। उपाध्याय भगवंत गच्छ की जिम्मेदारी सँभालते है। जिससे आचार्य भगवंत गच्छ के साथ शासन को चला सकते हैं। मुमुक्षु को दीक्षा आचार्य देते है। उपाध्याय उसे संभालते है। आचार्य पिता जैसे हैं वहीं उपाध्याय माता के समान होते हैं। उपाध्याय पदधारी से हमे विनय गुण की याचना करनी है। गौतम स्वामी को उपाध्याय पद धारी कहा जाता है। उपाध्याय के 25 गुण होते हैं। ऐसे विनय की मूर्ति, आचार्य की आज्ञा को शिरोधार्य करने वाले उपाध्याय पद को हम वंदना करते हैं। उनको किया गया नमन हमे विनय गुण की प्राप्ति कराए ऐसी आंतरिक प्रार्थना करते हैं। नवपद जी ओली में विशेष रूप से गुरुवर्याश्री जी श्रीपाल मैना सुन्दरी चरित्र का भी वांचन कर रही है। दादावाड़ी ट्रस्ट की ओर से समस्त आयम्बिल कर रहे तपस्यार्थियों की सुख साता पूछी गई।

विधानसभा चुनावों में मतदाताओं द्वारा खारिज किए गए सुधाकर चिक्कबल्लापुर में भी हार जाएंगे: सीएम

चिक्कबल्लापुर/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मंत्री और चिक्कबल्लापुर से भाजपा उम्मीदवार डॉ के सुधाकर पर प्रभाव डालकर पार्टी का टिकट हासिल करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को कहा कि विधानसभा चुनाव में मतदाताओं द्वारा खारिज किया गया व्यक्ति फिर से चुनाव लड़ रहा है और लोकसभा चुनाव में निश्चित रूप से हारेगा।

यहां कांग्रेस उम्मीदवार रक्षा रमैया के पक्ष में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने युवा और गतिशील कांग्रेस उम्मीदवार की शानदार जीत की भविष्यवाणी की। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इंडिया ब्लॉक सत्ता में आएगा और सत्तारूढ़ भाजपा और एनडीए अबकी बार 400 पार के बड़े दावों के विपरीत 200 सीटें भी पार नहीं कर पाएंगे, जो कभी नहीं होगा। सिद्धरामैया ने उल्लेख किया कि डॉ. सुधाकर, जो बसवराज बोम्मई शासन में स्वास्थ्य मंत्री और पिछले बीएस येदियुरप्पा शासन में उच्च शिक्षा मंत्री बने, व्यापक भ्रष्टाचार में शामिल थे, जिसकी जांच की जा रही है। मुख्यमंत्री ने लोगों से भाजपा-जेडीएस उम्मीदवार के खिलाफ वोट करने और लोगों की अदालत में भ्रष्टाचार को साबित करने के लिए कहा। सिद्धरामैया ने कहा कि कांग्रेस सरकार की गारंटियों से लोगों, खासकर गरीबों और महिलाओं को फायदा हुआ है, जबकि राज्य में पिछली भाजपा सरकार और 10 साल का मोदी शासन पूरी तरह विफल रहा क्योंकि सभी वादे भूल गए थे।

सीईटी परीक्षा राज्य भर में हुई शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए छात्रों के चयन के लिए वर्ष 2024 के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईटी) गुरुवार से पूरे राज्य में शुरू हो गई। कर्नाटक परीक्षा पैटर्न भारी सुरक्षा और सख्त प्रक्रिया के साथ आयोजित किया जा रहा है। परीक्षा सुचारू रूप से जारी रही। केईए सूत्रों ने कहा कि अभी तक कोई भ्रम पैदा नहीं हुआ है। सूत्रों ने बताया कि कुछ छात्र अंत तक एडमिट कार्ड डाउनलोड करने की प्रक्रिया में लगे रहे। सुबह 10.30 बजे से 11.50 बजे तक जीव विज्ञान और दोपहर 2.30 बजे से 3.50 बजे तक गणित की परीक्षा हुई।

शुक्रवार सुबह 10.30 से 11.50 बजे तक फिजिक्स और दोपहर 2.30 से 3.50 बजे तक

केमिस्ट्री की परीक्षा होगी। कन्नड़ भाषा की परीक्षा केवल विदेशी और सीमावर्ती छात्रों के लिए बेंगलूरु, मेंगलूरु और बेलगावी में शनिवार को आयोजित की जाएगी। पिछले वर्ष की तुलना में एक लाख से अधिक छात्रों ने सीईटी परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया है और इस बार वे रिकॉर्ड संख्या में परीक्षा दे रहे हैं। इसमें वे लोग शामिल हैं जो इंजीनियरिंग और मेडिकल सहित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में शामिल होना चाहते हैं। परीक्षा राज्य के 738 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जा रही है, जिसमें बेंगलूरु के 170 केंद्र भी शामिल हैं। पंजीकृत छात्रों में से 3,49,637 छात्रों ने परीक्षा शुल्क का भुगतान किया है। 3,18,865 छात्रों ने सीईटी एडमिट कार्ड डाउनलोड किया है। कुल 3.27 लाख छात्र सीईटी देने के लिए पात्र हैं। जो उम्मीदवार सीईटी परीक्षा देने जा रहे हैं, उन्हें प्रवेश पत्र के साथ अपना ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, दूसरा पीयूसी प्रवेश पत्र जमा करना होगा। परीक्षा कक्ष में किसी भी प्रकार की घड़ी, आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, स्लाइड रूल्स, कैलकुलेटर, व्हाइटफ्लूइड, वायरलेस सेट, पेपर स्लिप, किताबें, किताब आदि ले जाना वर्जित है। परीक्षा शुरू होने की पहली घंटी बजने से कम से कम दो घंटे पहले उम्मीदवारों को परीक्षा केंद्र परिसर में उपस्थित होना होगा। तीसरी घंटी के बाद उम्मीदवारों को परीक्षा हॉल में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। केवल नीली या काली स्याही वाले बॉल प्वाइंट पेन का ही प्रयोग करना चाहिए।

भाजपा नेता यतनाल का आरोप

शिवकुमार सीएम सिद्धरामैया को पद से हटाने की रच रहे साजिश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विजयपुरा में विधायक और भाजपा नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने कहा कि राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सीएम सिद्धरामैया को गिराने की साजिश रच रहे हैं। शिवकुमार ने उत्तरी कर्नाटक के एक प्रभावशाली लिंगायत संत से मुलाकात की है। उन्होंने स्वामी से कांग्रेस में लिंगायत विधायकों का विश्वास हासिल करने में मदद करने का अनुरोध किया है। संत के समर्थन से शिवकुमार

ने सिद्धरामैया को हटाकर उनकी जगह मुख्यमंत्री बनने की योजना बनाई है। यह लोकसभा चुनाव परिणाम के 15 दिनों में होगा। मेरे पास इस बारे में अंदरुनी जानकारी है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गौरी पुत्र गेल्लेयरा बल्लगा केंपापुर (केपी) अग्रहारा द्वारा आयोजित नगर देवता श्री अण्णम्मा देवी उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां की विशेष पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। साथ ही जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की गई। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

भारतीय राजपूताना सेवा संगठन ने रामनवमी और स्थापना दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय राजपूताना सेवा संगठन, बेंगलूरु के अध्यक्ष सुनील सिंह, व्हाइट फील्ड युवा अध्यक्ष रोहित सिंह और मातृशक्ति अध्यक्ष सुभाषिनी सिंह के नेतृत्व में भारतीय राजपूताना सेवा संगठन ने रामनवमी और अपना स्थापना दिवस मनाया। इस शुभ अवसर पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इसके बाद मातृशक्ति के द्वारा सोहर और झूमर गाए गए। समाज के बड़े और बुजुर्गों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। बेंगलूरु सलाहकार राजेश्वर सिंह ने स्वागत भाषण देकर सभी का अभिनंदन किया। भारतीय राजपूताना सेवा संगठन के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह सिकरवार ने 12 अप्रैल, 2011 को संगठन का शुभारंभ किया था। उस समय से लेकर अभी तक के इतिहास और सफर के बारे में बताया। संगठन का मुख्य उद्देश्य, सेवा करना है। संगठन अपने कुछ लोगों द्वारा कुछ लोगों की मदद कैसे करता है इसके बारे में बताया गया। संगठन ने अपने कुछ सदस्यों द्वारा दी गई मदद के बारे में भी बताया। किन-किन राज्यों में क्या काम किया जा रहा है, उसके बारे में बताया गया। इस मौके पर पूरे साल उत्कृष्ट काम करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। बच्चों द्वारा भी रंगा रंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए और उन्हें सम्मानित किया गया। सम्मानित किए गए लोगों में राष्ट्रीय महासचिव प्रेम सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुधांशु सिंह, बेंगलूरु अध्यक्ष सुनील सिंह, बेंगलूरु आयोजन सचिव संजय सिंह, व्हाइटफील्ड अध्यक्ष रोहित सिंह, आरटी नगर अध्यक्ष चितरंजन सिंह, मातृशक्ति निर्मला सिंह, व्हाइटफील्ड अध्यक्ष सुभाषिनी सिंह और उपाध्यक्ष रोहिणी सिंह शामिल हैं।

अभिनेता दर्शन ने मांड्या में स्टार चंद्रू के लिए किया चुनाव प्रचार

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

कन्नड़ अभिनेता दर्शन ने गुरुवार को मांड्या लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार वेंकटरमन गौड़ा उर्फ स्टार चंद्रू की ओर से प्रचार किया। दर्शन ने मांड्या जिले के मालवल्ली तालुक में हलगुरु, टीकेहल्ली, हस्कूर, हेडली सर्कल, बेलाकावाड़ी, बीजीपुर, सारागुरु हैंड पोस्ट, पुरीगली, टी. कागेपुर, दुग्गनहल्ली, बंदूर, हिट्टनहल्ली कोप्पलु, मिक्केरे, किरुगावलु, चन्नापिला कोप्पलु, मालवल्ली समेत कई स्थानों पर रोड शो किया।

दर्शन ने शुरुआत में हलगुरु में बोलते हुए कहा मैं किसी पार्टी के लिए नहीं हूं, मैं एक व्यक्ति के लिए हूं। इसलिए उन्होंने अनुरोध किया कि गलत संदेश नहीं जाना चाहिए। दर्शन ने पीएम नरेंद्र स्वामी और उदय से स्टार चंद्रू का समर्थन करके उनका हाथ मजबूत करने का अनुरोध किया। इसी बीच प्रशंसक क्रेन पर दर्शन के लिए एक बड़ी गुलाब की माला लेकर आए। जैसे ही दर्शन ने अपना भाषण खत्म किया, क्रेन की मदद से लटकी हुई माला को प्रचार वाहन के करीब लाया गया और वजन के कारण वह आधी गिर गई।

फैन्स ने गिरती हुई पुष्पांजलि उठाई और फोटो ली। पूरे रोड शो के दौरान भाषण देने वाले दर्शन ने स्टार चंद्रू को वोट देने की अपील की। इस मौके पर बोलते हुए पीएम नरेंद्र स्वामी ने कहा कि वे मांड्या में अपने आत्मसम्मान की लड़ाई के लिए धर्म के पक्ष में खड़े रहेंगे। रोड शो में उनके साथ विधान परिषद के पूर्व सदस्य मैरिथिब्बे गौड़ा भी थे। उम्मीदवार की अनुप-स्थिति में दर्शन ने स्टार चंद्रू की ओर से जमकर प्रचार किया।

डीके सुरेश का आरोप : भाजपा-जेडीएस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को चुप कराने के लिए आईटी, ईडी का किया दुरुपयोग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु ग्रामीण से कांग्रेस के तीन बार के लोकसभा सदस्य डी के सुरेश, जो केपीसीसी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के छोटे भाई हैं, ने भाजपा-जेडीएस गठबंधन पर आईटी और ईडी जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों के जरिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं को डराने और चुप कराने का आरोप लगाया है। गुरुवार को बेंगलूरु के पास अनेकल में एक चुनावी रैली के दौरान मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, सुरेश ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ आईटी-

ईडी के गुर्गों को तैनात करने के लिए भाजपा-जेडीएस नेताओं पर हमला बोला क्योंकि वे चुनाव हारने से चिंतित हैं। उन्होंने कहा मैं चुनाव आयोग को पत्र लिखकर इस मामले को उठा रहा हूं। मैं इस मामले को आयकर अधिकारियों के समक्ष भी उठाऊंगा। उन्होंने आरोप लगाया कि आईटी और ईडी अधिकारी उनके कार्यकर्ताओं के घरों पर गए और महिलाओं को डराया और दुर्व्यवहार किया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मनमानी जारी रही तो कांग्रेस पार्टी कड़ा संघर्ष शुरू करने के लिए मजबूर होगी। सुरेश ने कहा कि

वह निर्वाचन क्षेत्र में अपने काम और सेवा के आधार पर वोट मांग रहे हैं, न कि सरकारी अधिकारी के साथ मिलीभगत करके। जेडीएस सुप्रीमो एचडी देवेगौड़ा की संपत्ति लूटने की टिप्पणी का जवाब देते हुए सुरेश ने कहा कि देवेगौड़ा एक बुजुर्ग व्यक्ति हैं और उन्होंने उन पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने देवेगौड़ा की रैली में पथराव की घटना के पीछे उनके और उनके भाई के हाथ होने के आरोप से इनकार करते हुए कहा हालांकि, मैं देवेगौड़ा परिवार द्वारा अर्जित की गई संपत्तियों और पथराव करने वालों का विवरण देने के लिए तैयार हूं। मेरे पास देवेगौड़ा परिवार द्वारा अर्जित संपत्तियों और स्थानों के बारे में रिकॉर्ड हैं। यदि आवश्यक हुआ तो मैं विवरण देने के लिए तैयार हूं। मैसूरु में, डीके ब्रदर्स एडमिरर्स क्लब (अभिमानीगला बलागा) के लगभग 300 सदस्य बेंगलूरु ग्रामीण में डीके सुरेश की सफलता के लिए प्रार्थना करते हुए चामुंडी पहाड़ियों पर चढ़ गए। डीके ब्रदर्स एडमिरर्स क्लब के सदस्यों ने देवी चामुंडेश्वरी की पूजा-अर्चना की और कांग्रेस पार्टी की सफलता की कामना की।

अगले कार्यकाल में भी सत्ता में आएगी कांग्रेस

गारंटी योजनाओं को बिना किसी देरी के रखा जाएगा जारी: सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने आश्वासन दिया है कि कांग्रेस पार्टी न केवल वर्तमान कार्यकाल में बल्कि अगले कार्यकाल में भी सत्ता में आएगी और गारंटी योजनाओं को बिना किसी देरी के जारी रखा जाएगा।

शहर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस की पंचखत्री योजनाएं किसी भी कारण से बंद नहीं होंगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र की इस आलोचना पर कि वे लोकसभा चुनाव के बाद बंद कर देंगे, सिद्धरामैया ने कहा शास्त्र क्या कहता है? अस्थायी का क्या मतलब है? हम इस कार्यकाल

और अगले कार्यकाल के लिए भी सत्ता में रहेंगे। किसी भी वजह से प्रोजेक्ट नहीं रुकेंगे। उन्होंने कहा कि बजट में अगले साल की गारंटी के लिए 52 हजार करोड़ रुपये रखे गये हैं।

इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा था पिछली बार 25 सीटें जीतने वाली भाजपा को इस बार हार का डर सता रहा है। इसके लिए कई लोकसभा क्षेत्रों में उम्मीदवार बदले गए हैं। इसके अलावा देशभर में केंद्र सरकार के खिलाफ सरकार विरोधी लहर चल रही है। कांग्रेस पार्टी राज्य में 20 से ज्यादा सीटें जीतेगी।

उन्होंने कहा, राज्य में हमारी पांच गारंटी की लहर मजबूत है। लोगों का लोकसभा चुनाव के दौरान देश में क्या माहौल था, इसकी हमें कोई जानकारी नहीं है। लेकिन राज्य में कांग्रेस समर्थक लहर ही है। सिद्धरामैया ने भरोसा जताया कि हम ज्यादा सीटें जीतेंगे। कांग्रेस पर भरोसा बढ़ा है। ऐसी भावना है कि वे अपने वचन के अनुसार कार्य करेंगे। देश में झूठ और सच का टकराव चल रहा है। मोदी ने 2014 के लोकसभा चुनाव में किया कोई भी वादा पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा था कि सबके खाते में 15 लाख देंगे, लेकिन पूरा नहीं हुआ। 2 करोड़ नौकरियां पैदा नहीं हुईं, किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। अच्छा दिन नहीं आया। बेरोजगारी आसमान छू रही है, महँगाई में भारी वृद्धि हुई है। अब तक धार्मिक और भावनात्मक मुद्दों पर बात करके लोगों को गुमराह किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि इस बार उन्हें इसमें सफलता नहीं मिलेगी। हार का एहसास होने पर बीजेपी जानबूझकर 400 सीटें जीतने का दावा कर रही है। वे 200 सीटें भी नहीं जीत पाएंगे, यहां तक कि उनके द्वारा कराए गए आंतरिक सर्वे में भी झटका साफ दिख रहा है।

कांग्रेस उम्मीदवार ने मैसूरु राजघराने के वंशज यदुवीर वाडियार को दत्तक पुत्र बताया

मदिकेरी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मैसूरु-कोडागु लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार एम. लक्ष्मण ने दावा किया है कि भाजपा के यदुवीर वाडियार शाही परिवार से नहीं हैं और वह गोद लिए हुए बच्चे हैं। यहां पत्रकारों से बात करते हुए, लक्ष्मण ने कहा यदुवीर वाडियार शाही परिवार से नहीं हैं। यदुवीर की प्राथमिकताएं क्या हैं? क्या उन्हें सिर्फ हाथ उठाने के लिए चुना जाना चाहिए? क्या हमें सिर्फ गिनती के लिए सांसद चुनना है? हमने वादे के मुताबिक सभी पांच गारंटी पूरी की हैं। अगर हमारी सरकार केंद्र में सत्ता में आती है, तो हम 25 गारंटी लागू करेंगे। क्या कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद कोडागु जिले में पिछले 10 महीनों में कोई सांप्रदायिक हिंसा हुई है? उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकाल के दौरान एक ऐसी व्यवस्था थी जहां सांप्रदायिक नफरत को बढ़ावा दिया गया था। भाजपा पर निशाना साधते हुए, कांग्रेस उम्मीदवार ने कहा पिछले आम चुनाव में, यह वादा किया गया था कि अगर भाजपा उम्मीदवार प्रताप सिम्हा चुने जाते हैं तो मैसूरु शहर को पेरिस में बदल दिया जाएगा और कोडागु को भारत के स्विट्जरलैंड के रूप में विकसित किया जाएगा। लेकिन कुछ नहीं किया गया।

चुनाव अधिकारियों ने सीएम को ले जा रही बस को रोका और निरीक्षण किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चुनाव अधिकारियों ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की हाई-टेक बस को बीच रास्ते हाईवे पर रोक दिया, जब वह चिक्कबल्लापुर लोकसभा क्षेत्र के लिए प्रचार करने जा रहे थे।

मुख्यमंत्री सुरक्षा काफिले के साथ चिक्कबल्लापुर जा रहे थे। चुनाव पर्यवेक्षकों ने हाईवे चेक पोस्ट के पास बस को रोका और स्थानीय अधिकारियों की मदद से गहन निरीक्षण किया।

इस समय मुख्यमंत्री बस के अंदर बैठे थे और निरीक्षण में सहयोग कर रहे थे। जनता ने मुख्यमंत्री को उत्सुकता से देखा और तस्वीरें लीं। सिद्धरामैया चिक्कबल्लापुर लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार रक्षा रमैया के पक्ष में प्रचार करने गए थे। सिद्धरामैया के प्रचार के लिए एक हाईटेक बस तैयार की गई है। सिद्धरामैया बेंगलूरु और अन्य हिस्सों में चुनाव प्रचार के दौरान अपने करीबी सहयोगियों के साथ इस बस में यात्रा करते हैं। चिक्कबल्लापुर में आयोजित रोड शो में मंत्री डॉ. एमसी सुधाकर, विधायक प्रदीप ईश्वर, प्रत्याशी रक्षा रमैया समेत कई लोग मौजूद थे।

मंत्री एमसी सुधाकर ने कहा कि पिछले 10 महीनों में 180 करोड़ का अनुदान चिक्कबल्लापुर जिले के विकास के लिए दिया गया है। भाजपा के पूर्व मंत्री डॉ के सुधाकर की गैरजिम्मेदारी के कारण किसानों की जमीन को प्रभावित वन क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट तक जाने और किसानों को राहत देने का वादा किया है।

जय श्री राम के नारे लगाने पर 3 युवकों पर हमला

हमले के आरोप में दो आरोपी गिरफ्तार, एक नाबालिग हिरासत में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु में कथित तौर पर जय श्री राम के नारे लगाने पर तीन युवकों पर हमले की घटना ने राजनीतिक मोड़ ले लिया है और कर्नाटक भाजपा नेताओं ने इसके लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने बुधवार देर रात बेंगलूरु के एमएस पाल्या में पीड़ित विनायक, राहुल और पवन के आवास का दौरा किया और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। दौरे के बाद केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पीड़ित रामनवमी के अवसर पर भगवा

झंडा थामे हुए एक कार में यात्रा कर रहे थे। एमएस पाल्या के पास दूसरे समुदाय के युवकों ने उन्हें रोक लिया और उनके साथ मारपीट की।

हम घटना की निंदा करते हैं। उन्होंने कहा इस दिन पूरे देश में रामनवमी का त्योहार मनाया जाता है और हमारे युवा अलग-अलग तरीकों से त्योहार मनाते हैं, पूजा करते हैं और जुलूस निकालते हैं। वे स्वाभाविक रूप से भगवा झंडे लेकर चलेंगे और उन्होंने उत्तेजक नारे नहीं लगाए। उन्होंने कहा पीड़ित कह रहे हैं कि पांच से छह लोगों के समूह ने उन पर हमला किया। मैं पुलिस से उन सभी को गिरफ्तार करने का आग्रह करती हूं। अगर (घटना में) बेंगलूरु उत्तर संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस नेताओं का हाथ है तो हम चुप नहीं बैठेंगे। हम आंदोलन करेंगे। मैंने सुना है कि पुलिस इस मुद्दे को बहुत हल्के में और गैर-जिम्मेदाराना तरीके से ले रही है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैं तुरंत पुलिस आयुक्त और डीसीपी से बात करूंगी। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि यह घटना कांग्रेस सरकार के तुष्टिकरण का नतीजा थी। लोकसभा चुनाव में लोग उचित सबक सिखाएंगे। इस बीच, पुलिस ने हमले के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है और एक नाबालिग को हिरासत में लिया है। यह घटना राज्य की राजधानी के विद्यारण्यपुरा पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत हुई। डीसीपी (उत्तर पूर्व) लक्ष्मी प्रसाद ने कहा कि मामले में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। कार में झंडे लिए यात्रा कर रहे युवकों ने जय श्री राम के नारे लगाए थे। आरोपियों ने कार रोक दी और हंगामा किया। कार में सवार युवकों के साथ भी मारपीट की गई। इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। डीसीपी ने कहा युवकों पर हमला करने वाले अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि पीड़ित रामनवमी मनाकर लौट रहे थे तभी उन पर हमला किया गया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक कथित वीडियो में, कुछ बाइक सवार युवाओं को जय श्री राम के नारे लगाने के खिलाफ चेतावनी देते हुए और इसके बजाय उन्हें अल्लाह हू अकबर का नारा लगाने के लिए कहते हुए देखा जा सकता है।

शिवकुमार, प्रियांक खड़गे के खिलाफ चुनाव आयोग से शिकायत

भाजपा नेताओं ने की शिकायत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस मंत्री प्रियांक खड़गे ने एक चुनाव प्रचार सभा में यह घोषणा करके चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन किया है कि वह कलबुर्गी में 39 करोड़ रुपये की लागत से एक कृषि केंद्र बनाएंगे।

मामले को गंभीरता से लेते हुए भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए शिकायत की। प्रतिनिधिमंडल ने नृपतुंगा रोड स्थित चुनाव आयोग कार्यालय का दौरा किया और इस बारे में शिकायत की। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के खिलाफ भी शिकायत दर्ज की गई है जो मतदाताओं को धमका रहे हैं और उनसे कांग्रेस उम्मीदवार को वोट देने के लिए कह रहे हैं।

उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है। उनका नाम कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची से हटाने की मांग की गई है। कुनिगल तालुक के चिक्काअर्जेनहल्ली गांव के प्रेम कुमार के बागान में राजनीतिक विवाद के कारण आग लगा दी गई।

इस घटना के लिए जिम्मेदार कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। पीड़ित प्रेम कुमार को सुरक्षा दी जाये। झूठे बयान पर हस्ताक्षर करने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। कुनिगल विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों को अत्यधिक संवेदनशील मतदान केंद्र माना जाना चाहिए। मांग की गई कि बेंगलूरु ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्रों में अर्धसैनिक बलों को तैनात किया जाना चाहिए। इस मौके पर राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सीएन अश्वथ नारायण, प्रदेश प्रवक्ता मोहन विश्व, लॉ चैंबर के प्रदेश संयोजक वसंत कुमार, सदस्य यशवंत और पार्टी नेता उपस्थित थे।

कांग्रेस शासन में राज्य में हिंदुओं पर अत्यधिक हमले, आतंकवादी गतिविधियां जारी: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के वरिष्ठ नेता आर. अशोक ने गुरुवार को कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार आने के बाद टीपू विचारधारा वाले सिद्धरामैया के मुख्यमंत्री बनने के बाद पाकिस्तान समर्थित कट्टरपंथी इस्लामिक संगठनों और इस्लामिक कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार हिंदुओं पर हमले, अपमान, धमकी, आतंकवादी गतिविधियां जारी हैं। बमबारी की घटनाएं हद से ज्यादा हो रही हैं। भाजपा चुनाव मीडिया सेंटर में एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने चिंता व्यक्त की कि यह एक गंभीर और चिंताजनक मुद्दा है। बुधवार को विद्यारण्यपुरा में रामनवमी थी। राम इस देश के आदर्श पुरुष हैं। श्री राम मंदिर भी बना।

ऐसे में जय श्री राम चिल्लाने पर आपत्ति जताते हुए समुदाय विशेष के गुंडों ने उन पर हमला कर दिया और अल्लाह हो अकबर चिल्लाने

की धमकी दी। उन्होंने कहा कि इससे हमें संदेह होता है कि हम हिंदुस्तान में हैं या पाकिस्तान में। वहीं डीके सुरेश का कहना है कि राम भगवान नहीं हैं, हमने उनकी फोटो घर पर नहीं रखी है। जिसके बाद अशोक ने कहा पूरे देश में रामभक्त आंजनेय मंदिर हैं। क्या डीके सुरेश को ये दिखाई नहीं दे रहा है। राज्य में हिंदुओं की तुलना में मुस्लिम आतंकवादी गतिविधियाँ अधिक हैं। श्री राम मंदिर जाने वाले हिंदू कार्यकर्ताओं पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह कर्नाटक में ऐसा माहौल बनाने के लिए सिद्धरामैया और उनके गिरोह की निंदा करेंगे जहां हिंदू भय में रहते हैं। चिकपेट में हनुमान चालीसा के जोर-शोर से प्रदर्शन के विरोध में दुकान मालिक पर हमला किया गया, पीटा गया और लूटपाट की गई। उन्होंने आपत्ति जताई कि कांग्रेस सरकार परोक्ष रूप से गुंडों का समर्थन कर रही है। उन्होंने कट्टरपंथियों को यह संदेश देने के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की कि अगर वे वोट देंगे तो उनकी रक्षा की जाएगी। यह सरकार बहुसंख्यक हिंदुओं की अनदेखी कर रही है। क्या जयश्रीराम के नारे लगाने वालों पर हमला करने वालों पर सिद्धरामैया ने गुंडा एक्ट, देशद्रोह का केस दर्ज किया है? हमारा राज्य सभी जातियों के लिए शांति का उद्यान है। हालांकि उपमुख्यमंत्री के भाई का कहना है कि देश का बंटवारा होना चाहिए। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह के बयानों से अल्पसंख्यक कट्टरपंथियों को ताकत मिली है। जब कैफे धू-धू कर जल रहा था, तब कांग्रेस नेताओं ने होटल प्रतिद्वंद्विता की आलोचना की। ऐसी घटनाओं के लिए जिम्मेदार यह सरकार ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगी। इसे कट्टरपंथियों का समर्थन करने वाली सरकार के रूप में जाना जाता है। ये तो लोग जानते हैं। उन्होंने कहा कि संसदीय चुनाव में जनता उन्हें सबक सिखाएगी।

जय श्रीराम के नारे लगाने के लिए किसी की अनुमति की जरूरत नहीं: अश्वथ नारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के पूर्व मंत्री अश्वथ नारायण ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ऐसे गद्दारों के लिए जिम्मेदार है, जो खुलेआम हमारे राज्य में जयश्रीराम के नारे लगाने वाले हिंदू कार्यकर्ताओं को जान से मारने की धमकी देते हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा हिंदुओं के भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के नारे लगाने के लिए किसी की इजाजत की जरूरत नहीं है। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है और एक समुदाय चाहता है कि कि हम कुछ भी न करें। उन्होंने चेतावनी दी कि भाजपा ये सब नहीं होने देगी। जय श्रीराम बोलने के लिए आपको किसी की इजाजत की जरूरत नहीं है। हो सकता है उसने दोनों को धमकी दी हो। लेकिन लाखों कार्यकर्ता जय श्री राम के नारे लगाते हैं। उन्होंने उन्हें चुनौती देते हुए कहा कि ताकत है तो रोक के दिख-ाओ। ये भारत है। श्री राम हमारे लिए

आदर्श हैं। हम जयश्रीराम का नारा लगाते हैं। क्या हम पाकिस्तान में हैं? अल्लाह ही कहो, श्रीराम मत कहो, इसका क्या मतलब? उन्होंने ऐसे सभी लोगों पर कांग्रेस के उकसावे में आने का आरोप लगाया।

क्या आप इस दुविधा में आ गए हैं कि क्या चिल्लाएँ और किसकी पूजा करें? ऐसी सरकार नहीं होनी चाहिए जो बहुमत की भावनाओं का जवाब न दे। उन्होंने कांग्रेस सरकार को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की। जब से कांग्रेस सरकार सत्ता में आई है तब से तुष्टिकरण की राजनीति, उसकी तपिश और उसका प्रभाव लगातार देखने को मिल रहा है। सरकार कानून व्यवस्था बनाये रखने में विफल रही है। कुक्कर बम विस्फोट, रामेश्वरम विस्फोट कांड, पाकिस्तान जिंदाबाद सब सरकार की तुष्टीकरण को दर्शाते हैं। कांग्रेस की संस्कृति की तरह, उनकी संस्कृति भी बस हड़पने और हड़पने की है। उन्होंने कहा कि बुधवार को कनकपुरा में लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा। वे कह रहे हैं कि कनकपुर में डीके बंधुओं को वोट देने से क्या फायदा। डीके सुरेश और डॉ. मंजूनाथ में बहुत बड़ा अंतर है। एक तरफ राहुल गांधी और डीके सुरेश हैं तो एक तरफ नरेंद्र मोदी और सीएन मंजूनाथ है। कांग्रेस पार्टी कुछ न कुछ करके लोकसभा चुनाव जीतने की पूरी रणनीति बना रही है। इसके लिए कोई नियम या नीति नहीं है। लोकसभा चुनाव में विपक्ष को एक सीट भी नहीं मिलेगी। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि यह उनके नेता हैं जो निर्वाचन क्षेत्र की तलाश में हैं।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राज्य की सभी लोकसभा सीटों पर एनडीए की जीत तय: येदियुरप्पा

बीजेपी हमेशा से हिंदुत्व के लिए प्रतिबद्ध पार्टी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य बीएस येदियुरप्पा ने भरोसा जताया कि लोकसभा चुनाव में कर्नाटक की सभी 28 सीटों पर भाजपा-जेडीएस गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार जीतेंगे। इसके साथ ही बीवाई राघवेंद्र 3 लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से जीतेंगे। उन्होंने गुरुवार को शिवमोग्गा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार बी.वाई.राघवेंद्र के नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान आयोजित एक बड़ी बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा घर-घर जाकर मोदी की जनहितैषी योजनाओं के बारे में बताएं। उन्होंने राघवेंद्र को 3 लाख से ज्यादा वोटों से जिताने की अपील की। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि राज्य में दो किसान ताकतें एकजुट हो गई हैं।

पैसे की ताकत इसके आगे कुछ भी नहीं है। कांग्रेस नई गारंटी लेकर आई है। हालाँकि, उन्होंने शासन करने के लिए पर्याप्त सीटों पर चुनाव नहीं लड़ा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या कांग्रेस पार्टी 35 अंकों के पर्याप्त प्रश्न हल किए बिना पास हो सकती है। उन्होंने कांग्रेस की आलोचना करते हुए उसे एक विफल और धोखेबाज पार्टी बताया। कोविड के दौरान 130 करोड़ लोगों की जान बचाने के लिए धन्यवाद देने के लिए मोदी को वोट दें। पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि यह किसान विरोधी सरकार है। उन्होंने इस सरकार की आलोचना करते हुए इसे जेबकतरा सरकार बताया। उन्होंने चुनौती दी कि पहले कर्नाटक में 2.75 लाख सरकारी पद भरें। उन्होंने आपत्ति जताई कि येदियुरप्पा ने किसान सम्मान योजना के तहत जो 4000 का अनुदान शुरू किया था, उसे इस सरकार ने रद्द कर दिया है। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि ने कहा कि बीजेपी हमेशा से हिंदुत्व के लिए प्रतिबद्ध पार्टी है। जैसे ही कांग्रेस सत्ता में आई, जो लोग बिल में थे वे बाहर आ गए। वे विधान सौधा में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते हैं। हनुमान चालीसा लगाने पर दुकानदार की पिटाई कर दी। रामनवमी के दिन उन्होंने जय श्री राम का नारा लगाने पर हमला बोला और कुछ और चिल्लाने को कहा। उन्होंने कहा कि जनता कांग्रेस को सबक सिखाने का काम करने वाली है। प्रत्याशी बी वाई राघवेंद्र ने पत्रकारों से बात की और कहा कि वह विकास को ध्यान में रखकर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि उस पार्टी के नेताओं को भी एहसास हो गया है कि कांग्रेस एक डूबता जहाज है और वे पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं।

करंदलाजे को सांप्रदायिक विभाजन और ध्रुवीकरण में शामिल होने के लिए जाना जाता है: एमवी राजीव गौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस नेता एमवी राजीव गौड़ा ने आरोप लगाया कि भाजपा नेता शोभा करंदलाजे को सांप्रदायिक विभाजन और ध्रुवीकरण में शामिल होने के लिए जाना जाता है। वह आगामी लोकसभा चुनावों में बेंगलूरु उत्तर निर्वाचन क्षेत्र में उनके खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलूरु के पूर्व प्रोफेसर, जहां उन्होंने अर्थशास्त्र और नीति पढ़ाया था, का कहना है कि लोग अच्छी गुणवत्ता वाले जीवन का आनंद लेना चाहते हैं, विकास करना और समृद्धि चाहते हैं, और नहीं चाहते कि यह क्षेत्र सांप्रदायिक रूप से आरोपित और विभाजित हो जाए। बेंगलूरु नॉर्थ लंबे समय से बीजेपी का गढ़ रहा है, लेकिन एआईसीसी रिसर्च डिपार्टमेंट के अध्यक्ष अपनी चुनावी संभावनाओं को लेकर उत्साहित दिखे।

60 वर्षीय नेता ने दावा किया कि इस लोकसभा चुनाव में कर्नाटक में कोई मोदी लहर नहीं है। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के 10 महीने के भीतर सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की पांच गारंटी योजनाएं ही मुसीबत में फंसे लोगों की मदद कर रही हैं। इसके अलावा कर्नाटक के साथ अन्याय की भावना (केंद्र द्वारा धन के हस्तांतरण के मामले में) और यहां की पिछली भाजपा सरकार का (निराशाजनक) रिकॉर्ड कांग्रेस के पक्ष में काम करेगा। यह पहली बार है कि गौड़ा लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। गौड़ा ने कहा कि उन्हें जीत का पूरा भरोसा है, क्योंकि उनके निर्वाचन क्षेत्र के लोग एक शिक्षित और योग्य उम्मीदवार पाकर खुश हैं, जो बेंगलूरु और कर्नाटक के लिए पहले ही अच्छा काम कर चुका है। गौड़ा, जो पहले कर्नाटक नीति और योजना आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके थे, ने दावा किया कि हमें लोगों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। हमारी पार्टी एकजुट है, हमारा कैडर एकजुट होकर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव में उनके लिए एक प्लस यह है कि करंदलाजे, उडुपी-चिक्कमगलूरु की सांसद, जिन्हें भाजपा ने बेंगलूरु उत्तर में स्थानांतरित कर दिया था, एक बहुत विवादास्पद उम्मीदवार हैं। उडुपी-चिक्कमगलूरु में उन्हें अपने ही लोगों से वापस जाओ के नारों का सामना करना पड़ा। यहां (बेंगलूरु उत्तर) भी काफी लोग उनके साथ सहयोग नहीं कर रहे हैं। इसलिए मूल रूप से, लोगों को ऐसा लगता है कि यह वह उम्मीदवार नहीं है जिसका वे समर्थन करना चाहते हैं। बेंगलूरु के लोग अच्छी गुणवत्ता वाले जीवन का आनंद लेना चाहते हैं और बढ़ना और समृद्ध होना चाहते हैं। वे नहीं चाहते कि यह क्षेत्र सांप्रदायिक रूप से आरोपित और विभाजित हो जाए।

फ्लिपकार्ट, टाटा और बिग बास्केट के खिलाफ शिकायत

आइसक्रीम खाने से दो जुड़वां मासूम बच्चियों की मौत

मतदान के दिन भी काम कराने को लेकर ईसी पहुंचा मामला

चेन्नई (एजेंसियां)।

ई-कामर्स कंपनियों के मतदान के लिए भी गारंटी के डिलीवरी के वादों ने उनको चुनाव आयोग के निर्देशों के उल्लंघन के मामलों में फंसा दिया है। दरअसल चुनाव आयोग की ओर से मतदान के दिन मतदान के लिए सभी कर्मचारियों को सवैतनिक अवकाश देने के निर्देश को सख्ती से पालन करने का कहा गया था। लेकिन बुधवार को तमिलनाडु राज्य चुनाव आयुक्त बी कोठी निर्मलसामी के समक्ष एक शिकायत दर्ज की गई। जिसमें बताया गया कि राज्य सरकार द्वारा चुनाव के दिन 19 अप्रैल को छुट्टी की घोषणा होने के बाद भी फ्लिपकार्ट, बिगबास्केट ऑर्डर की

गारंटी के साथ डिलीवरी का वादा कर रहे हैं। जबकि तमिलनाडु के श्रम कल्याण और कौशल विकास विभाग ने मतदाने प्रतिशत बढ़ाने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ाने के लिए दुकानों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों और आईटी कंपनियों के सभी कर्मचारियों का सवैतनिक अवकाश घोषित किया है। उन्होंने दलील दी कि निर्देश के बावजूद फ्लिपकार्ट और बिग बास्केट जैसे ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफार्म 19 अप्रैल को डिलीवरी की गारंटी कैसे दे रहे हैं। यह कर्मचारियों के अधिकारों का हनन भी है साथ ही आदेश का उल्लंघन भी। शिकायतकर्ता ने मतदान के दिन गारंटीकृत डिलीवरी के ई-कॉमर्स के दावों की जांच करने और सभी श्रमिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों को बनाए रखने के लिए उचित कदम उठाने की मांग की है।

चुनावी प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए अधिनियम 1881 की धारा 25 के तहत आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। यह अवकाश सवैतनिक अवकाश होगा। यह आदेश सभी दुकानों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों और आईटी कंपनियों के सभी कर्मचारियों के लिए है।

शिकायत के बाद फ्लिपकार्ट से मिली जानकारी के अनुसार के मतदान के लिए पात्र कर्मचारी को ही सवैतनिक छुट्टी दी जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि फ्लिपकार्ट समूह में मतदान के दिन के लिए संबंधित दिशा-निर्देश अधिकारियों ने दिए गए हैं। साथ ही मतदान को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं।

मां की भी हालत नाजुक अस्पताल में भर्ती

बगलुरू

कर्नाटक में आइक्रीम खाने से जुड़वां मासूम बच्चियों की मौत हो गई। वहीं, उनकी मां गंभीर बीमार है, जो फिलहाल अस्पताल में भर्ती है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, घटना मांड्या जिले के बेट्टाहल्ली गांव की है। पुलिस ने बताया कि बुधवार को मां और बच्चियों ने गांव के एक विक्रेता से आइसक्रीम खरीद कर खाई थी। थोड़ी ही देर में वे बीमार पड़ गए। बाद में दोनों जुड़वां बच्चियों- पूजा और प्रसन्ना ने घर पर ही दम तोड़ दिया। मां की हालत गंभीर देख तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

पुलिस ने बताया कि बच्चों के शवों को मिम्स अस्पताल भेजा गया। मां का अस्पताल में इलाज जारी है।

बच्चों की मौत को लेकर कई तरह के संदेह हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने कहा कि केस दर्ज कर लिया गया है। हम उस व्यापारी की तलाश कर रहे

हैं, जिससे उन्होंने आइसक्रीम खरीदी थी। वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय ने हाल ही में ई-कॉमर्स कंपनियों को एडवाइजरी जारी कर उन्हें अपने पोर्टल और प्लेटफॉर्म्स पर बोर्नविटा समेत सभी ड्रिंक्स और बेवरेज को 'हेल्थ ड्रिंक्स' की श्रेणी से हटाने का निर्देश दिया था। 10 अप्रैल को जारी अधिसूचना में मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने सीआरपीसी अधिनियम 2005 की धारा 14 के तहत अपनी जांच के बाद निष्कर्ष निकाला है कि देश में खाद्य कानूनों के तहत कोई भी ड्रिंक 'स्वास्थ्य पेय' या हेल्थ ड्रिंक्स के रूप में परिभाषित नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार भारत में बिकने वाले नेस्ले के बच्चों से जुड़े उत्पादों की हर सर्विंग में करीब 3 ग्राम चीनी पाई गई। चीनी की इस मात्रा के बारे में पैकेट पर कंपनी की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है।

नेस्ले की ओर से गरीब और विकासशील देशों में बेचे जा रहे उत्पादों में चीनी मिलाने का खुलासा तब हुआ जब स्विस जांच संगठन पब्लिक आई और आईबीएफएएन (इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क) ने एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में बेचे जाने वाले कंपनी के बेबी फूड उत्पादों के नमूने बेल्जियम की प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजे।

आपने पिछले साल कोडागु में डॉक्टर, वकील को चुना था, अब एक इंजीनियर को चुनें: पोन्नन्ना

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विराजपेट विधायक ए.एस. पोन्नन्ना ने गुरुवार को कोडागु में मतदाताओं से मैसूरु लोकसभा क्षेत्र के लिए एक इंजीनियर को चुनने का आग्रह किया क्योंकि उन्होंने एक वकील (विराजपेट में) और एक डॉक्टर (मदिकेरी में) की जीत का समर्थन किया और सुनिश्चित किया। कांग्रेस उम्मीदवार एम. लक्ष्मण पेशे से इंजीनियर हैं जबकि पोन्नन्ना एक वकील और गौड़ा एक डॉक्टर हैं। विराजपेट तालुक में एक चुनाव अभियान के दौरान बोलते हुए पोन्नन्ना, जो मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के कानूनी सलाहकार भी हैं, ने कहा कि अगर लक्ष्मण को वोट दिया जाता है तो हम तीनों कोडागु के विकास के लिए काम करेंगे और आप सभी के लिए ताकत बनेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव देश के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमारे लिए संविधान और लोकतंत्र को भाजपा के हाथों से बचाने की लड़ाई है।

मतदाताओं को निर्णायक भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा हमारी गारंटी को झेलने में असमर्थ है जिससे राज्य के करोड़ों गरीबों को मदद मिली है। सिद्धरामैया सरकार में बिचौलियों का कोई खतरा नहीं है और गारंटी का पैसा सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा किया जाता है। उन्होंने कोडागु में भाजपा के योगदान को जानना चाहा और उनसे कॉफी भूमि के लिए किए गए विकास कार्यों की एक सूची देने को कहा। अपने चुनाव अभियान के तहत कोडागु की यात्रा कर रहे लक्ष्मण ने अपने संबोधन में कोडागु के विकास के लिए अपने पक्ष में वोट मांगे। उन्होंने कहा, जैसे कोडागु के लोगों ने पोन्नन्ना और डॉ. गौड़ा को मौका दिया, वैसा ही मौका उन्हें भी यह दिखाने के लिए दिया जा सकता है कि वह लोगों के लिए क्या कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र में डबल इंजन सरकार के बावजूद, भाजपा कोडागु के विकास के लिए अपेक्षित धन नहीं ला पाई। उन्होंने अपने घोषणापत्र में मैसूरु और कोडागु के लिए अपने दृष्टिकोण को सूचीबद्ध किया है, जिसे उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के लिए लाया है। इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मजा उथप्पा और अन्य उपस्थित थे।

बेलूर तालुक में जंगली हाथी को पकड़ा गया

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक वन विभाग के अधिकारियों ने पालतू हाथियों की एक टीम की मदद से एक जंगली हाथी को पकड़ लिया, जो गुरुवार को हासन जिले के बेलूर तालुक में अरेहल्ली के पास वटेहल्ली में एक कॉफी एस्टेट में स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहा था।

विभाग ने ऑपरेशन शुरू करते ही हाथी को पकड़ने में सफलता हासिल कर ली, जिसकी पहचान स्थानीय लोगों ने कराडी के रूप में की है। गार्डों और निगरानीकर्ताओं की एक टीम ने जानवर पर नजर रखी और ट्रैंक्विलाइजर डार्ट फायर करके उसे बेहोश कर दिया गया। जंगली हाथी बेलूर और सकलेशपुर तालुकों के गांवों में घूम रहा था। हाल ही में, इसे बेलूर तालुक के हुलेनहल्ली के आवासीय इलाके में एक अन्य हाथी के साथ लड़ते हुए देखा गया था। स्थानीय लोगों ने इस पर कब्जा करने के लिए वन विभाग पर दबाव बनाया था। ऐसा कहा जाता है कि यह जानवर 4 जनवरी को बेलूर तालुक के मट्टावारा में एक खेतिहर मजदूर की मौत के लिए जिम्मेदार था। अभ्यास में पालतू हाथी अभिमन्यु, कर्नाटक भीम, हर्ष, प्रशांत, सुग्रीव, धनंजय, अश्वथामा और महिंद्रा शामिल थे। अधिकारियों ने कहा कि पकड़े गए हाथी को दुबारे हाथी शिविर में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। हासन जिले में कुछ अन्य उत्पाती हाथियों को पकड़ने का अभियान जारी रहेगा। विभाग ने ऑपरेशन के दौरान किसानों और स्थानीय लोगों से सहयोग मांगा है।

भाजपा, कांग्रेस उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र किया दाखिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

निवर्तमान भाजपा सांसद राजा अमरेश्वर नाइक और कांग्रेस उम्मीदवार जी. कुमार नाइक ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए गुरुवार को रायचूर के उपायुक्त कार्यालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। अमरेश्वर नाइक के साथ गंगावती विधायक जी. जनार्दन रेड्डी, पूर्व मंत्री वेंकटराव नादगौड़ा और एमएलसी चलवादी नारायणस्वामी भी थे।

कुमार नाइक के साथ मंत्री एन.एस. बोसेराजू और शरणबसप्पा दर्शनपुर मौजूद थे।

इस बीच, पूर्व सांसद बीवी

नाइक ने भी अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। पूर्व मंत्री नरसिम्हा नाइक ने विधानसभा सीट के उप-चुनाव में भाजपा के टिकट पर सुरपुर में नामांकन पत्र का एक और सेट दाखिल किया।

चौबीस कैरेट सोने जैसी खरी है मोदी की गारंटी: जयराम

मंडी, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दी हुई गारंटी चौबीस कैरेट सोने जैसी खरी है। भारतीय जनता पार्टी का संकल्प पत्र मोदी की गारंटी से युक्त है जो 2047 का रोडमैप दिखा रहा है जबकि कांग्रेस का घोषणापत्र सिर्फ़ झूठ का पुलिंदा है। श्री ठाकुर गुरुवार को सराज के थुनाग में कहा कि एक तरफ इंडी गठबंधन सिर्फ़ नरेंद्र मोदी को रोकने के लिए नित नए दावे कर रहा है जबकि दूसरी तरफ़ भाजपा 2047 तक विकास का खाका तैयार कर चुकी है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र में आने वाले पांच साल में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की गारंटी दी गई है। अगले पांच साल तक मुफ्त राशन, पानी, गैस कनेक्शन और पीएम सूर्यघर से जीरो बिजली बिल आयेंगे जबकि आयुष्मान भारत योजना से पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज सुविधा जारी रहेगी। मध्यम वर्ग परिवारों के लिए पक्के घर और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी लागू होगी, युवाओं के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर, इन्वेस्टमेंट, मैन्युफैक्चरिंग, हाई वैल्यू सर्विसेज, स्टार्टअप और टूरिज्म और खेल के जरिये लाखों रोजगार के अवसर मिलेंगे। यही नहीं नारी तू नारायणी के तहत आगे तीन करोड़ 'लखपति दीदी' बनाएंगे। महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप को सर्विस सेक्टर से जोड़कर नए रोजगार के अवसर देने का प्रण लिया गया है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू कर अब 33 प्रतिशत आरक्षण संसद और विधानसभा में भी होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मंडी संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह कह रहे हैं कि आपदा में कंगना रनौत कहां थी और उन्होंने क्या दिया। लेकिन हम पूछना चाहते हैं कि जब आपदा में कुल्लू से मंडी तक सात पुल बहे तो आप बताएं कि बतौर लोक निर्माण मंत्री आपने कितने तैयार किए। सच्चाई तो ये है कि आपने अभी तक एक पुल तक नहीं बनाया। पंडोह और कुनका तर पुल की आखिर नौ माह बाद भी क्यों सुध नहीं ली गई। उन्होंने कहा कि आपदा में राहत बांटने के नाम पर सबसे बड़ा घोटाला हुआ है। कांग्रेस पार्टी से संबंधित जिन लोगों का मात्र आंशिक नुकसान हुआ है उन परिवारों को पूरा मुआवजा बांटा गया और जिन भाजपा से संबंधित लोगों के पूरे के पूरे घर तबाह हुए उन्हें आज तक मुआवजे और रिपोर्ट के लिए इंतज़ार करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार को इन चुनावों में इसका खामियाजा भुगतना ही पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र में आने वाले वर्षों में बीज से बाजार तक किसानों की आय बढ़ाने, श्रीअन्न को सुपर फूड की तरफ स्थापित करने, नैनो यूरिया और प्राकृतिक खेती से जमीन की सुरक्षा,कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, माइग्रेंट वर्कर्स, टैक्सी ड्राइवर, ट्रक ड्राइवर, ऑटो ड्राइवर, कुली और घर में काम करने वाले श्रमिकों को ई-श्रम पर जोड़ कर कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देना, हाईवे पर ट्रक चालकों के लिए आधुनिक सुविधाएं,भारत योग का ऑफिशियल सर्टिफिकेशन देगा, विश्वभर में तिरुवल्लूवर कल्चरल सेंटर के माध्यम से भारत की संस्कृति को विश्व में ले जाएंगे, भारत की क्लासिकल भाषाओं के अध्ययन की व्यवस्था उच्च शिक्षण संस्थाओं में करेंगे, एकलव्य स्कूल, पीएम जनमन, वन उत्पादों में वैल्यू एडिशन एवं ईको टूरिज्म को बढ़ावा देंगे। इसके अतिरिक्त ओबीसी, एससी, एसटी समुदायों को जीवन के हर क्षेत्र में सम्मान देंगे।

श्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की गारंटी दी है। अर्बन हाउसिंग, ट्रांसपोर्टेशन, वाटर मैनेजमेंट, साफ हवा, कचरे के ढेर से मुक्ति और स्वच्छ पानी के लिए मिशन मोड पर काम होगा। इस वर्ष विश्वभर में रामायण उत्सव मनाएंगे और अयोध्या का विकास होगा ताकि ये दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन केंद्र बन सके। देश में 5जी नेटवर्क टेक्नोलॉजी का विस्तार, 6ळ पर काम होगा।

भ्रष्टाचार के खिलाफ अधिक सख्त कार्रवाई होगी, परफॉर्म, रिफॉर्म, ट्रांसफॉर्म का मंत्र शासन के हर क्षेत्र में लागू होगा। भारतीय दंड संहिता की जगह अब भारतीय न्याय संहिता लागू होगी। वन नेशन, वन इलेक्शन के साथ ही कॉमन इलेक्टोरल रोल की व्यवस्था होगी। समृद्ध भारत के लिए विश्वकर्मा परिवरारजन, एमएसएमई और छोटे ट्रेडर्स को स्किल सिखाने, क्रेडिट देने, और उनके उत्पादन को बाजार से जोड़ने की गारंटी दी गई है।

कर्नाटक हाई कोर्ट ने शशिकला के खिलाफ खारिज किया मतदाता रिश्वत मामला

बेंगलुरु, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने गुरुवार को 2023 राज्य विधानसभा चुनाव से संबंधित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक और पूर्व मंत्री शशिकला जोले के खिलाफ मतदाता रिश्वत मामला खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति कृष्ण एस दीक्षित ने यह फैसला सुनाते हुए कहा कि सुश्री जोले के खिलाफ रिश्वत के आरोप मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं।

न्यायमूर्ति दीक्षित ने इस बात पर प्रकाश डाला कि किसी कार्य को रिश्वतखोरी माने जाने के लिए, इसमें कम से कम दो पक्ष शामिल होने चाहिए।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केवल चुनावी अपराधों के लिए इस्तेमाल होने वाले संदिग्ध धन को रखना रिश्वत के रूप में योग्य नहीं है।

न्यायमूर्ति दीक्षित ने कहा कि सुश्री जोले के खिलाफ लगाए गए आरोपों से किसी अपराध के घटित होने का खुलासा नहीं हुआ। उन्होंने मजिस्ट्रेट द्वारा पारित आदेश की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें तर्क और विवेक दोनों का अभाव है।

उल्लेखनीय है कि युवराज डोनवाडे नामक व्यक्ति के पास 10,000 रुपये नकद, मतदाता सूची और कमल के निशान और सुश्री जोले की तस्वीरों वाले हैंडबिल पाए गए थे। श्री डोनावाडे पर आरोप लगाया गया कि वह सुश्री जोले के लिए प्रचार करते हुए मतदाताओं को लुभाने का प्रयास कर रहे थे।

धनखड़ ने दिलाई पांच नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को सदन के पांच नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। राज्यसभा सचिवालय ने यहां बताया कि संसद भवन में सभापति के कक्ष में राज्यसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों भीम सिंह, परमार जसवंत सिंह सालम सिंह, श्रीमती संगीता, नवीन कुमार और सुधांशु त्रिवेदी को सदन की सदस्यता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर उपसभापति हरिवंश और राज्यसभा के महासचिव मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ा अभियान

आईटी, ईडी, एसीबी और ईओडब्ल्यू ने शुरू की तीन बड़े घोटालों की जांच

रायपुर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार के खिलाफ वर्तमान सरकार ने बड़ा अभियान छेड़ दिया है। भ्रष्टाचार और घोटालों में लिप्त नौकरशाहों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार की पहल से आयकर विभाग (आईटी) व प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अलावा एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी)-आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) भी एक्शन मोड में है। तीन बड़े घोटालों की जांच शुरू कर दी गयी है, इसमें 22 सौ करोड़ का शराब घोटाला, 600 करोड़ का कोल खनन परिवहन घोटाला और 6000 हजार करोड़ का महादेव ऐप घोटाला शामिल है।

ईओडब्ल्यू और एसीबी में महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ने मीडिया को बताया कि कोई भी क्राइम सस्पेक्ट अगर वो लोकसेवक है तो उसके खिलाफ जांच करनी होती है तो उसके लिए वैधानिक कार्यवाही को अंजाम दिए जाने के लिए राज्य शासन से 17 (ए) की अनुमति आवश्यक होती है जो कि महादेव ऐप घोटाले में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के कुछ अधिकारियों के खिलाफ भी जांच करने के लिए राज्य सरकार ने 17 (ए) की अनुमति जारी की है। इस अनुमति के बाद 2005 बैच के आईपीएस शेख आरिफ, 2001 बैच के आनंद छाबड़ा, 2004 बैच के अजय यादव और 2007 बैच के प्रशांत अग्रवाल के खिलाफ जांच किये जाने की अनुमति मिली है। गौरतलब है कि इसके पूर्व दागी अफसरों की फेहरिस्त में शामिल विवेक ढांड, अनिल टुटेजा और सौम्या चौरसिया एवं अन्य अधिकारियों के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसियों की रिपोर्ट के बाद अनुमति ले ली गयी है।

ईडी ने सोरेन के जमीन खरीद से जुड़े मामले में चार और को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड में बरियातू जमीन सौदे से संबंधित एक धन शोधन के मामले की जांच कर रही केंद्रीय एजेंसी (ईडी) ने छापे मार कर चार आरोपित व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। जमीन अधिग्रहण में कालीकमाई खपाने के आरोप में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कुछ एक अधिकारी जुड़े हैं।

ईडी की गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति में उसकी हाल की कार्रवाई में गिरफ्तार व्यक्तियों के नाम प्रिय रंजन सहाय, इरशाद अख्तर, अंतु तिर्की और बिपिन सिंह बताए गए हैं। इसके अलावा असरफ अली नाम के एक अन्य व्यक्ति को भी हिरासत में लिया गया है जिसे विशेष ईडी अदालत ने 22 अप्रैल तक हिरात में रखने की मंजूरी दी है। इससे पहले सद्दाम हुसैन नाम का एक और आरोपी भी 20 अप्रैल तक ईडी की हिरासत में है।

उल्लेखनीय है कि यह पूरा मामला पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा रांची के बरियातू में अधिग्रहित की गयी 8.8 एकड़ जमीन से जुड़ा है। इस मामले में श्री सोरेन के अलावा राजस्व विभाग के एक अधिकारी भानुप्रताप प्रसाद पहले से गिरफ्तार हैं और न्यायिक हिरासत में हैं। इसी जमीन सौदे में अवैध कमाई के खपाने के मामले की जांच धन शोधन निवारक अधिनियम 2002 के तहत जांच कर रही है। भानुप्रताप प्रसाद जमीन के मूल सरकारी दस्तावेजों का रक्षक था। श्री सोरेन और प्रसाद पर आरोप है कि उन्होंने अपराध की कमाई को हासिल कर के उसको विभिन्न तरीकों से छुपाया।

ईडी ने श्री सोरेन, प्रसाद और चार अन्य के विरुद्ध अभियोजन के लिए शिकायत दर्ज की थी। आरोप है कि श्री प्रसाद और अन्य आरोपियों ने सरकारी मूल्यांकन में उक्त 31 करोड़ की जमीन के अवैध तरीके से अधिग्रहण और उस पर कब्ज़ा करने में श्री सोरेन की सहायता की और उन्हें बढ़ावा दिया।

ईडी ने इस जमीन को कुर्क कर लिया। इसके बाद, सद्दाम हुसैन को अभिलेखों की जालसाजी और फर्जीवाड़ा करने के आरोप में नौ अप्रैल को गिरफ्तार कर लिया था। ईडी ने जमीन के सौदों में इसी तरह की हेराफेरी के कथित पांच मामलों में झरखंड पुलिस और कोलकाता पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर उनमें काली कमाई को ठिकाने लगाने के पहलुओं की जांच शुरू की है।

ईडी की इस जांच में कुछ सरकारी अधिकारियों से कई व्यक्ति फंसे हैं। जांच से पता चला है कि झारंड में भू-माफिया सक्रिय हैं जो जमीनों के मूल दस्तावेजों को फर्जी तरीके से बदल देते हैं या उन्हें लुप्त करा देते हैं। ईडी इस संबंध में तलाशी की 51 कार्रवाई और नौ सर्वे करा चुका है। इन कार्रवाइयों में ईडी ने करीब 1.15 करोड़ रुपये की नकदी और 3.56 करोड़ रुपये के बैंक खातों को जब्त किया है।

स्वदेशी प्रौद्योगिकी क्रूज़ मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ओडिशा तट पर एकीकृत परीक्षण रेंज दीपुर से गुरूवार को स्वदेशी प्रौद्योगिकी क्रूज़ मिसाइल (आईटीसीएम) का सफल उड़ान परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार परीक्षण के दौरान मिसाइल की सभी उप-प्रणालियों ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया ।

परीक्षण रेंज पर विभिन्न स्थानों पर तैनात रडार, इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम और टेलीमेट्री जैसे कई सेंसर द्वारा मिसाइल परीक्षण की निगरानी की गई थी। वायु सेना के सुखोई विमान से भी मिसाइल की उड़ान पर नजर रखी गई।

इस सफल उड़ान परीक्षण के माध्यम से गैस टर्बाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान (जीटीआरई), बेंगलुरु द्वारा विकसित स्वदेशी प्रणोदन प्रणाली को भी कसौटी पर परखा गया। यह मिसाइल बेहतर और विश्वसनीय प्रदर्शन उन्नत एवियोनिक्स और सॉफ्टवेयर से भी लैस है। मिसाइल को अन्य प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों के योगदान के साथ बेंगलुरु स्थित डीआरडीओ प्रयोगशाला वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई) द्वारा विकसित किया गया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आईटीसीएम के सफल उड़ान-परीक्षण के लिए डीआरडीओ को बधाई दी है और कहा है कि स्वदेशी प्रणोदन द्वारा संचालित लंबी दूरी की स्वदेशी सबसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल विकास भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास के लिए एक मील का पत्थर है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने आईटीसीएम की सफल उडान परीक्षण पर डीआरडीओ की पूरी टीम को बधाई दी।

केरल: पनूर बम विस्फोट मामले में तीन और गिरफ्तार

कन्नूर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल में पनूर बम विस्फोट मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने गुरुवार को तीन और युवकों को गिरफ्तार किया है। पांच अप्रैल को पनूर के पास मुलियाथोड में हुये देसी बम विस्फोट एक सीपीआई (एम) कार्यकर्ता की मौत हो गई थी और तीन अन्य घायल हो गए थे।

पुलिस ने एक गुप्त सूचना के बाद छापेमारी में वडकारा के पास मदापल्ली से तीन किलोग्राम विस्फोटक सामग्री (बारूद) भी जब्त किया। पुलिस ने बताया कि चोम्बला पुलिस ने इस संबंध में एक और मामला दर्ज किया है। पुलिस ने कन्नूर जिले के कादिरूर के पास चुंडांगापोइल के सजीलेश (43) और जिजेश (38) और कोझिकोड के वडकारा के पास मदापल्ली के बाबू (45) को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही कडुंगोपोयिल के टी शिजल (27) और कुन्नोथपरम्बा के डीवाईएफआई इकाई सचिव की गिरफ्तारी सहित कुल गिरफ्तारियों की संख्या 12 हो गई। पुलिस सूत्रों ने कहा कि सजीलेश वडकारा से विस्फोटक सामग्री लाया था, जिसे बाबू ने सौंपा था। सजीलेश 2014 में कथिरूर में आरएसएस कार्यकर्ता मनोज हत्याकांड का आरोपी भी है। पनूर बम विस्फोट मामले में गिरफ्तार किए गए पहले नौ लोगों में से सभी डीवाईएफआई/सीपीआई (एम) कुथुपरम्बा और मीथले कुन्नोथुपरम्बा के समर्थक हैं, और उनमें से कुछ डीवाईएफआई के पदाधिकारी भी हैं।

एक दो साल में ही देश में समाप्त हो जाएगा नक्सलवाद : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने अपने संसदीय क्षेत्र गांधीनगर में किया रोड शो

अहमदाबाद/गांधीनगर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और गुजरात में गांधीनगर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार अमित शाह ने गुरुवार को यहां रोड़ शो के दौरान कहा एक दो साल में ही देश में नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा।

श्री शाह ने राज्य में आज रोड़ शो से अपने संसदीय क्षेत्र में शक्ति प्रदर्शन कर चुनाव प्रचार शुरू किया। एक रोड़ शो के दौरान उन्होंने कहा कि जीत का मार्जिन तो जनता तय करती है मगर उत्साह देखकर मैं इतना कह सकता हूं हम गत चुनाव से बड़े बहुमत के साथ जीतने जा रहे हैं। गुजरात में क्षत्रिय समाज की नाराजगी पर उन्होंने कहा जहां तक क्षत्रियों की नाराजगी का सवाल है रुपाला जी ने ह्रदय से माफी मांग ली है और मैं मानता हूं

गुजरात में 26 सीटें भाजपा गत चुनाव से ज्यादा बहुमत के साथ जीतेगी। उन्होंने कहा देश में हम पूर्व पश्चिम उत्तर दक्षिण 400 पार करेंगे और कहा तीसरी बार मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद एक दो साल में ही इस देश में नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा। प्रचार पर बात करते हुए उन्होंने कहा हरेक नागरिक को प्रचार करना चाहिए।

श्री शाह ने आज सुबह अहमदाबाद जिले के साणंद में एएमसी सर्कल से नणसरोवर चौक तक, गांधीनगर जिले के कलोल में जेपी गेट से टावर चौक तक, अपराह्न अहमदाबाद में सरदार पटेल चौक (राणीप) से के के नगर (घाटलोडिया) से वाणीनाथ चौक (नाराणपुरा) से जीवराज पार्क चार रास्ता (वेजलपुर) तक भव्य रोड़ शो किया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री शाह 19 अप्रैल शुक्रवार को विजय मुहूर्त में गांधीनगर लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल करेंगे।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस पार्टी ने केंद्रीय गृह मंत्री के खिलाफ सोनल पटेल को उम्मीदवार बनाया है। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 19 अप्रैल है और राज्य की सभी 26 लोकसभा सीटों के लिए सात मई को मतदान होगा।

सपा-बसपा और कांग्रेस के लोग दंगा पॉलिसी चलाते थे

हम चलाते हैं विकास की पॉलिसी: सीएम योगी

बुलंदशहर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। आस्था, सुरक्षा व समृद्धि के लिए भाजपा आवश्यक है। सपा-बसपा व कांग्रेस के लोग कर्फ्यू वाले हैं। इनके राज में महीनों कर्फ्यू लगा रहता था पर आज प्रदेश में कर्फ्यू नहीं है। दंगा कराकर यह लोग प्रदेश को अस्त-व्यस्त करते थे। यह दंगा पॉलिसी चलाते थे, हम विकास की पॉलिसी चलाते हैं। हमारी सरकार में सामान्य प्रदेशवासियों को राम-राम और माफिया-अपराधियों के लिए राम नाम सत्य की यात्रा के रास्ते खुले रहेंगे।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने गुरुवार को बुलंदशहर के सिकंदराबाद में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। सीएम योगी ने यहां गौतमबुद्ध नगर के सांसद व भाजपा प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा के लिए जनसभा कर वोट की अपील की। इस दौरान समाजवादी पार्टी के कई नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

सीएम योगी ने कहा कि आज हम सभी नए भारत में हैं। 2014 के चुनाव के साक्षी लोग जानते हैं कि उस समय कैसा भारत था। वे वर्तमान पीढ़ी और नवोदित मतदाताओं को बताएं कि उसके पहले लोगों में आक्रोश, अविश्वास था। देश में आतंकवाद, नक्सलवाद, अलगाववाद सिर चढ़कर बोल रहा था। देश की सभी संस्थाओं में भ्रष्टाचार चरम पर था। युवा निराश व

किसान आत्महत्या कर रहा था।

सीएम ने कहा कि दस वर्ष में हमने बदलते भारत को देखा है। नक्सलवाद व आतंकवाद आदि समस्याओं का समाधान हुआ है। कांग्रेस ने समस्या दी। जम्मू समेत पूरे देश को आतंकवाद की चपेट में ला दिया। रोज विस्फोट होते थे, निर्दोष लोग मरते थे। परिवार तबाह हो जाते थे, लेकिन कांग्रेस के लोग तमाशबीन बने रहते थे। एक बार भी यह लोग आतंकवाद के खिलाफ बोलने को तैयार नहीं थे पर आज धारा-370 समाप्त हो गई।

सीएम योगी ने कहा कि जेवर में बन रहा एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट विकास का उदाहरण है। इसका सबसे अधिक लाभ सिकंदराबाद व जेवर को मिलेगा। उन्होंने कहा कि देश-प्रदेश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हुई है। हम रैपिड रेल की सुविधा देने जा रहे हैं। मेट्रो आ रही है। रेल की कनेक्टिविटी, दादरी में

डेडिकेटेड फ्रेड कॉरिडोर का जंक्शन, लॉजिस्टिक का देश का सबसे बड़ा केंद्र भी यहां बनने जा रहा है, जहां लाखों नौकरियां निकलेंगी।

सीएम योगी ने विकास योजनाओं को भी गिनाया। बोले कि उप्र में कोई बीमार हो गया। उसके पास आयुष्मान कार्ड नहीं है। सांसद-विधायक व पीड़ित ने पत्र लिख दिया तो सीधे अकाउंट में पैसा भेज दिया जाता है। बीमारी के कारण परिवार पर कोई आर्थिक बोझ न आए, सरकार इसका दायित्व और उपचार का खर्च वहन करने की जिम्मेदारी लेती है। सीएम ने कहा कि नोएडा, ग्रेनो व यमुना अथॉरिटी में बिल्डर-बायर्स की समस्याओं का निदान कराकर वर्षों से लंबित मामले समाप्त कराते हुए बायर्स को हक दिया जा रहा है।

सीएम ने कहा कि पहले देश हित नहीं, बल्कि परिवार के बारे में सोचने वाले लोग थे। यह चुनाव स्वार्थ के परिवार बनाम मोदी के परिवार (140 करोड़ का भारत) के बीच है। सपा-बसपा व कांग्रेस के लोग अपने परिवार के बाहर सोच भी नहीं सकते। अब सुरक्षा-निवेश का बेहतर माहौल है। 500 वर्ष बाद रामलला को अपनी जन्मभूमि पर जन्मदिन मनाने का अवसर मिला। भगवान सूर्य की किरणों से तिलक होते सूर्यवंशी राम के अभिषेक को आपने देखा होगा। संपूर्ण सनातन उस आभा को देख आलोकित हो रहा था।

सीएम योगी ने भारत को मिलने वाली समृद्धि का श्रेय नरेंद्र मोदी को दिया। उन्होंने तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री व डॉ. महेश शर्मा को सांसद बनाने का आह्वान किया। सीएम योगी ने कहा कि हमारे जनप्रतिनिधि विकास की किसी भी चालू परियोजना में बैरियर नहीं बनते। वे हमेशा कहते हैं कि विकास कार्य में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। इन लोगों ने सच्चे और अच्छे प्रतिनिधि का दायित्व निभाया है। नोएडा देश के सबसे विकसित क्षेत्र में से एक बनने जा रहा है। गौतमबुद्ध नगर विकसित भारत का मानक बनेगा। गौतमबुद्ध नगर अन्य जनपदों की पहचान को पीछे छोड़ते जा रहा है। डबल इंजन सरकार के साथ सांसद विधायक होने का लाभ भी नोएडा को प्राप्त हो रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि चुनाव में अनेक लोग आएंगे। जाति-क्षेत्र का सहारा लेंगे। उनसे कहना कि चुनाव बाद आना। हमें राष्ट्रवादी व विकासपरक सोच वाली सरकार चाहिए और वह केवल कमल के फूल से ही संभव हो पाएगा। सीएम ने मौसम की परवाह किए बिना मतदान की अपील की। मतदाताओं को सहेजते हुए कहा कि पहले तीन घंटे में ही 50 फीसदी मतदान की तैयारी कर लें।

जनसभा में भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया, नोएडा सांसद व भाजपा प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा, विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश, श्रीचंद शर्मा, नरेंद्र भाटी, बुलंदशहर के भाजपा जिलाध्यक्ष विकास चौहान, नोएडा भाजपा के जिलाध्यक्ष गजेंद्र मावी, महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, विधायक लक्ष्मी राज सिंह, धीरेंद्र सिंह, मीनाक्षी सिंह, तेजपाल नागर, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी आदि मौजूद थे।

श्रीहनुमत प्राण प्रतिष्ठा एवं रुद्र महायज्ञ का शुभारंभ

गोरखपुर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में श्री हनुमत प्राण प्रतिष्ठा एवं रुद्र महायज्ञ का विधि विधान से शुभारंभ किया। प्रभु हनुमान की नव्य मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा 21 अप्रैल को होगी जबकि रुद्र महायज्ञ की पूर्णाहुति 22 अप्रैल को होगी। इस दौरान आज से पूर्णाहुति तक विविध प्रकार के पूजन, अधिवास व अनुष्ठान के कार्यक्रम चलते रहेंगे।

18 अप्रैल, गुरुवार से 22 अप्रैल तक होने वाले रुद्र महायज्ञ का शुभारंभ गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्य दरवाजे पर पूजन करते हुए मंडप प्रवेश किया।

इसके बाद वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच वेदी का पूजन हुआ। हनुमत प्राण प्रतिष्ठा 22 अप्रैल को देवालय में की जाएगी। यज्ञ गुरुवार शाम से ही शुरू हो जाएगा। इसके पहले गाजे बाजे के साथ गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ की अगुवाई में बड़ी संख्या में महिलाओं ने पूजन के बीच भीम सरोवर से यज्ञ कलश में जल भरा। भीम सरोवर की परिक्रमा करने के बाद कलश यात्रा यज्ञशाला पहुंची जहां विभिन्न स्थलों पर यज्ञ कलश को विराजमान करवाया गया। यहां से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कमान संभालते हुए मुख्य दरवाजे पर पूजा अर्चना के बाद यज्ञशाला के मंडप में प्रवेश किया। प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान में आज पंचांग पूजन किया गया।

इस अवसर पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, रामानुज त्रिपाठी, डॉ. रंगनाथ त्रिपाठी, अश्वनी त्रिपाठी, अरविंद चतुर्वेदी, रोहित मिश्र, बृजेश मणि त्रिपाठी, ओम प्रकाश त्रिपाठी, प्रांगेश मिश्र, अभिषेक पांडेय, डॉ. हृदय नारायण शुक्ल आदि उपस्थित थे।

यूपी में पहले चरण से ही एनडीए को बढ़त मिलने की उम्मीद

लखनऊ, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव का पहला चरण शुक्रवार को सम्पन्न होगा। इस चरण में उत्तर प्रदेश की 8 लोकसभा सीटों के लिए भी चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। पश्चिम उत्तर प्रदेश से ताल्लुक रखने वाली इन सीटों पर एनडीए मजबूती से ताल ठोक रहा है। पिछली लोकसभा में इन 8 सीटों में से 4 सीटों पर भाजपा, जबकि 3 पर बसपा और एक पर सपा का कब्जा था। हालांकि, विभिन्न चैनलों के ओपिनियन पोल में इस बार इन सभी 8 सीटों पर एनडीए की जीत की भविष्यवाणी की जा रही है। इस भविष्यवाणी के पीछे डबल इंजन की सरकार द्वारा हर तबके और हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाना भी अहम फैक्टर माना जा रहा है। खासतौर पर योगी सरकार ने केंद्र की योजनाओं को जिस तरह बिना लीकेज जन-जन तक पहुंचाया है, उसके चलते मतदाताओं के मन मे एनडीए की सकारात्मक छवि बनी है। सीएम योगी इन सभी सीटों पर तूफानी रैलियां कर चुके हैं। उन्होंने भी भविष्यवाणी की थी कि पहले ही चरण से एनडीए अपने विपक्षी दलों पर बढ़त हासिल कर लेगा और शुक्रवार को उनकी इस भविष्यवाणी पर मतदाता ईवीएम के माध्यम से मुहर लगाएंगे।

सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य की योजनाओं के साथ-साथ केंद्र की योजनाओं को भी बिना भेदभाव जनता तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री जनधन योजना हो या प्रधानमंत्री आवास योजना, सभी योजनाओं से रिकॉर्ड संख्या में लोगों को लाभ दिलाया गया है। इन 8 लोकसभा सीटों की बात करें तो जनधन योजना के तहत इन सभी सीटों पर 100 प्रतिशत घरों में जनधन अकाउंट खुलवाया गया है। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत सभी 8 लोकसभी क्षेत्रों में 2023 तक कुल 2,24,332 मकान निर्मित कर पात्र लाभार्थियों में वितरित किए गए हैं। आयुष्मान भारत योजना की बात करें तो इन 8 सीटों पर कुल 4,878,400 लाभार्थियों को 5 लाख तक के मुफ्त इलाज के लिए बीमा कवर प्रदान किया जा रहा है।

यूपी की आठ सीटों पर मतदान आज

80 प्रत्याशियों की किस्मत का होगा फैसला

सात जिलों में 19 अप्रैल को सार्वजनिक छुट्टी

लखनऊ, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए उत्तर प्रदेश के सात जिलों में 19 अप्रैल को पहले चरण का मतदान होगा। इस चरण में उत्तर प्रदेश की आठ लोकसभा सीटों के लिए मतदान होगा। पहले चरण में सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, रामपुर और पीलीभीत सीट पर मतदान होगा। इसके लिए पोलिंग पार्टियां रवाना हो चुकी हैं। सात जिलों में 19 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की गई है।

मतदान को लेकर तैयारियों पर जानकारी देते हुए प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा कि यूपी में पहले चरण की आठ सीटों पर 80 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। मतदान के लिए 14 हजार से ज्यादा पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा मतदाता मुरादाबाद सीट पर हैं जबकि सबसे कम मतदाता नगीना लोकसभा सीट पर हैं। उन्होंने बताया कि 14845 में 3145 पोलिंग स्टेशन मुश्किल हैं। इन स्टेशनों पर लाइव ब्रॉडकास्ट की व्यवस्था होगी। अर्धसैनिक बलों के लिए आपातकालीन स्थिति में हेलीकॉप्टर और एयर एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है। मतदाता शाम को छह बजे तक मतदान कर सकेंगे।

पीलीभीत-बहेड़ी संसदीय क्षेत्र में लोकसभा चुनाव का मतदान कराने के लिए मंडी परिसर से पोलिंग पार्टी मतदान केंद्रों के लिए रवाना हो गई हैं। बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे से कार्मिकों को उनकी ड्यूटी वितरित की जाने लगी। ड्यूटी वितरण विधानसभा वार किया गया। कार्मिकों की सुविधा के लिए ड्यूटी सूची भी चस्पा की गई। जिले में 1521 बूथों पर मतदान होना है। प्रशासन ने पोलिंग पार्टियों की रवानगी के सभी इंतजाम एक दिन पहले ही पूरे कर लिए थे। विधानसभा क्षेत्रवार ड्यूटी पत्र वितरण की व्यवस्था की गई। कार्मिकों को दवा किट और अन्य सामग्री भी दी गई। मतदान की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि पीलीभीत जिले में मतदाताओं की संख्या 14,61,062 है। वहीं बहेड़ी विधानसभा क्षेत्र में 3,70,637 मतदाता हैं। जिले में 958 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। सभी मतदेय स्थलों पर पोलिंग पार्टियों के ठहरने के लिए इंतजाम पूरे किए जा चुके हैं। पीलीभीत-बहेड़ी लोकसभा से कुल 10 प्रत्याशी चुनाव मैदान हैं। मतदान के लिए बुधवार की शाम पांच बजे के बाद प्रचार बंद करा दिया गया है। सुरक्षा के लिहाज से स्थानीय पुलिस के साथ ही अर्धसैनिक बल को भी लगाया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ऋतु पूनिया ने बताया मतदान के लिए 1674 पार्टियों हैं। इसमें 153 रिजर्व में रखी गई हैं। 1521 बूथ बनाए गए हैं। दोपहर के समय डीएम संजय कुमार सिंह ने पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल पर तैयारियों का जायजा भी लिया।

शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान के लिए जिले में 14 जोनल तथा 102 सेक्टर मजिस्ट्रेटों को नियुक्त किया गया है। इसके अलावा विधानसभावार एक- एक सुपर जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में अधिकारियों को नामित किया गया है। पोलिंग पार्टी रवाना होने के दौरान कर्मियों की सेहत को लेकर स्वास्थ्य विभाग की टीम भी सक्रिय कर दी गई हैं। सीएमओ डॉ. आलोक कुमार ने बताया मंडी में तीन-तीन स्वास्थ्य कर्मियों की 10 टीमों को लगाया गया है।

अधिक मतदान के लिए वोटरों को मिल रही तमाम सहूलियतें

लखनऊ, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी जनसभाओं में मतदाताओं से मतदान करने की अपील कर रहे हैं। वह एक-एक वोट की अहमियत को भी बता रहे हैं, ताकि देश में मजबूत और सशक्त सरकार बन सके। वहीं, निर्वाचन आयोग भी मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाताओं को प्रोत्साहित कर रहा है। इसके लिए वह मतदाताओं को विभिन्न तरह की सहूलियत भी दे रहा है। इसके तहत आयोग की ओर से गर्मी को देखते हुए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। साथ ही हीटवेव और हीट स्ट्रोक से निपटने के लिए मेडिकल किट भी व्यवस्था की गई है। इतना ही नहीं हर बार की तरह इस बार भी मतदाताओं को मतदाता फोटो पहचान पत्र न होने पर 12 अन्य वैकल्पिक फोटो पहचान पत्रों के जरिए मतदान करने की छूट दी गई है। निर्वाचन आयोग की ओर से मौसम विभाग (आईएमडी) की भविष्यवाणी और स्थानीय क्लाइमेट पैटर्न के आधार पर हीटवेव की स्थिति वाले क्षेत्रों में स्थित मतदान केंद्रों की पहचान की गई है। यहां मतदाताओं को सीधी धूप से बचाने के लिए मतदान केंद्र को पर्याप्त छायादार बनाने की व्यवस्था की गई है। मतदान केंद्रों पर टेंट, कैनोपी और छतरियों के साथ-साथ कुर्सियों की व्यवस्था की गई है। मतदाताओं और मतदान कर्मियों के लिए पंखे, मिस्टिंग पंखे जैसे कूलिंग डिवाइस स्थापित किये जा रहे हैं। वहीं सभी मतदान केंद्रों पर पर्याप्त वेंटिलेशन की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। यही नहीं, मतदान केंद्रों पर वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग मतदाताओं को विशेष सहायता दी जाएगी। सभी मतदान केंद्रों पर पेयजल की व्यवस्था की गयी है। मतदान केंद्र के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण के दौरान हीटवेव से संबंधित बीमारियों के लक्षणों को पहचानने और इसके उचित इलाज के भी प्रबंध किए गए हैं। 19 अप्रैल को प्रथम चरण के लोकसभा चुनावों के लिए पोलिंग पार्टियों के रवाना होने से पहले सभी मतदान कर्मियों को हीट स्ट्रोक से बचने और स्वास्थ्य के दृष्टिगत मेडिकल किट उपलब्ध करायी गई, जिसे आवश्यकता पड़ने पर उपयोग किया जा सके। आयोग ने वोटर मतदाता पहचान पत्र के अलावा 12 अन्य वैकल्पिक पहचान पत्रों जिनमें आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकों/डाकघरों द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केन्द्र/राज्य सरकार/लोक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों/विधायकों/विधान परिषद सदस्यों को जारी सरकारी पहचान पत्र और यूनिक डिसेबिलिटी आईडी (यूडीआईडी), सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्गत कार्ड पोलिंग बूथ पर मतदाताओं की पहचान के लिए अनुमन्य किये गये हैं। इसके अलावा प्रवासी वोटरों को केवल उनके मूल पासपोर्ट के आधार पर ही पहचाना जाएगा। वहीं वोटर मतदाता सूची में अपना नाम चेक करने एवं पोलिंग बूथ जानने के लिए भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट अथवा मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट के साथ वोटर हेल्पलाइन एप का उपयोग कर सकते हैं।

पाकिस्तान भूखा मर रहा, भारत 80 करोड़ लोगों को राशन दे रहा : योगी

सीएम योगी ने मेरठ में विशाल जनसभा को किया संबोधित

मेरठ, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान एक साथ ब्रिटिश हुकूमत से आजाद हुए मगर आज पाकिस्तान भूखों मर रहा है और भारत में 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन दिया जा रहा है। पाकिस्तान की आबादी 22 करोड़ है, बंटवारे के समय उनके हिस्से उर्वरा भूमि गई, बावजूद इसके आज पाकिस्तान की जनता भूखों मर रही है। वहीं पाकिस्तान की आबादी से भी अधिक लोग भारत में पिछले 10 साल में गरीबी रेखा से ऊपर आ चुके हैं। सीएम योगी मेरठ के किठौर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मेरठ-हापुड़ लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अरुण गोविल के पक्ष में मतदान की अपील की।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि रामनवमी के अगले दिन ही मेरा यहां आना हुआ है। जब अरुण गोविल रामायण सीरियल में भगवान राम का रोल अदा कर रहे थे और उसके माध्यम से कलयुग में भगवान राम के जीवन को चित्रित कर रहे थे, उस समय उन्हें भी नहीं पता कि एक दिन भगवान श्रीराम अपनी जन्मभूमि पर अपना जन्मदिन मनाएंगे। जिस साल मेरठ से अरुण

गोविल प्रत्याशी बने, उसी साल 500 वर्षों के इंतजार के बाद श्रीराम अपना जन्मोत्सव मना रहे हैं। आपने देखा होगा कि सूर्यवंशी राम का तिलक सूर्य की किरणों से हुआ। ये देख पूरी दुनिया अभिभूत हुई है।

सीएम योगी ने सवाल भी पूछा कि श्रीरामलला के मंदिर के शिलान्यास से लेकर उनकी प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा और भव्य रामनवमी का आयोजन क्या कांग्रेस, सपा, बसपा के लोग कर पाते? उन्होंने बताया कि रामनवमी के दिन 15 लाख लोग अयोध्या पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि हम सब मेरठ आए हैं और अरुण गोविल को लेकर आए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1857 में धन सिंह कोतवाल ने अपनी नौकरी को ठुकराकर व देश के अमर बलिदानियों की श्रेणी में खड़ा होकर स्वतंत्रता का उद्घोष किया था। उनका सपना एक ही था कि तेरा वैभव अमर रहे मां हम दिन चार रहें न रहें। वे अपने और अपने परिवार के लिए न होकर देश की स्वाधीनता और आने वाली पीढ़ि के उज्ज्वल भविष्य के लिए लड़े। ये हमारा सौभाग्य है कि हम सब उस सपने को साकार होता देख रहे हैं।

आज मेरठ से दिल्ली 12 लेन हाईवे, रैपिड रेल की सुविधा, स्पोर्ट्स युनिवर्सिटी के साथ ही इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के तमाम कार्य हुए हैं। 2014 से पहले ये सब कल्पना की बात थी। आने वाले समय में हम मेरठ को मेट्रो रेल की भी सुविधा देने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने गरीब कल्याण की तमाम योजनाओं की उपलब्धियां भी गिनाईं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के सम्मान और सुरक्षा में वृद्धि के कार्य पीएम मोदी के नेतृत्व में हुए हैं। क्या कांग्रेस के लोग कभी कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटा पाते, आतंकवाद समाप्त करा पाते, तीन तलाक की कुप्रथा को समाप्त कर पाते। उन्होंने कहा कि नारी सशक्तिकरण की दिशा में सबसे ज्यादा काम भाजपा और मोदी जी ने किया है। आज प्रदेश कर्फ्यू मुक्त हुआ है, अब धूमधाम से कांवड़ यात्राएं निकाली जा रही हैं। बेटियां और व्यापारी सुरक्षित हुए हैं। आस्था का सम्मान और युवाओं के आजीविका के साधन बढ़े हैं, इसलिए क्योंकि भाजपा की सरकार और मोदी जी प्रधानमंत्री हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां की खिलाड़ी बेटी पारुल चौधरी ने जब चीन में वहां की खिलाड़ी को हराया तो हमने उसे डिप्टी एसपी के पद पर नौकरी दी। यहां स्पोर्ट्स युनिवर्सिटी बन रही है। यहां के खेलकूद के सामान पूरी दुनिया में छा रहे हैं। अरुण गोविल को आप अपना सांसद चुनेंगे तो यहां के खेलकूद के सामानों का फ्री विज्ञापन करके आपके व्यापार को और गति देंगे। उन्होंने कहा कि जिनके लिए परिवार महत्वपूर्ण है वो इस चुनाव में सपा, बसपा और कांग्रेस की बात करेंगे, मगर जिनके लिए राष्ट्र प्रथम है वो भाजपा के प्रत्याशी का समर्थन करते हुए मजबूती से काम कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने बाबा औघड़नाथ की पावन धरा, 1857 के प्रथम स्वतंत्रता समर की क्रांतिधरा मेरठ की धरती को नमन किया। उन्होंने कहा कि आप सभी मोदी जी प्रतिनिधि और अरुण गोविल बनकर गांव-गांव जाएं और लोगों से कमल पर वोट देने की अपील करें।

इस अवसर पर भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश सत्येन्द्र सिसोदिया, मेरठ-हापुड़ लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अरुण गोविल, वर्तमान सांसद राजेन्द्र अग्रवाल, राज्यसभा सांसद विजय पाल तोमर, जिलाध्यक्ष मेरठ शिव कुमार राणा, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरव चौधरी, जिला प्रभारी मयंक अग्रवाल, महानगर अध्यक्ष सुरेश जैन, लोकसभा संयोजक कमलदत्त शर्मा सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

संपादकीय

मायावती का 'अलग राज्य'

बसपा प्रमुख मायावती ने चुनाव प्रचार के दौरान पश्चिमी उप्र को एक अलग, स्वायत्त राज्य बनाने का मुद्दा उछाला है। जब मायावती 2007-12 के दौरान उप्र की मुख्यमंत्री थीं, तब भी वह इस मुद्दे पर मुखर थीं। देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और उनके बाद भी इसी भूक्षेत्र को 'हरित प्रदेश' नामक राज्य बनाने को आंदोलन और अभियान छेड़े गए थे। 'हरित प्रदेश' राष्ट्रीय लोकदल के महत्वपूर्ण मुद्दों में एक था। चूंकि पश्चिमी उप्र जाट, किसान, गुर्जर बहुल आबादी का क्षेत्र है, जिनका बुनियादी पेशा कृषि है, लिहाजा 'हरित प्रदेश' नाम देने की बार-बार बात कही गई, लेकिन अब मायावती ने जो मुद्दा उठाया है, उसकी भावुकता 'हरित प्रदेश' से न जुड़ कर राजनीतिक और चुनावी अधिक है। बसपा को आम चुनाव, 2024 में कोई बड़ा फायदा मिलेगा, ऐसे आसार नहीं हैं, क्योंकि मायावती राजनीतिक तौर पर उतनी सक्रिय भी नहीं हैं। किसी भूखंड, क्षेत्र का पुनर्गठन कर नया, अलग राज्य बनाना आसान नहीं है। अलग राज्य के लिए संस्कृति, भाषा और जन-आंदोलन का होना बेहद अनिवार्य है। भाषायी आधार पर राज्यों के पुनर्गठन का सिलसिला 1953 में शुरू हुआ, जब आंध्रप्रदेश को प्रथम भाषायी राज्य बनाने की प्रक्रिया आरंभ की गई। तत्कालीन मैसूर राज्य और मद्रास राज्य के हिस्सों को अलग कर 'आंध्रप्रदेश' नए राज्य का पुनर्गठन किया गया। 2013-14 में आंध्रप्रदेश का विभाजन किया गया और 'तेलंगाना' नया, अलग राज्य बनाया गया। राज्य पुनर्गठन आयोग भारत सरकार का एक संस्थान है, जो नया, अलग राज्य बनाने की प्रक्रिया सम्पन्न करता है। आयोग राज्यों के विभिन्न विवादों का भी निपटान करता है। अलग राज्य बनाने के पीछे राजनीतिक समर्थन ही पर्याप्त नहीं, एक स्वतंत्र प्रशासनिक ईकाई स्थापित करना ही मकसद नहीं, बल्कि भाषा और संस्कृति अहम कारक होते हैं। आंध्रप्रदेश को भाषायी आधार पर अलग राज्य बनाने के बाद ही समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। राज्य पुनर्गठन आयोग ने इसी मुद्दे का व्यापक अध्ययन किया और 1955 में निष्कर्ष दिया कि अलग राज्य बनाने के लिए भाषायी ही सबसे सशक्त आधार है। राज्य सिर्फ एक प्रशासनिक ईकाई, एक अलग, स्वतंत्र सरकार ही नहीं है, वहां लोकतांत्रिक संस्थानों की प्रक्रिया और कार्यप्रणाली भी भावनात्मक हो। भाषा इस संदर्भ में इसका माकूल जवाब हो सकती है। प्रशासन के प्रभावों का भी सवाल है। कभी प्रभावशीलता प्रशासनिक ईकाई के आकार से भी तय होती है। करीब अढाई दशक पहले 'हरित प्रदेश' रालोद का सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा था। आज नहीं है। इसी दौर में भाषायी आधार और क्षेत्रीय इतिहास, संस्कृति के आधार पर अलग राज्यों की मांगें मुखर होने लगीं। नतीजतन झारखंड, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ राज्य बनाए गए। उनके मूल राज्य-बिहार, उप्र और मध्यप्रदेश इतने विशाल राज्य थे कि विभाजन होने के बावजूद कुछ और अलग राज्यों की मांगें गूंजती रहती हैं। आवास और शहरी मामलों की संसदीय कमेटी की एक रपट में अनुमान लगाया गया था कि राष्ट्रीय जीडीपी में शहरी भारत की हिस्सेदारी 65 फीसदी है, लिहाजा शहरी प्रभुत्व राज्य में राजनीतिक आयामों और गतिशीलता को बदल सकता है। राज्य सरकार को जो टैक्स मिलता है, उस पर भी स्वायत्त नियंत्रण इसी वर्चस्व से तय होगा। पश्चिमी उप्र का मुद्दा अपेक्षाकृत आर्थिक रूप से कमजोर क्षेत्र का होगा। तेलंगाना भी खेती वाला क्षेत्र था, जिसके अपने आर्थिक मतभेद थे। आंध्रप्रदेश से आज भी ऐसे कई मतभेद सुलझ नहीं पाए हैं, लेकिन हैदराबाद पर तेलंगाना का नियंत्रण है, यह काफी महत्वपूर्ण है। 2021-22 में तेलंगाना ने अपना करीब 79 फीसदी राजस्व अपने कर-संग्रह से ही प्राप्त किया, जबकि आंध्रप्रदेश को ऐसा 50 फीसदी राजस्व ही मिल सका। मायावती के मुद्दे पर गौर करें, तो सबसे पहले राज्य पुनर्गठन आयोग इस पर कैसे विचार करेगा? केंद्रीय कैबिनेट का विचार क्या होगा? सबसे महत्वपूर्ण है कि उप्र की कैबिनेट और विधानसभा का विचार क्या रहता है? बेशक सामाजिक और सांस्कृतिक कारक किसी भी राज्य के पुनर्गठन के बुनियादी आधार होते हैं, लेकिन आर्थिक पक्ष बहुत जरूरी है। खासकर भारत की अर्थव्यवस्था जिस तरह बदल रही है, उसके मद्देनजर दो राज्य आर्थिक संसाधनों पर सहमत कैसे होते हैं, यह निर्णय होने के बाद ही नया, अलग राज्य आकार ग्रहण करेगा।

> बसपा को आम चुनाव, 2024 में कोई बड़ा फायदा मिलेगा, ऐसे आसार नहीं हैं, क्योंकि मायावती राजनीतिक तौर पर उतनी सक्रिय भी नहीं हैं। किसी भूखंड, क्षेत्र का पुनर्गठन कर नया, अलग राज्य बनाना आसान नहीं है। अलग राज्य के लिए संस्कृति, भाषा और जन-आंदोलन का होना बेहद अनिवार्य है। भाषायी आधार पर राज्यों के पुनर्गठन का सिलसिला 1953 में शुरू हुआ, जब आंध्रप्रदेश को प्रथम भाषायी राज्य बनाने की प्रक्रिया आरंभ की गई। तत्कालीन मैसूर राज्य और मद्रास राज्य के हिस्सों को अलग कर 'आंध्रप्रदेश' नए राज्य का पुनर्गठन किया गया। 2013-14 में आंध्रप्रदेश का विभाजन किया गया और 'तेलंगाना' नया, अलग राज्य बनाया गया। राज्य पुनर्गठन आयोग भारत सरकार का एक संस्थान है, जो नया, अलग राज्य बनाने की प्रक्रिया सम्पन्न करता है।

अरुणाचल प्रदेश में कांग्रेस ने जिन 19 उम्मीदवारों को उतारा है उसमें से 17 नये चेहरे हैं

अरुणाचल प्रदेश में विपक्ष की भूमिका निभाने में विफल रही कांग्रेस को क्या माफ किया जाना चाहिए?

नीरज कुमार दुबे

> अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव साथ ही हो रहे हैं। राज्य में लोकसभा की दो सीटें हैं जबकि विधानसभा की 60 सीटें हैं। इस चुनाव को लेकर विपक्ष कितना गंभीर है इसका अंदाजा आपको इस बात से ही लग जायेगा कि दस विधानसभा सीटें भाजपा चुनाव से पहले ही निर्विरोध जीत चुकी है क्योंकि इन दस सीटों पर विपक्ष का कोई भी दल अपना उम्मीदवार नहीं खड़ा कर सका। राज्य में दशकों तक शासन करने वाली कांग्रेस की इस समय क्या स्थिति है इसे इस बात से भी समझ सकते हैं कि 10 सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन के बाद जिन 50 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव कराया जा रहा है उसमें भी कांग्रेस ने सिर्फ 19 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किये हैं।

कांग्रेस और विपक्ष के तमाम नेता दिल्ली में बैठ कर दावे करते हैं कि लोकतंत्र को कुचला जा रहा है, देश में तानाशाही का माहौल बनाया जा रहा है और विपक्ष को जांच एजेंसियों का डर दिखाया जा रहा है। लेकिन जब आप राज्यों में जाकर देखेंगे तो पाएंगे कि विपक्ष अपनी भूमिका सही ढंग से नहीं निभा रहा है। इस बात का सबसे सशक्त उदाहरण अरुणाचल प्रदेश है। अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव साथ ही हो रहे हैं। राज्य में लोकसभा की दो सीटें हैं जबकि विधानसभा की 60 सीटें हैं। इस चुनाव को लेकर विपक्ष कितना गंभीर है इसका अंदाजा आपको इस बात से ही लग जायेगा कि दस विधानसभा सीटें भाजपा चुनाव से पहले ही निर्विरोध जीत चुकी है क्योंकि इन दस सीटों पर विपक्ष का कोई भी दल अपना उम्मीदवार नहीं खड़ा कर सका। राज्य में दशकों तक शासन करने वाली कांग्रेस की इस समय क्या स्थिति है इसे इस बात से भी समझ सकते हैं कि 10 सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन के बाद जिन 50 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव कराया जा रहा है उसमें भी कांग्रेस ने सिर्फ 19 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किये हैं। यानि कांग्रेस राज्य की 60 में से सिर्फ 19 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इसका मतलब यह है कि वह यह चुनाव जीतने के लिए या सरकार बनाने के लिए लड़ ही नहीं रही है। सवाल उठता है कि क्या यही है लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका? सवाल उठता है कि जो दल विपक्ष की भूमिका के साथ न्याय नहीं कर पा रहा वह यदि सत्ता में आया तो क्या कर पायेगा? देखा जाये तो विपक्ष अपनी भूमिका सही ढंग से नहीं निभाये तो लोकतंत्र को खतरा हो सकता है। इसलिए मतदाताओं को चाहिए कि कांग्रेस को मुख्य विपक्ष की भूमिका से भी कुछ समय के लिए बाहर कर किसी और दल को यह अवसर दें। आप विडंबना देखिये कि अरुणाचल प्रदेश में कांग्रेस ने जिन 19 उम्मीदवारों को उतारा है उसमें से 17 नये चेहरे हैं। बताया जा रहा है कि कांग्रेस का टिकट लेने के लिए कोई पुराना नेता

राजी ही नहीं था इसलिए नये चेहरों को आगे बढ़ाया गया है। संभवतः यही कारण है कि राहुल गांधी ने अरुणाचल प्रदेश में अपनी पार्टी का चुनाव प्रचार नहीं किया जबकि वह अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा लेकर इस साल के शुरू में अरुणाचल पहुँचे थे। चुनावों में जनता से किये जा रहे वादों की बात करें तो कांग्रेस एक ओर जहां तमाम तरह के न्यायों की गारंटी देने की बात कर रही है वहीं भाजपा ने 'विकसित भारत, विकसित अरुणाचल प्रदेश' नामक संकल्प पत्र में तमाम वादे जनता से किये हैं। महिला सशक्तिकरण, राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण, युवाओं के लिए तमाम सहूलियतें, सरकार की जवाबदेही, राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कई और कदम उठाने, राज्य की संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने, सबका साथ सबका विकास के सिद्धांत पर आगे बढ़ते रहने, किसानों को आर्थिक दृष्टि से मजबूत बनाने और राज्य की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने जैसे कई प्रमुख वादे किये गये हैं जोकि जनता को भा रहे हैं। आप पूरे अरुणाचल प्रदेश में पाएंगे कि कांग्रेस चुनाव प्रचार से पूरी तरह गायब है जबकि भाजपा के नेता और कार्यकर्ता गली-गली घूम रहे हैं। वैसे अरुणाचल प्रदेश की यह बात अच्छी लगी कि यहां राजनीतिक पार्टियां उत्तर भारत की तरह अनाप शनाप खर्चे नहीं करतीं। यहां लगातार बड़ी रैलियां आयोजित करने से बचा जाता है और लाउडस्पीकरों पर दिनभर अपने उम्मीदवार के लिए प्रचार करते चुनावी वाहनों से मचने वाले शोर भी नहीं सुनाई देते। यहां घर-घर संपर्क और सामाजिक रूप से होने वाले जन एकत्रिकरण के दौरान लोगों को अपने वादों और उपलब्धियों से अवगत कराया जाता है। अरुणाचल प्रदेश में उम्मीदवारों की बात करें तो 50 विधानसभा सीटों के लिए कुल 133 उम्मीदवार मैदान में हैं। सभी सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होगा। पहले विधानसभा चुनावों की मतगणना लोकसभा चुनावों की मतगणना वाले दिन ही कराने का ऐलान किया गया था लेकिन राज्य विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने के चलते अब दो जून को ही पता चल जायेगा कि राज्य में किस पार्टी की सरकार बनेगी। हम आपको बता दें कि भाजपा के जिन 10 उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत हासिल की है उनमें मुख्यमंत्री पेमा खांडू भी शामिल हैं। भाजपा यहां सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ रही है इसलिए सवाल उठता है कि क्या बहुमत मिलने पर पेमा खांडू ही फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे या राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की तरह भाजपा यहां भी किसी नये चेहरे को आगे करेगी? विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सभी 50 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं जबकि विपक्षी कांग्रेस केवल 19 सीटों पर लड़ रही है। इसके अलावा, मेघालय स्थित एनपीपी ने 20 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं जबकि एनसीपी 14 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) 11 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इसके अलावा, अरुणाचल डेमोक्रेटिक पार्टी ने चार सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) एक सीट से लड़ रही है। इसके अलावा 14 निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में हैं। आंकड़ों के मुताबिक कुल 80 उम्मीदवार पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। विधानसभा चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों में आठ महिलाएं हैं- जो राज्य में अब तक के किसी भी विधानसभा चुनाव में सबसे अधिक संख्या है।

दृष्टि कोण

मुद्दा हो गरीबों पर गर्मी की मार, इस पर चर्चा बेहद जरूरी

जैसे जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव नजदीक आ रहे हैं, सियासी तापमान बढ़ रहा है, साथ ही भारत के एक बड़े हिस्से को प्रचंड गर्मी भी अपनी चपेट में ले रही है। लेकिन हैरानी की बात है कि राजनेताओं द्वारा जिन मुद्दों पर बहस हो रही है, उनमें जलवायु परिवर्तन का जिक्र नहीं है। यह शर्मनाक है। जलवायु परिवर्तन के कारण भीषण गर्मी के साथ अनियमित एवं चरम मौसमी घटनाएं देश के हर हिस्से और क्षेत्र को प्रभावित कर रही हैं प्रचंड गर्मी सभी वर्गों के लोगों, खासकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य और खुशहाली को प्रभावित करती है। सक्षम कामकाजी वयस्क- किसान, निर्माण श्रमिक, मोची, रेहड़ी-पटरी वाले, डिलीवरी बॉय भी प्रभावित होते हैं और इसका अर्थव्यवस्था, कृषि, भोजन, पोषण आदि पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। हालांकि हरेक राजनीतिक दल चुनावी मौसम में गरीबों की बात करता है, लेकिन कितने राजनेता सार्वजनिक रूप से मानते हैं कि गर्मी बेशक हर किसी को प्रभावित करती है, लेकिन यह सबको समान रूप से प्रभावित नहीं करती है। देश के लाखों गरीब, जो हमारी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा हैं, वातानुकूलित घरों या पर्याप्त हरियाली वाले हरे-भरे इलाकों में नहीं रहते हैं। वे घरों के अंदर नहीं रह सकते, जैसा कि गर्मी बढ़ने पर सलाह दी जाती है या बर्फ वाला शीतल पानी नहीं पी सकते या लंबे समय तक छाया में नहीं रह सकते। वे घरों से बाहर काम करते

हैं। गहरी असमानताओं वाले देश में अत्यधिक गर्मी का लोगों पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है। लेकिन जिन्हें चिलचिलाती गर्मी में बाहर रहकर काम करना पड़ता है, उन गरीबों के लिए क्या किया जाएगा, इस पर राजनेताओं के बीच कोई चर्चा नहीं हो रही है। पिछले दिनों, क्लाइमेट कैंपेनर अविनाश चंचल ने एक्स (पहले ट्विटर) पर कुछ कटु सच्चाइयों को उजागर किया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2020 में गर्मी के कारण 530 मौतें हुईं, वर्ष 2021 में 374 मौतें हुईं और वर्ष 2022 में 730 मौतें हुईं। जैसा कि चंचल ने आगे बताया, फिर भी, लू राष्ट्रीय आपदा नहीं है। हालांकि हमारे देश में हीट ऐक्शन प्लान हैं, लेकिन इससे जुड़ी सेवाओं के लिए केंद्र सरकार की ओर से कोई विशेष फंड नहीं है। माना जाता है कि देश में लू के कारण मरने वालों की संख्या इससे बहुत ज्यादा हो सकती है, क्योंकि बहुत-सी ऐसी मौतों की सूचना विभिन्न कारणवश दर्ज नहीं हो पाती है। एनसीआरबी ने 'प्राकृतिक कारणों से दुर्घटनाएं' शीर्षक के तहत 8,060 मौतों की सूचना प्रकाशित की है, जिनमें से 35.8 फीसदी मौतें आकाशीय बिजली गिरने से, 9.1 फीसदी मौतें लू या भीषण गर्मी से और 8.9 फीसदी मौतें ठंड के कारण बताई गई हैं। क्या ये दुर्घटनाओं के कारण होने वाली आकस्मिक मौतें हैं या ये टाली जा सकने वाली मौतें हैं? क्या इन लोगों को बचाया जा सकता था? अत्यधिक गर्मी या लू से होने वाली मौतें महज आंकड़ा नहीं हैं। वे वास्तविक लोग थे, जिनका परिवार था। यही नहीं, गर्मी से संबंधित मौतें पूरी कहानी नहीं बतातीं, क्योंकि अत्यधिक गर्मी अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को जटिल बना देती है, भले ही उससे मौत न हो। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस साल भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने एक अप्रैल को ही चेतावनी जारी कर दी थी। आईएमडी द्वारा जारी चेतावनी से इस बार गर्मी में बढ़ते तापमान का पता चलता है, जिससे कई इलाकों में घातक लू की स्थिति भी है। हाल ही में आईएमडी ने हीट इंडेक्स लॉन्च किया है, जो उच्च तापमान पर आर्द्रता के प्रभाव के बारे में सूचना देता है और इस तरह से मनुष्यों को ऐसे तापमान का अहसास कराता है, जिसे मानव के लिए असुविधा के संकेत के रूप में देखा जाता है। यह असुविधा कम करने के लिए अतिरिक्त देखभाल की जरूरत को रेखांकित है। लेकिन यह समझना भी महत्वपूर्ण है कि एक ही शहर के भीतर सभी क्षेत्रों में समान रूप से गर्मी महसूस नहीं होती है। जिन इलाकों में बहुत से पेड़ और हरियाली होती है, वहां का वातावरण ठंडा महसूस होता है, बनिस्पत उन इलाकों के, जहां पेड़ कम होते हैं और इमारतें ज्यादा होती हैं। कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे बुजुर्ग और छोटे बच्चों के सीधे धूप में न जाने के बावजूद गर्मी बढ़ने पर बीमार पड़ने की आशंका ज्यादा होती है। यदि घरों में वेंटिलेशन नहीं है, घर की संरचना कमजोर है और स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता ठीक नहीं है, तो घरों के अंदर रहना भी हमेशा सुरक्षित नहीं होता है। जिन लोगों को लू लग जाती है, उनके लिए यह जानना जरूरी है कि कौन-सी चीज उन्हें असुरक्षित बनाती है और क्या होता है, जब गर्मी की प्रतिक्रिया में शरीर को ठंडा रखने के लिए हृदय ज्यादा से ज्यादा पंप करने लगता है। लू लगने पर लोगों को पसीना आने लगता है और शरीर में तेजी से पानी की कमी होने लगती है और ऐसी स्थिति में हृदय, फेफड़ा और किडनी (गुर्दे) खराब होने लग सकते हैं। ऐसे में, सोचिए कि उन लोगों के साथ क्या होता होगा, जो वैसी जगहों पर रहते हैं, जहां लंबे समय तक बिजली नहीं रहती, जिनके पास बैकअप इनवर्टर नहीं होता और जो एयरकंडीशनर का खर्च वहन नहीं कर सकते। आर्द्रता वाले इलाकों में एयर कूलर भी काम नहीं करता।

कुछ अलग

जरूरत है एक ईमानदार प्रकाशक की...

मेरा लिखने का अपना स्टाइल है। जब भी मेरा मन कुछ भी लीक से हटकर लिखने को करता है तो मैं अपनी लाइब्रेरी में पड़े कवियों-गद्यकारों के संकलनों में से पांच सात कवियों, पांच सात गद्यकारों की रचनाएं मुस्कुराते हुए फाड़ उनके टुकड़े टुकड़े कर उन्हें अपने सृजनात्मक डिब्बे में डाल देता हूं। फिर अपने उस सृजनात्मक डिब्बे को तब तक हिलाता रहता हूं जब तक गद्य पद्य में तो पद्य गद्य में घुल मिल नहीं जाते, कबीर के कुंभ में जल जल में कुंभ की तरह। बाहर जो हो, सो होता रहे। इससे मुझे कोई लेना देना नहीं होता। जब मुझे पता नहीं लगता कि अब इसमें गद्य कौन तो पद्य कौन, उसके बाद मैं अपने सृजनात्मक डिब्बे का ढक्कन खोल डिब्बे में से दो चमच नूतन साहित्य के निकाल उसे कागज पर डाल खिली धूप में सूखने रख देता हूं ताकि मेरा साहित्य समाज को ऊर्जा देने लायक हो जाए, प्रकाश देने लायक हो जाए। उसके बाद जो बनता है, मत ही पूछो, क्या बनता है! उसका रसास्वादन कर मैं अपनी उंगलियां चाटता अपने दांतों तले चबा लेता हूं। वाह यार! क्या कमाल का बर्गर बनाया तूने। नमक, मिर्च सहित तमाम मसाले इतने परफेक्ट कि ऐसा रीतिकालीन आचार्यों की डिशिश में भी देखने को कम ही मिले। यार! साहित्यिक शैफ हो तो तेरे जैसा। कोई पता लगा दे कि ये मीठे में कड़वा है या कड़वे में खट्टा, खट्टे में मीठा है कि मीठे में खट्टा तो उसके बलिहारी जाऊं। मतलब तब वह रचना न गद्य होती है न पद्य। होती है तो बस मेरी आपकी जिंदगी की तरह। जिसे न खाते रहा जाए, न चबाते। पर थूकते भी न रहा जाए। लेखन की इस अद्भुत कला के पीछे मेरा तर्क है कि जिस तरह आज जिंदगी न जिंदगी है न मौत, उसी तरह आज न कुछ पद्य है, न कुछ गद्य। पर वह कुछ जरूर है। यही जिंदगी की तरह काफी है। वे प्रकाशक प्रकाशक का पानी पिए हैं। कल मैंने उनसे संपर्क साधा, 'डियर! मैं फेसबुक, व्हाट्सएप पर चेपी अपनी मौलिक रचनाओं का संकलन प्रकाशित करवाना चाहता हूं। व्हाट्सएप, फेसबुक पर तो दिनरात पाठकों से रूबरू होता ही रहता हूं, अब मैं अमेजन, फ्लिपकार्ट के थ्रू पाठकों के घर में दस्तक देना चाहता हूं। मेरे तमाम फेसबुकिया, व्हाट्सेपिया पाठकों की मुझसे डिमांड है कि मैं किताब रूप में असैंबल हो कालजयी होऊं। मैं ही क्या! आज हर लेखक अमेजनीय, फ्लिपकार्टिय होना चाहता है। इसलिए मैं चाहता हूं कि मैं फेसबुक, व्हाट्सएप के लाइक्सों से बाहर निकल किताब रूप में अपने पाठकों के सामने प्रगट होऊं। जिंदगी में एक साहित्यकार को वह सब कुछ मिल सकता है जिसकी कामना उसने सपने में भी न की हो, पर सुना है, आज की तारीख में पाठक मिलना बहुत मुश्किल है। इसलिए पाठकों की मांग का आदर करते हुए मैं अपनी रचनाओं का संकलन छपवा अपने दिमागों को झकझोरना चाहता हूं। इसके लिए मुझे तुम्हारी सख्त जरूरत है। मुझे एक अच्छा सा प्रकाशक चाहिए जो मेरे साथ धोखा न करे। जिस तरह आत्मा की मुक्ति पंडों द्वारा होती है, सुना है, उसी तरह मूर्धन्य से लेकर स्वनामधन्य लेखक तक का मुक्ति मार्ग प्रकाशक के दरवाजे पर ही खत्म होता है। लेकिन इसके साथ ही साथ यह भी सुना है कि इस राह में कदम कदम पर धोखे हैं। बंधु! मैं जिंदगी में जितने धोखे खा सकता था, या कि जितने धोखे खाने की मुझमें कैपेसिटी थी, उतने मैं अपने परायों, से खा चुका हूं। अब मुझमें और धोखे खाने की हिम्मत नहीं है' मेरी यह बात उनको मुझ पर ही नहीं, तय है, अपने पर भी हंसी आई होगी। पर वे हंसे नहीं। गंभीर हो बोले, 'दोस्त! प्रकाशक और अच्छा सा! प्रकाशक और ईमानदार सा! जो प्रकाशक लेखक से ईमानदारी करेगा तो खाएगा क्या? हर लेखक प्रकाशक के लिए उसके ठीए पर बिन बुलाए बकरे से अधिक और कुछ भी नहीं होता।

देश दुनिया से

भ्रष्टाचार के विरोध की पटकथा, केजरीवाल और परिवारवाद

> लोकतंत्र में जनता की पसंद और नापसन्द को ही महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन आज हमारे देश में राजनीतिक दल अपने ही परिवार के कुछ लोगों को जबरदस्ती आगे करके नायक बनाने का खेल खेल रहीं हैं। यह खेल निश्चित रूप से लोकतंत्र को कमजोर करने वाला कहा जा सकता है। इस श्रेणी में एक या दो दल नहीं, कमोबेश हर राजनीतिक दल आज परिवारवाद की राह का अनुसरण करने के लिए अग्रसर हो रहा है। सवाल यह आता है कि आज नेता का बेटा या बेटी को ही विरासत सौंपने का चलन क्यों बढ़ रहा है, जबकि सारे राजनीतिक दल विशेषकर विपक्षी राजनीतिक दल लोकतंत्र को बचाने का नाराज बुलंद करने का सब्जबाग दिखा रहे हैं।

भारत एक मजबूत लोकतांत्रिक देश है। यह सभी जानते हैं कि भारत में जनता के लिए जनता का ही शासन है। जनता के शासन का सीधा तात्पर्य यही है कि जनता अपने बीच के किसी व्यक्ति को नायक बनाकर अपना प्रतिनिधि बनाती है। लोकतंत्र में जनता की पसंद और नापसन्द को ही महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन आज हमारे देश में राजनीतिक दल अपने ही परिवार के कुछ लोगों को जबरदस्ती आगे करके नायक बनाने का खेल खेल रहीं हैं। यह खेल निश्चित रूप से लोकतंत्र को कमजोर करने वाला कहा जा सकता है। इस श्रेणी में एक या दो दल नहीं, कमोबेश हर राजनीतिक दल आज परिवारवाद की राह का अनुसरण करने के लिए अग्रसर हो रहा है। सवाल यह आता है कि आज नेता का बेटा या बेटी को ही विरासत सौंपने का चलन क्यों बढ़ रहा है, जबकि सारे राजनीतिक दल विशेषकर विपक्षी राजनीतिक दल लोकतंत्र को बचाने का नाराज बुलंद करने का सब्जबाग दिखा रहे हैं। अभी कुछ दिन पूर्व दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी राजनीतिक दलों ने लोकतंत्र बचाने के नाम पर एक रैली की, जिसमें परिवार को राजनीतिक विरासत सौंपने की ही राजनीति दिखाई दी। इसका तात्पर्य यही हो सकता है कि अब विपक्षी दल लोकतंत्र के बजाय परिवारवाद को ज्यादा महत्वपूर्ण मान रहे हैं। लोकसभा चुनाव में सत्ता चाह की रास्ते तलाश करने वाला विपक्ष आज पूरी तरह से परिवारवाद की राजनीति को ही

चरितार्थ करने की ओर अग्रसर होता दिखाई दे रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी के पश्चात विपक्षी राजनीतिक दलों की राजनीति परिवार को आगे लाने की कवायद करने वाली ही लग रही है। पहले कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, शिवसेना उद्धव ठाकरे और राष्ट्रीय जनता दल केवल अपने परिवार को ही आगे करके राजनीति करते रहे और आज भी कर रहे हैं, लेकिन अब इस दिशा में आम आदमी पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा भी शामिल हो गई है। मुख्यमंत्री केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने भी अब सक्रिय राजनीति में कदम रख दिया है। हालांकि वे जनता की सहानुभूति पाने के लिए अरविन्द केजरीवाल के राजनीतिक अस्तित्व को फिर से स्थापित करने का प्रयास करेंगी, लेकिन केजरीवाल पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर विपक्ष की ओर से कोई भी बोलने के लिए तैयार नहीं है। जिस भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए आज से एक दशक पूर्व दिल्ली के रामलीला मैदान से पटकथा लिखी गई, आज वही रामलीला मैदान भ्रष्टाचार के आरोप लगने पर केजरीवाल को बचाने का गवाह बना। लोकतंत्र बचाने के नाम पर की गई इस रैली को किसी आभासी प्रहसन से कम नहीं कहा जा सकता। अगर केजरीवाल ने कुछ किया नहीं होता तो उसे न्यायालय से आरोप मुक्त करके छोड़ दिया जाता। पहले प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत के बाद अब केजरीवाल न्यायिक हिरासत में दिल्ली की तिहाड़ जेल में हैं। ऐसे में यह भी स्पष्ट हो जाता है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल के पास अपने बचाव के लिए ठोस प्रमाण नहीं हैं। यह बात सही है कि एक समय दिल्ली की जनता भ्रष्टाचार और वर्तमान राजनीतिक कार्यप्रणाली से बहुत त्रस्त हो गई थी, ऐसी स्थिति में जनता को केजरीवाल में एक नायक दिखाई दिया, जो जननायक बनने की श्रेणी में आ सकता था, लेकिन जब उन पर और उनके मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने लगे, तब इस पटकथा की इबारत बदली हुई सी लगने लगी। अब आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा के सांसद संजय सिंह दो लाख के निजी मुचलके पर जेल से सशर्त बाहर आए तो उनका स्वागत ऐसे किया गया, जैसे वे आरोप मुक्त हो गए हों। आम आदमी पार्टी के इस प्रकार के चरित्र को देखकर यही कहा जा सकता है कि जो पार्टी राजनीति में बदलाव लाने का सपना दिखाकर मैदान में आई थी, आज वह भी समय के अनुसार बदल गई है। खैर... यहां परिवारवाद की बात हो रही है। संजय सिंह जेल से छूटने के बाद अरविन्द केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मिलने पहुंचे। यह वाकया निश्चित ही यह संकेत दे रहा है कि अब संभवतः सुनीता केजरीवाल दिल्ली में आम आदमी पार्टी के सपनों को पूरा करने वाली हैं। यह बात एक दम प्रामाणिक रूप से कही जा सकती है कि भारतीय लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा परिवारवाद है, इसके बावजूद भी राजनीतिक दल अपने परिवार तक ही अपने दल को सीमित रखने की कवायद कर रहे हैं।

आप का नजरिया

बदला सियासी डीएनए

हिमाचल में लोकसभा चुनाव से कहीं अधिक चिराग उपचुनावों में जल रहे हैं। नई रोशनी के समाधान में कांग्रेस की रणनीति सिद्धहस्त होने का जरिया खोजती-खोजती जहां पहुंच रही है, वहां भाजपा भी शह और मात के खेल में कई रहस्यों के साथ खड़ी है। जाहिर तौर पर लोकसभा चुनावों में विधायकों की भूमिका में चुनाव की उम्मीदवारी मंडी से शिमला तक कांग्रेस के पैमानों में ताजगी भर चुकी है और अगर यही आजमाइश कांगड़ा में भी विधायक को उतार दे, तो भाजपा के सामने अगली पारी की बारी मुश्किल परीक्षा पैदा कर सकती है। हिमाचल में राज्यसभा सांसद के चुनाव ने राजनीति का डीएनए बदला है। जो पहाड़ में पहले असंभव था, अब होने लगा है, यानी कांग्रेस की अवतार रही पिछली जीत अगर छिटक कर विरोधी पक्ष के घोंसले में फिर से सपने बुन रही है, तो यह हर हालत में नई आजमाइश है। जाहिर है बागी विधायकों ने खुद की स्वीकार्यता में संपूर्ण राजनीति का रक्त बदला है। भाजपा की नसों में पूर्व में रहे कांग्रेस के छह विधायकों के रक्त का मिलन जौहर दिखाता है या समाज का असमंजस बढ़ाता है, लेकिन जिस तरह का घटनाक्रम हिमाचल में घटित हुआ है, उससे भाजपा ने नित नया डीएनए खुद पर सवार कर लिया है। इसके परिणाम कितने सुखद और कितने आश्चर्यजनक होते हैं, इसका अंदाजा लगाना किसी भी पार्टी के लिए फिलहाल मुश्किल है। यह ऐसा प्रयोग है जहां पृष्ठभूमि के अंगार अग्रिम भूमिका में हैं। कांग्रेस का विरोध कर कांग्रेस से दरकिनार हुए छह पूर्व विधायकों को अब अपनी पगड़ी पर चढ़ा भगवा रंग बचाना है, तो पृष्ठभूमि से खींचकर किरदार बचाना है। अचानक दो परिदृश्य भाजपा के परिप्रेक्ष्य में जिलों के कद्दावर नेताओं की बेचैनी बढ़ाते हैं। मसलन हमीरपुर में भाजपा के बड़े नेता का कद देखते हुए सियासत अपना डीएनए जांच रही है। इस लोकसभा क्षेत्र में सबसे अधिक विध्वंस हुए हैं, इसलिए चरित्र बनाम चरित्र का अधिकतम प्रयोग यहीं हुआ है। कल इबारतें अगर बदलती हैं, तो भाजपा का पदानुक्रम यानी हाइअराकि भी नए सिरे से लिखी जाएगी। कांगड़ा में भी सुधीर शर्मा की पेशकश में महज एक उपचुनाव की समीक्षा नहीं होगी, बल्कि भाजपा की अनुशंसा में कई नकाब भी बदलेंगे। जो चरित्र कांग्रेस से निकलकर भाजपा में घर कर रहा है, उससे पारंपरिक पार्टी कितने प्रतिशत रहेगी, यह साबित करने की चुनौती है। जो भी हो, कांग्रेस से भाजपा में आकर बने प्रत्याशियों ने मूल पार्टी के ढांचे में कुछ रिक्तता अवश्य पैदा की, लेकिन हिमाचल के समाज के सामने वे भी निरपराध नहीं हैं। क्या पार्टियों के पीछे भागती जनता ही नेताओं के पीछे भाग रही है या नेताओं के कारण नागरिक समाज पार्टियों को अहमियत दे रहा है। पिछले कुछ समय से नेताओं ने अपने वजूद की खातिर अलग से दरबार सजाकर नित नए प्रयोग किए हैं। प्रदेश में राजेंद्र राणा, होशियार सिंह व प्रकाश राणा का उदय उनकी अपनी हस्ती से तराशा हुआ प्रतिफल था। ये पहले नेता बने, फिर पार्टियों ने आजमाया। इन्हीं उदाहरणों से कई नेताओं ने एनजीओ की तरह अपनी राजनीतिक दुकानदारी शुरू की है और ये सफल भी हो रहे हैं।

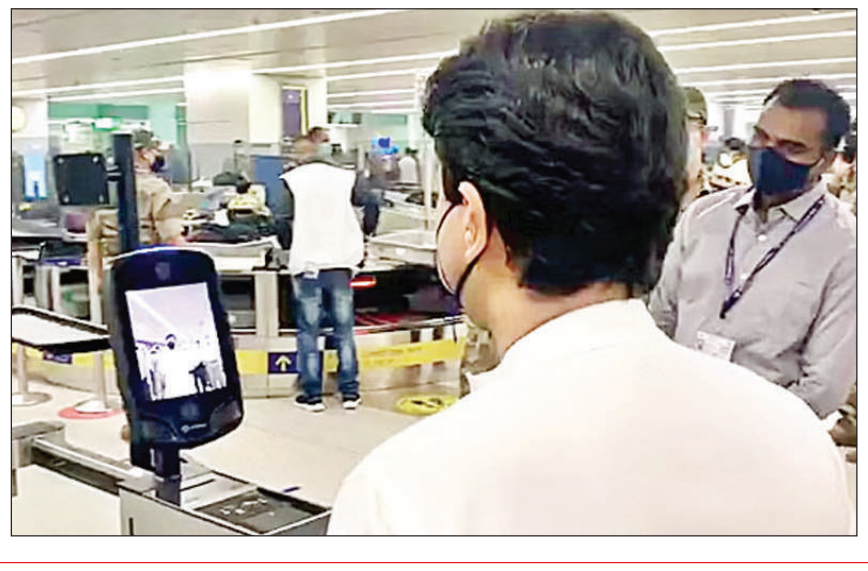

डिजी यात्रा फाउंडेशन ने कहा– हमेशा हमारे पूर्ण नियंत्रण में रहा एप

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां) । डिजी यात्रा फाउंडेशन ने बुधवार को कहा कि डिजी यात्रा एप हमेशा उसके पूर्ण नियंत्रण में रहा है। दरअसल, इससे पहले इस तरह की रिपोर्ट सामने आई थीं कि डिजी यात्रा फाउंडेशन कथित तौर पर अपने पूर्व विक्रेता डाटाइवॉल्व सॉल्यूशंस से अलग हो रहा है और उसने एप के लिए बिलिंग खाते और प्रबंधन सेवाओं की पेशकश की है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, डिजी यात्रा पर यात्रियों की ओर से साझा किए गए डाटा को (स्टोर करने को) लेकर चिंताएं हैं। पूर्व विक्रेता डाटाइवॉल्व सॉल्यूशंस जांच के दायरे में आ गया है। यह पूछे जाने पर कि क्या डाटाइवॉल्व अभी भी डिजी यात्रा से जुड़ा हुआ है, फाउंडेशन ने जवाब ना में दिया।

फाउंडेशन के मुताबिक, डिजी यात्रा का डाटाइवॉल्व से कोई संबंध नहीं है। नीति आयोग के सीआईसी बुनियादी ढांचे पर डिजी यात्रा शुरू हुई और बाद में डाटाइवॉल्व में चली गई, जो एक प्रबंधित सेवा प्रदाता के रूप में प्रबंधन कर रहा था। कंपनी ने बुधवार को कहा, केवल बिलिंग खाता और प्रबंधन डाटाइवॉल्व द्वारा किया गया था।

पिछले हफ्ते फाउंडेशन के सीईओ सुरेश खड़कभवी ने बताया था कि डिजी यात्रा में यात्रियों का कोई डाटा स्टोर नहीं होता है। उन्होंने कहा था कि यह सिर्फ (यूजर्स के) फोन में होता है और यह यात्री के खुद के नियंत्रण में होता है। डिजी यात्रा चेहरे की पहचान तकनीक (एफआरटी) पर आधारित है। यह एप हवाई अड्डों पर यात्रियों को संपर्क रहित निर्बाध आवाजाही प्रदान करती है। वर्तमान में इस एप के करीब 50 लाख यूजर हैं।

डिजी यात्रा के लिए यात्री की ओर से दिए डाटा को एन्क्रिप्टेड रखा जाता है। इस सेवा का लाभ उठाने के लिए यात्री को आधार आधारित सत्यापन कराना होगा। इसके अलावा, खुद के द्वारा खींची गई तस्वीर का इस्तेमाल डिजी ऐप पर अपलोड करना होगा। साथ ही अपना विवरण दर्ज कराना होगा। अगले चरण में बोर्डिंग पास को स्कैन करना होगा और जानकारी को हवाई अड्डे के साथ साझा करना होगा।

न्यूज ब्रीफ

अबुजा सीमेंट में अदाणी परिवार का निवेश बढ़कर 20 हजार करोड़ हुआ, हिस्सेदारी 70.3 प्रतिशत पर पहुंची

नई दिल्ली । अदाणी समूह की सीमेंट बनाने वाली कंपनी अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड ने अपने भविष्य से संबंधित बड़ा एलान किया है। कंपनी ने बताया है कि अदाणी परिवार ने कंपनी में अतिरिक्त 8,339 करोड़ रुपये के निवेश के साथ वारंट प्रोग्राम को पूरी तरह सब्सक्राइब कर लिया है। इससे कंपनी में अदाणी परिवार का कुल निवेश बढ़ककर 20,000 करोड़ हो गया है। ताजा निवेश से अदाणी परिवार की अंबूजा सीमेंट्स में हिस्सेदारी बढ़कर 70.3 प्रतिशत हो गई। इससे पहले अदाणी परिवार ने शेयरों की हिस्सेदारी के बदले अंबुजा सीमेंट्स में 18 अक्तूबर 2022 को 5,000 करोड़ रुपये और 28 मार्च 2024 को 6,661 करोड़ रुपये का निवेश किया था। कंपनी ने बताया है कि अंबूजा सीमेंट्स में अदाणी परिवार की ओर से किया गया यह हालिया निवेश 2028 तक कंपनी की सालाना उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 140 मिलियन डॉलर करने में अहम साबित होगा। अंबुजा सीमेंट्स के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ अजय ने कहा कि अदाणी परिवार की ओर से किए गए निवेश पर कहा कि इसकी घोषणा करते हुए हम रोमांचित महसूस कर रहे हैं। यह पूंजी निवेश कंपनी को तेजी से विकसित होने के लिए पूंजीगत रूप से लचीला बनाएगा। इससे कंपनी के पूंजीगत प्रबंधन से जुड़े पहलों को लागू करने में आसानी होगी साथ ही कंपनी का बैलेंसशीट मजबूत होगा। अदाणी परिवार और अंबुजा सीमेंट्स के बीच इस लेनदेन में बार्कलेज बैंक पीएलसी, एमयूएफजी बैंक, मिजूहो बैंक और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने सलाहकार की भूमिका निभाई।

पेटीएम को एनपीसीआई से मिली जरूरी मंजूरी, पेटीएम हैंडल वाले यूजर्स का दूसरे बैंकों में माइग्रेशन शुरू

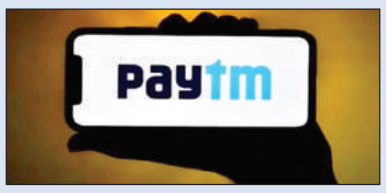

नई दिल्ली । पेटीएम ब्रांड की स्वामित्व वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) को नए पेमेंट सिस्टम प्रोवाइडर (पीएसपी) बैंक हैंडल पर यूजर्स को स्थानांतरित करने की एनपीसीआई से मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि मल्टी पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर एपीआई मॉडल पर ओसीएल को थर्ड-पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर (टीपीएपी) के रूप में मंजूरी मिलने के बाद पेटीएम ने एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और यस बैंक के साथ एकीकरण की प्रक्रिया को तेज किया है। पेटीएम ने बताया- माइग्रेशन का काम हुआ तेज कंपनी ने बताया कि वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) को नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) से नए भुगतान प्रणाली प्रदाता (पीएसपी) बैंक हैंडल में उपयोगकर्ता माइग्रेशन शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। सभी चार बैंक अब टीपीएपी पर परिचालन कर रहे हैं। पेटीएम के लिए इन पीएसपी बैंकों में यूजर्स के खातों को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया चल रही है। विज्ञप्ति के अनुसार कंपनी ने निर्बाध यूपीआई भुगतान सुनिश्चित करते हुए हैंडल्स को इन बैंकों में स्थानांतरित करना शुरू कर दिया है। पेटीएम यूजर्स पर क्या असर पड़ेगा एक बार पेटीएम यूजर को किसी अन्य पार्टनर पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर (पीएसपी) बैंक में माइग्रेट करने के बाद जिन यूजर्स की मौजूदा यूपीआई आईडी पेटीएम है वह नई यूपीआई आईडी में बदल जाएगी।

खामियों के कारण 11 हजार से ज्यादा वाहनों को वापस बुलाएंगे चार वाहन निर्माता

सोल। हुंडई मोटर, मर्सिडीज-बेंज कोरिया और दो अन्य कार निर्माता ने कहा है कि खामियों के कारण 11,000 से अधिक वाहनों को वापस बुलाएंगे। परिवहन मंत्रालय ने एक बयान में कहा, स्टेलेंटिस कोरिया और मैन ट्रक एंड बस कोरिया सहित चार कंपनियां स्वेच्छा से 23 अलग-अलग मॉडलों के कुल 11,159 वाहनों को वापस बुला रही हैं। जिन समस्याओं के कारण वापस बुलाया जा रहा है उनमें सांता फे और सांता फे हाइब्रिड मॉडल की 6,468 वाहनों में सीटों की खराब वेल्डिंग शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी की ग्रैंड्योर सेडान की लगभग 760 वाहनों के डैशबोर्ड में भी सॉफ्टवेयर की खामी पाई गई। एक अन्य समस्या, एस500 4मैटिक सेडान समेत मर्सिडीज-बेंज के 11 मॉडलों के लगभग 2,400 वाहनों में फ्यूल पंप में समस्या थी। इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोल यूनिटों में सॉफ़्टवेयर खामियों के कारण स्टेलेंटिस का प्यूज़ो ई-2008 इलेक्ट्रिक वाहन में भी सुधार की जरूरत है। मैन ट्रक के लिए, ट्रेलर कपलिंग मैकेनिज्म में खामी के कारण इसके टीजीएक्स ट्रैक्टर मॉडल के 308 वाहनों को वापस बुलाया जाएगा।

क्या गरीब और विकासशील देशों में अधिक चीनी वाले उत्पाद बेच रही नेस्ले, रिपोर्ट में सामने आया यह सच

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां) ।

नेस्ले गरीब देशों में बेचे जाने वाले शिशु दूध में चीनी की अधिक मात्रा मिलाता है, लेकिन यूरोप या ब्रिटेन के अपने मुख्य बाजारों में नहीं। नेस्ले के दो सबसे ज्यादा बिकने वाले बेबी फूड ब्रांड्स में चीन की अधिक मात्रा पाई गई है। जबकि यही उत्पाद ब्रिटेन, जर्मनी, स्विट्जरलैंड और अन्य विकसित देशों में बगैर चीनी के बेचे जा रहे हैं। पब्लिक आई की एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है।

दुनिया की सबसे बड़ी उपभोक्ता उत्पाद कंपनी नेस्ले के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि वह दूध और बच्चों से जुड़े उत्पादों में मोटापे और गंभीर बीमारियों को रोकने के लिए जारी दिशानिर्देशों के विपरीत चीनी और शहद जैसी चीजें मिला रही है। नेस्ले की ओर से किया गया उल्लंघन कंपनी के एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिकी देशों के उत्पादों में देखा गया है।

भारत में बिकने वाले नेस्ले के बेबी फुड प्रोडक्ट्स में चीनी की मात्रा कितनी

रिपोर्ट के अनुसार भारत में बिकने वाले नेस्ले के बच्चों से जुड़े उत्पादों की हर सर्विंग में करीब 3 ग्राम चीनी पाई गई। चीनी की इस मात्रा के बारे में पैकेट पर कंपनी की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है। नेस्ले की ओर से गरीब और विकासशील देशों में बेचे जा रहे उत्पादों में चीनी मिलाने का खुलासा तब हुआ जब स्विस जांच संगठन पब्लिक आई और आईबीएफएएन (इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क) ने एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में बेचे जाने वाले कंपनी के बेबी फूड उत्पादों के नमूने बेल्जियम की प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजे।

पब्लिक आई की जांच रिपोर्ट से बुधवार को सार्वजनिक किया गया में कहा गया है कि जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन में नेस्ले द्वारा बेचे गए छह महीने के बच्चों के लिए सेरेलैक गेहूं आधारित अनाज में कोई अतिरिक्त चीनी नहीं मिली, जबकि उसी उत्पाद में इथियोपिया में प्रति सर्विंग 5 ग्राम और थाईलैंड में 6 ग्राम से अधिक चीनी मिली।

जांच में सामने आए निष्कर्षों के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन के वैज्ञानिक निगेल रोलिंस ने पब्लिक आई और आईबीएफएएन को बताया, यह नेस्ले की ओर से अपनाया गया एक दोहरा मानक है जिसे उचित नहीं ठहराया जा सकता है।उन्होंने कहा कि तथ्य बताते हैं कि नेस्ले स्विट्जरलैंड में इन उत्पादों में चीनी नहीं मिलाता है, लेकिन कम संसाधन वाले देशों में वह ऐसा करके खुश है। कंपनी का यह कदम सार्वजनिक स्वास्थ्य और नैतिक दृष्टिकोण दोनों पर सवाल खड़े करता है।

बच्चों के लिए क्यों नुकसानदेह है चीनी

रिपोर्ट के अनुसार डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि बच्चों के शुरुआती दिनों में चीनी के संपर्क में आने से उनमें शर्करा आधारित उत्पादों के लिए जीवन भर आकर्षित रहते हैं जिससे मोटापे और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। 2022 में, डब्लूएचओ ने शिशुओं के लिए खाद्य उत्पादों में चीनी मिलाने पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया था और उद्योगों से अपने उत्पादों में सुधार करने को कहा था।

नेस्ले इंडिया ने रिपोर्ट पर क्या प्रतिक्रिया दी

रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए नेस्ले इंडिया के प्रवक्ता ने मीडिया से कहा है कि पिछले 5 वर्षों में, नेस्ले इंडिया ने शिशु अनाज पोर्टफोलियो में अतिरिक्त चीनी की मात्रा को 30 प्रतिशत तक कम किया है ... । प्रवक्ता ने कहा, हम नियमित रूप से अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करते हैं और गुणवत्ता, सुरक्षा और स्वाद से समझौता किए बिना अतिरिक्त चीनी के स्तर को कम करने के लिए अपने उत्पादों में सुधार करना जारी रखते हैं।

इक्विटी की तुलना में डेट में चार गुना ज्यादा एफआईआई निवेश, जनवरी से अब तक महज 13,067 करोड़ की आमद

नई दिल्ली, 18 अप्रैल । भारतीय शेयर बाजार में लगातार तेजी बनी हुई है। पिछले हफ्ते 75,000 के पार पहुंचे सेंसेक्स में जरूर करीब 2,100 अंकों की गिरावट आई है, फिर भी शेयर बाजार की तेजी बने रहने की उम्मीद है। हालांकि, इस तेजी में विदेशी संस्थागत निवेशकों यानी एफआईआई ने इक्विटी में निवेश काफी कम कर दिया है, जबकि डेट में इक्विटी की तुलना में चार गुना से ज्यादा का निवेश किया है। 55,630 करोड़ रुपये का निवेश डेट में नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लि. के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से लेकर 16 अप्रैल तक एफआईआई ने बाजार में 13,067 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसी दौरान डेट प्रतिभूतियों में निवेश 55,630 करोड़ रुपये रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि एफआईआई सतर्क रुख अपना रहे हैं। इस कारण ही उनको इस समय भारतीय शेयर बाजार का मूल्यांकन बहुत महंगा लग रहा है। 144 कंपनियों में बढ़ाया हिस्सा मार्च तिमाही में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बीएसई 500 की करीब 144 कंपनियों में हिस्सा बढ़ाया। अदाणी की प्रमुख कंपनियों में भी इन्होंने हिस्सेदारी बढ़ाई है। पीएनबी, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, सिटी यूनियन बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, एसबीआई, बैंक ऑफ बड़ौदा, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और यूको बैंक में भी हिस्सेदारी बढ़ाई है।

ब्लूमबर्ग इंडेक्स में भी भारतीय बॉन्ड

ब्लूमबर्ग भारतीय सरकारी प्रतिभूतियों को उभरते बाजार और संबंधित इंडेक्स में 31 जनवरी,2025 से शामिल करेगा। शुरुआत में ब्लूमबर्ग के बाजार मूल्य के 10 प्रतिशत के शुरुआती वेटेज के साथ ब्लूमबर्ग इमर्जिंग मार्केट लोकल करेंसी सरकारी इंडेक्स में शामिल होगा। हर महीने बॉन्ड के वेटेज को 10-10 प्रतिशत बढ़ाया जाएगा। अक्तूबर, 2025 तक बॉन्ड का वेटेज पूर्ण बाजार मूल्य के अनुरूप होगा। इसलिए डेट में जमकर दांव लगा रहे हैं विदेशी निवेशक विश्लेषकों का कहना है कि दुनिया की सबसे बड़ी निवेश कंपनी और बैंकर जेपी मॉर्गन भारत के सरकारी बॉन्ड को अपने इमर्जिंग मार्केट इंडेक्स में शामिल करेगा। इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि भारत को विदेशों से सस्ता कर्ज मिल सकेगा और घरेलू डेट बाजार में 2.50 लाख करोड़ रुपये का निवेश भी मिल सकता है।

सोना सुस्त शुरुआत के बाद तेज, चांदी भी चमकी

सोना 72,500, चांदी लगभग 83,600 रुपए

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां) । सोने के वायदा भाव की शुरुआत गुरुवार को सुस्त रही। जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। देश के सराफा बाजारों में गुरुवार को सोने के वायदा भाव 72,500 हजार के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 83,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं।

वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में सुस्त शुरुआत के बाद सुधार देखने को मिला। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज नरम रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 25 रुपये की गिरावट के साथ 72,498 रुपये के भाव पर खुला।

सोने के वायदा भाव ने पिछले सप्ताह 73,958 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत आज तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 501 रुपये की तेजी के साथ 84,000 रुपये के भाव पर खुलकर 97 रुपये की तेजी के साथ 83,596 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज नरमी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,377.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,388.40 डॉलर था। फिलहाल यह 0.70 डॉलर की तेजी के साथ 2,389.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.28 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.40 डॉलर था। फिलहाल यह 0.06 डॉलर की तेजी के साथ 28.46 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

गूगल ने फिर चलाई छंटनी की तलवार, कॉस्ट कटिंग के बीच कुछ कर्मचारी भारत समेत इन देशों में भेजे जाएंगे

कैलिफोर्निया, 18 अप्रैल । बड़ी-बड़ी आईटी कंपनियां इन दिनों संभावित मंदी से जूझ रही हैं। लागत में कमी करने के लिए ये कंपनियां कर्मचारियों पर छंटनी की तलवार चला रही हैं। इस बीच गूगल से भी ऐसी ही खबर सामने आई है। एक बार फिर अल्फाबेट के स्वामित्व वाली गूगल अपने कर्मचारियों को कंपनी से बाहर का रास्ता दिखा रही है। गूगल ने बड़े स्तर पर कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। इसलिए हो रही छंटनी कंपनी के एक प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि कॉस्ट कटिंग यानी लागत में कमी लाने के लिए कर्मचारियों की संख्या में कटौती की जा रही है। उन्होंने कहा कि छंटनी पूरी कंपनी में नहीं की जा रही है।

इसलिए इससे प्रभावित कर्मचारी अन्य किसी भूमिका के लिए आवेदन कर सकेंगे।

हालांकि, प्रवक्ता ने छंटनी से प्रभावित होने वाले कर्मचारियों की संख्या और इसमें शामिल टीमों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। इन देशों में भेजे जाएंगे कर्मचारी छंटनी से प्रभावित कुछ लोगों को कंपनी भारत, शिकागो, अटलांटा और डबलिन समेत उन जगहों पर भेजेगी, जहां वह निवेश कर रही है। गौरतलब है, इस साल टेक और मीडिया जगत में कई नौकरियों में कटौती के बाद गूगल में भी यह छंटनी हो रही है, जिससे यह आशंका बढ़ गई है कि छंटनी जारी रह सकती है। साफ है कि कंपनियां आर्थिक अनिश्चितता से जूझ रही हैं। इन विभागों के कर्मचारियों पर चली तलवार एक रिपोर्ट के अनुसार गूगल के रियल एस्टेट और वित्त विभागों की कई टीमों के कर्मचारी इस छंटनी से प्रभावित हुए हैं।

प्रभावित वित्त टीमों में गूगल ट्रेजरी, बिजनेस सर्विसेज और रेवेन्यू कैश ऑपरेशन्स शामिल हैं। इतना ही नहीं, गूगल के वित्त प्रमुख रूथ पोराट ने अपने कर्मचारियों को एक ईमेल भेजा है। इसमें कहा गया है कि पुनर्गठन में बंगलूरू, मैक्सिको सिटी और डबलिन में विकास का विस्तार शामिल है। पहले ही किया था आगाह ऐसा नहीं है कि यह पहली बार है जब कंपनी ने कर्मचारियों को बाहर निकाल दिया है।

वोडाफोन आइडिया का एफपीओ ओपन हुआ

22 अप्रैल तक बोली लगा सकेंगे रिटेल निवेशक, मिनिमम इन्वेस्टमेंट 14,278

मुंबई, 18 अप्रैल (एजेंसियां) । टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया का फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर यानी एफपीओ ओपन हो गया है। इस इश्यू के जरिए कंपनी 18,000 करोड़ जुटाना चाहती है।

रिटेल निवेशक इस एफपीओ के लिए 22 अप्रैल तक बोली लगा सकते हैं। 25 अप्रैल को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के ये शेयर लिस्ट होंगे। इससे पहले वीआई ने 74 एंकर इन्वेस्टर्स से 5,400 करोड़ रुपए जुटाए हैं।

मिनिमम और मैक्सिमम कितना पैसा लगा सकते हैं

इस एफपीओ के लिए रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 1298 शेयर के लिए अप्लाई कर सकते हैं। कंपनी ने एफपीओ का प्राइज बैंड 10-11 प्रति शेयर तय किया है। यदि आप एफपीओ के अपर प्राइज बैंड 11 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,278 लगाने होंगे। रिटेल निवेशक अधिकतम 14 लॉट यानी 18172 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए 199,892 इन्वेस्ट करने होंगे।

वीआई ने एंकर इन्वेस्टर्स से 5,400 करोड़ रुपए जुटाए

एफपीओ ओपन होने से पहले वीआई ने 74 एंकर इन्वेस्टर्स से 5,400 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी ने बीएसई फाइलिंग में बीते दिन इस बात की जानकारी दी थी। वीआई ने इसके लिए 11 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से 491 करोड़ शेयर्स एलॉकेट किए।

निवेशकों में सबसे ज्यादा 26 प्रतिशत शेयर पार्टनर्स को मिले हैं, इसके लिए 1,345 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इसके अलावा फिडेलिटी इन्वेस्टमेंट्स ने

772 करोड़, ट्रू-कैपिटल और ऑस्ट्रेलियन सुपर ने 331 करोड़ और 130 करोड़ का इन्वेस्टमेंट किया है।

निवेशकों में द मास्टर ट्रस्ट बैंक ऑफ जापान, यूबीएस , मॉर्गन स्टेनली इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स, ऑस्ट्रेलियन सुपर, फिडेलिटी, क्वांट और मोतीलाल ओसवाल शामिल हैं।

यह अब तक का सबसे बड़ा एफपीओ

यह अब तक का सबसे बड़ा एफपीओ है। भारतीय मार्केट में अभी सबसे बड़ा एफपीओ यस बैंक का है, जो 15 हजार करोड़ रुपए का था। वहीं अडाणी एंटरप्राइजेज पिछले साल जनवरी में 20 हजार करोड़ रुपए का एफपीओ लाई थी। हालांकि, बाद में कंपनी ने इसे वापस ले लिया। अगर ऐसा न करती तो अडाणी एंटरप्राइजेज सबसे बड़े एफपीओ लाने वाली कंपनी होती।

4जी सर्विस बेहतर और 5जी रोलआउट के लिए फंड का इस्तेमाल करेगी कंपनी

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी इस फंड का इस्तेमाल 5जी रोलआउट करने और 4जी सर्विस को बेहतर करने में करेगी। इसके साथ ही यह फंडरेजिंग कंपनी को अपनी कॉम्पिटेटिव पोजिशनिंग में सुधार करने और बेहतर कस्टमर एक्सपीरियंस प्रोवाइड करने में भी सक्षम बनाएगा।

वोडाफोन आइडिया पर 210000 करोड़ का कर्ज वोडाफोन आइडिया वित्तीय दिक्कतों से जूझ रही है, जिसपर 210000 करोड़ का कर्ज है। वोडाफोन आइडिया अपने कॉम्पिटिटर्स के साथ कॉम्पिटिशन करने के लिए अपनी सर्विस और बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करना चाहती है। कंपनी अभी रिलायंस जियो और भारती एयरटेल जैसे बड़े कॉम्पिटिटर्स से काफी पीछे है।

एफपीओ क्या होता है

फॉलो ऑन पब्लिक ऑफर एक ऐसी प्रोसेस है जिसके ऐसी कंपनी जो पहले से शेयर बाजार में लिस्ट है, वह निवेशकों या मौजूदा शेयर होल्डर्स, आम तौर पर प्रमोटर्स को नए शेयर इश्यू करती है। आसान भाषा में समझे तो शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियां सेकेंडरी मार्केट में नए शेयर इश्यू करके फंड जुटाती हैं।

धोनी अगले साल का आईपीएल भी खेल सकते हैं: रैना ने किया दावा, मुंबई के खिलाफ आखिरी चार गेंदों पर बनाए थे 20 रन

मुंबई, 18 अप्रैल (एजेंसियां) । चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान एमएस धोनी आईपीएल के अगले सीजन में भी खेल सकते हैं। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने जियो सिनेमा के एक कार्यक्रम में यह दावा किया है। 14 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ धोनी ने वानखेड़े स्टेडियम में लगातार तीन छक्के लगाए थे। इस मैच के बाद हुए डिस्कशन प्रोग्राम में एंकर ने धोनी के आगे खेलने पर सवाल किया था।

एंकर ने सबसे पहले सवाल कार्यक्रम में मौजूद पूर्व फास्ट बॉलर आरपी सिंह से यह सवाल किया था। इस पर सिंह ने कहा- इसका बेहतर जवाब रैना दे पाएंगे।

धोनी की रिटायरमेंट को लेकर 2023 से अटकलें - धोनी 42 साल के हो गए हैं। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से साल 2020 में 15 अगस्त को संन्यास ले चुके हैं। उनके आईपीएल रिटायरमेंट की अटकलें 2023 से ही लगाई जा रही हैं। ऐसा माना जा रहा था कि साल 2023 धोनी का आखिरी साल होगा, पर उन्होंने उन्होंने लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए मैच के दौरान टॉस के बाद कमेंटेटर डैनी मॉरिसन ने धोनी से सवाल किया कि आप अपने आखिरी सीजन का आनंद ले रहे हैं धोनी ने इसका जवाब देते हुए कहा, आपने फैसला किया है कि यह मेरा आखिरी आईपीएल है।; इसके बाद धोनी हंसने लगे। मॉरिसन ने कहा कि धोनी अगले साल भी खेलते नजर आएंगे।

सीजन शुरू होने से पहले ऋतुराज गायकवाड को सौंपी गई है सीएसके की कप्तानी - वहीं आईपीएल के इस सीजन के शुरू होने से पहले चेन्नई की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड को सौंप दी गई। ऐसे में कयास लगाया जा रहा है कि आईपीएल में धोनी का यह आखिरी साल होगा।

धोनी ने मुंबई के खिलाफ आखिरी चार गेंदों पर बनाए थे 20 रन - वहीं महेंद्र सिंह धोनी ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुंबई में खेले गए मैच में आखिरी चार गेंदों पर 20 रन बनाए थे। उन्होंने लगातार तीन गेंदों छक्के जड़े और एक गेंद पर 2 रन लिए। वहीं उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में भी 16 गेंदों में 37 रन बनाए, जिनमें चार चौके और 3 छक्के शामिल थे। इस सीजन में चार मैंचों में उन्हें निचले क्रम में बैटिंग का मौका मिला और उन्होंने 59 रन बनाए।

न्यूज ब्रीफ

सुपर जॉयंट्स ने मयंक की शीघ्र वापसी के संकेत दिये

मुम्बई । अपने पहले ही दो मैचों में आईपीएल इतिहास की सबसे तेज गेंद फेंककर धूम मचाने वाले लखनऊ सुपर जॉयंट्स के युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव की टीम में शीघ्र वापसी की उम्मीदें हैं। मयंक चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच नहीं खेल पाये थे। वहीं इस सत्र में अपनी तेज रफ्तार से मयंक ने सभी को अपना प्रशंसक बनाया है। लखनऊ सुपर जॉयंट्स ने अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है। इसमें मयंक को गेंदबाजी करते हुए देखा गया है। वह चोट की वजह से मयंक दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ मुकाबले में नहीं खेल सके. मयंक का जो वीडियो आया है उसमें लिखा है, ' फिर से उड़ चला।' मंयक 7 अप्रैल को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में केवल एक ओवर गेंदबाजी के बाद दर्द के कारण मैदान से बाहर चले गये थे उनके पैर में किसी तरह की समस्या हुई और बाद में उन्हें फिजियो के सहारे ग्राउंड से बाहर जाते हुए देखा गया। उन्हें पीठ के निचले हिस्से में तकलीफ हुई थी। करियर के पहले ही दो आईपीएल मैचों में मयंक ने अपनी तूफानी गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया। वह 156.7 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंक चुके हैं। इस आईपीएल में सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड मयंक के नाम है। उन्होंने दूसरे ही मैच में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा। डेब्यू आईपीएल मैच में मयंक ने 155.8 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी थी। मयंक यादव ने पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 3-3 विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इस आईपीएल में अभी तक 9 ओवर की गेंदबाजी की है। जिसमें उनके नाम 6 विकेट हैं।

यूएसए की पुरुष टीम के मुख्य कोच नियुक्त हुए स्टुअर्ट लॉ

डलास। टी20 वर्ल्ड कप और बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज

स्टुअर्ट लॉ की नियुक्ति यूएसए की पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के तौर पर हुई है। स्टुअर्ट लॉ का कोचिंग करियर शानदार रहा है, जो तब शुरू हुआ जब उन्हें 2009 में श्रीलंका का सहायक कोच नियुक्त किया गया था। उनका पहला मुख्य कोच पद 2011-12 में बांग्लादेश के साथ था। इसके बाद उन्होंने दो साल के अनुबंध पर 2017-2018 तक वेस्टइंडीज की कमान संभाली। 2022 में उन्हें अफगानिस्तान के अंतरिम मुख्य कोच के रूप में नामित किया गया था और बाद में उसी वर्ष लॉ को बांग्लादेश अंडर-19 क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में भी नियुक्त किया गया था। उन्होंने 2019-21 तक इंग्लिश काउंटी टीम मिडलसेक्स को भी कोचिंग दी थी। यूएसए क्रिकेट ने लॉ के हवाले से कहा, यूएसए इस समय एसोसिएट देशों में एक मज़बूत टीम है और उनके साथ जुड़ने को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं। पहली चुनौती तो बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के लिए एक टीम तैयार करने की है और उसके बाद हमारी नजरें विश्व कप की ओर होंगी। यूएसए के चेयरमैन वेणु ने कहा, स्टुअर्ट लॉ की नियुक्ति से टीम को अपनी पूरी क्षमता से आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। हम विश्व कप से ठीक पहले स्टुअर्ट को बोर्ड में शामिल करने से उत्साहित हैं।

बांग्लादेश का स्पिन गेंदबाजी कोच बना पूर्व पाक क्रिकेटर

ढाका । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने पाकिस्तान के पूर्व लेग स्पिनर मुश्ताक अहमद को टी20 विश्वकप

तक लिए टीम का नया स्पिन गेंदबाजी कोच बनाया है। बीसीबी के अनुसार मुश्ताक अगले महीने जिबाब्वे के साथ होने वाली टी-20 सीरीज से पहले शिविर से जुड़ जाएंगे। वह श्रीलंका के रंगना हेराथ की जगह लेंगे। जून 2021 से कोच रहे थे। मुश्ताक ने कोच बनाये जाने पर उत्साहित होकर कहा, 'बांग्लादेश क्रिकेट टीम का स्पिन गेंदबाजी कोच चुना जाना सम्मान की बात है। मैं इस भूमिका के लिए उत्साहित हूं और खिलाड़ियों को अपना सारा अनुभव देना चाहता हूं क्योंकि वह सीखने के लिए तैयार रहते हैं और मुझे हमेशा लगता है कि यह टीम बहुत खतरनाक टीम है। वे किसी को भी हरा सकते हैं क्योंकि उनमें क्षमता और कौशल है। मैं उनमें विश्वास बढ़ाने का प्रयास करूंगा। मैं उनके साथ काम करने को बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

मुंबई की 9 रनों से रोमांचक जीत पंजाब को उसी के घर में रौंदा

मुल्लांपुर (चंडीगढ़), 18 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस ने रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स को 9 रन से हरा दिया है । मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 192 रन बनाए थे। सूर्यकुमार यादव की दमदार फिफ्टी ने मुंबई को बड़े स्कोर तक पहुंचने में मदद की। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की टीम की शुरुआत बेहद शर्मनाक रही क्योंकि जसप्रीत बुमराह और गेराल्ड कोएत्ज़ी ने अपने स्पेल में घातक गेंदबाजी करते हुए पंजाब का स्कोर मात्र 14 रन पर 4 विकेट कर दिया था। शिखर धवन की गैरमौजूदगी में टीम का टॉप ऑर्डर बुरी तरह ढह चुका था। पर्पल कैप होल्डर जसप्रीत बुमराह ने मैच में 3 विकेट लेकर पंजाब की बल्लेबाजी की कमर तोड़कर रख दी थी। पंजाब की ओर से सबसे ज्यादा रन आशुतोष शर्मा ने बनाए। आशुतोष ने 28 गेंद में 61 रन ठोक डाले थे, जिसमें 2 चौके और 7 छक्के भी शामिल रहे लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए।आखिरी 6 ओवर में पंजाब किंग्स को जीत के लिए 65 रन चाहिए थे, लेकिन केवल 3 विकेट हाथ में थे। मगर दूसरे छोर पर आशुतोष शर्मा टिके हुए थे, जो तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे थे। जब पारी का 16वां ओवर आकाश मधवाल फेंकने आए तो उन्होंने ओवर में 24 रन लुटा दिए थे। यहां से मैच एकतरफा नजर आने लगा था क्योंकि अब पंजाब को 24 गेंद में मात्र 28 रन की जरूरत थी। 18वें ओवर में आशुतोष का विकेट गिरने के बाद मैच फंस गया था। आखिरी 2 ओवर में पंजाब को 23 रनों की जरूरत थी। जब हरप्रीत ब्रार 20 गेंद में 21 रन बनाकर आउट हुए तब पंजाब की जीत की लगभग सभी उम्मीद खत्म हो चली थीं। वहीं रबाडा के रन आउट होते ही पंजाब की टीम 183 रन पर ऑल-आउट हो गई। मुंबई ने इस मैच को 9 रन से जीत लिया है।मुंबई इंडियंस की ओर से जसप्रीत बुमराह और गेराल्ड कोएत्ज़ी ने अपने शुरुआती स्पेल में ही पंजाब किंग्स को बैकफुट पर ला दिया था। दोनों ने अपने-अपने 4 ओवरों में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 3-3 विकेट चटकाए। बुमराह अब आईपीएल 2024 में 13 विकेट के साथ पर्पल कैप की रेस में टॉप पर आ गए हैं। उनके अलावा हार्दिक पांड्या, आकाश मधवाल और श्रेयस गोपाल ने भी एक-एक विकेट लिया। खासतौर पर आकाश और श्रेयस गोपाल ने खूब रन भी लुटाए।इस मैच से पहले पॉइंट्स टेबल में पंजाब और मुंबई लगभग बराबरी पर ही खड़े थे। अब मुंबई टीम 7 में से 3 मैच जीतकर 9वें से छलांग लगाकर 7वें नंबर पर पहुंच गई है। दूसरी ओर पंजाब टीम की यह 7 मैच में 5वीं हार है। यह टीम अब 9वें नंबर पर पहुंच गई है।शिखर धवन चोट के कारण टीम से बाहर चल रहे हैं। वो अब तक ठीक नहीं हुए हैं। ऐसे में उनकी जगह सैम करन कप्तानी संभाल रहे हैं। गब्बर की गैरमौजूदगी में करन पंजाब टीम को जीत को जीत नहीं दिला सके।टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए मुंबई इंडियंस ने 7 विकेट गंवाकर 192 रन बनाए। टीम के लिए सूर्यकुमार यादव ने 34 गेंदों में फिफ्टी जड़ी। उन्होंने 53 गेंदों में कुल 78 रन बनाए। जबकि तिलक वर्मा ने 18 गेंदों में 34 रन बनाए। रोहित शर्मा ने 36 रनों की पारी खेली। जबकि पंजाब के लिए हर्षल पटेल ने 3 और सैम करन ने 2 विकेट लिए। कगिसो रबाडा को 1 सफलता मिली। मुंबई और पंजाब के बीच हमेशा ही रोमांचक जंग देखने को मिली है। दोनों टीमें अब भी आमने-सामने आई हैं, तब बराबर की टक्कर देखने को मिली है। दोनों टीमों के बीच अब तक 32 मैच खेले गए, जिसमें मुंबई ने 17 और पंजाब ने 15 मुकाबले जीते हैं। पिछले 5 मुकाबलों (मौजूदा मैच छोड़कर) में पंजाब का पलड़ा भारी रहा, जिसने 3 मैच जीते हैं।

एमएलसी खेलेंगे मैक्सवेल, ब्रेक नहीं ख़राब फ़ॉर्म के चलते नहीं खेले हैदराबाद के खिलाफ मैच

नई दिल्ली,18 अप्रैल (एजेंसियां) । ग्लेन मैक्सवेल अब मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) खेलते भी दिखाई देंगे। मैक्सवेल का वॉशिंगटन फ्रीडम के साथ करार हुआ है। इसके साथ ही मैक्सवेल ने सनराइज़र्स हैदराबाद के ख़िलाफ़ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं होने पर भी स्पष्टीकरण दिया है।

वॉशिंगटन की टीम में मैक्सवेल के साथ ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ भी होंगे जबकि पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग भी इसी दल का हिस्सा हैं। मैक्सवेल ने ईएसपीएन के अराउंड द विकेट कार्यक्रम में कहा कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका में खेलने को लेकर काफ़ी उत्साहित हैं।

हेड और स्मिथ के अलावा एडम जम्पा (लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स), स्पेंसर जॉनसन (नाइट राइडर्स), टिम डेविड (एमआई न्यूयॉर्क), मैट शॉर्ट (सैन फ़्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स), जेक फ़्रेज़र-मैकगर्क (सैन फ़्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स) ऐसे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं, जिनका एमएलसी का अगला सीज़न खेलना तय है। एमएलसी का दूसरा सीज़न टी20 विश्व कप के तुरंत बाद ही शुरू हो जाएगा।

हैदराबाद के ख़िलाफ़ पिछले मैच में ना खेलने पर मैक्सवेल ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि वह ब्रेक के चलते बाहर नहीं हुए थे बल्कि उनका मानना था कि वह आरसीबी की बेस्ट इलेवन में अपनी जगह नहीं देखते हैं।

मैक्सवेल ने कहा, मेरा आत्मविश्वास काफ़ी गिर गया था। मेरे गेम प्लान के अनुसार कुछ भी घटित नहीं हो रहा था। इसलिए मैं फ़ाफ़ (डुप्लेसी) के पास गया और उनसे कहा कि मेरे स्थान पर किसी और को आज़माया जाना चाहिए और यही बात मैंने टीम के कोच एंडी फ़्लावर से भी जाकर कही। मुझे लगा कि यह किसी और को मेरी जगह पर खेलने का सुनहरा अवसर देगा और मैं अपने निर्णय से संतुष्ट हूं। मुझे हिप स्ट्रेन भी है इसलिए इससे रिकवर होने के लिए भी मुझे समय मिल गया है। अगर मेरे लिए कोई जगह खाली होगी तो मैं निश्चित ही उस अवसर को भुनाने का प्रयास करूंगा लेकिन यह ऐसा नहीं है कि रिकवर होते ही मुझे मौक़ा मिल जाएगा। इस साल मैंने वैसा प्रदर्शन नहीं किया है कि जिससे टीम में मेरी जगह पक्की हो।

बुमराह को छोड़कर, एमआई की गेंदबाजी काफी कमजोर : फिंच

नई दिल्ली,18 अप्रैल (एजेंसियां) । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच ने हार्दिक पांड्या की अगुवाई वाली मुंबई टीम की गेंदबाजी की आलोचना करते हुए गहराई और निरंतरता की कमी पर प्रकाश डाला। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपने आखिरी मुकाबले के दौरान एमआई गेंदबाजों का हाल बेहद खराब नजर आया। केवल जसप्रीत बुमराह को छोड़कर टीम की गेंदबाजी काफी कमजोर नजर आई। एमआई ने सात गेंदबाजी विकल्पों का इस्तेमाल किया, जिनमें से आकाश मधवाल, कप्तान हार्दिक पांड्या और रोमारियो शेफर्ड ने 12 से अधिक की इकॉनमी से रन दिए। यहां तक कि 11 अप्रैल को आरसीबी के खिलाफ अपने मैच में भी जब सभी गेंदबाजों ने 7 या 10 से अधिक की इकॉनमी से रन लुटाए तो केवल बुमराह ही थे, जिन्होंने 5.25 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए। फिंच ने मुंबई इंडियंस को जीत की पटरी पर कैसे वापस लाया जा सकता है, इस पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, मुझे लगता है कि कप्तान को बल्ले और गेंद के साथ कुछ फॉर्म और निरंतरता ढूंढनी होगी। हमने देखा है वह कुछ मैचों में गेंदबाजी करते हैं और कुछ में नहीं, इसलिए उन्हें बल्ले और गेंद दोनों के साथ फॉर्म तलाशनी होगी।

इसके अलावा, जसप्रीत बुमराह के बाहर उनकी गेंदबाजी में गुणवत्ता और निरंतरता की कमी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने खेल के प्रति बेखौफ दृष्टिकोण के लिए पूर्व एमआई कप्तान रोहित शर्मा की भी प्रशंसा की। रोहित ने सीएसके के खिलाफ शानदार शतक बनाकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। हालांकि दुर्भाग्य से, यह उनकी टीम को जीत दिलाने के लिए पर्याप्त नहीं था। इस समय रोहित शर्मा के साथ एक चीज जो मुझे देखना पसंद है। वह यह है कि वह बेखौफ क्रिकेट खेल रहे हैं।

दो बार के विश्व चैंपियन केंटो मोमोता ने अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन से संन्यास की घोषणा की

नई दिल्ली,18 अप्रैल (एजेंसियां) । दो बार के विश्व चैंपियन जापान के केंटो मोमोता ने अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन से संन्यास की घोषणा की, जिसके साथ चीन के चेंगदू में थॉमस और उबेर कप फाइनल अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर उनका अंतिम टूर्नामेंट होगा। मोमोता 2018 में चीन में विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले पहले जापानी व्यक्ति बने और अगले वर्ष उन्होंने स्विट्जरलैंड में अपने ताज का सफलतापूर्वक बचाव किया। मोमोता ने टोक्यो में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे एहसास हुआ है कि मैं अब उस बिंदु पर वापस नहीं पहुंच सकता जहां मैं फिर से दुनिया में नंबर 1 बनने का लक्ष्य बना रहा हूं।राष्ट्रीय टीम के लिए खेलते हुए मेरा करियर बहुत ही संतुष्टिदायक रहा। अब मैं सभी प्रकार के लोगों को खेल का आनंद लेने में मदद करने में शामिल होना चाहता हूं।2019 में, मोमोता ने बीडब्लूएफ टूर पर रिकॉर्ड 11 खिताब जीते और उन्हें शीर्ष पुरुष खिलाड़ी का नाम दिया गया। हालाँकि, अगले वर्ष जनवरी में, मलेशिया मास्टर्स खिताब जीतने के बाद कुआलालंपुर में उनकी एक दुखद राजमार्ग दुर्घटना हुई, जिसमें वे चमत्कारिक रूप से बच गए। पूर्व विश्व नंबर 1 ने उसी वर्ष दिसंबर में अपनी प्रतिस्पर्धी वापसी की, लेकिन तब से उनका फॉर्म पहले जैसा नहीं रहा है। वह टोक्यो ओलंपिक में भी

निराशाजनक रूप से ग्रुप-स्टेज से बाहर हो गए और दुर्घटना के बाद से केवल दो टूर जीत हासिल की है। मैं झूठ नहीं बोलूंगा, दुर्घटना के बाद मैंने खुद से पूछा, मैं ही क्यों ईमानदारी से कहूं तो, यह एक के बाद एक कठिन समय था। लेकिन मैं इसका दोष दुर्घटना पर नहीं मढ़ना चाहता था। मैं कोशिश करना चाहता था। जनवरी 2020 में दुर्घटना के बाद से बहुत कठिनाई हुई। मैंने बहुत सी चीजें करने की कोशिश की लेकिन मैं जो था और जो मैं हूं उसके बीच भावनात्मक, शारीरिक अंतर को कम नहीं कर सका। मुझे लगा कि मैं ऐसा नहीं कर सकता कि फिर से विश्व नंबर 1 बनूं ।

रोहित ने वर्ल्ड कप को लेकर मीटिंग का खंडन किया

कहा- अगरकर, द्रविड़ से मुलाकात नहीं, इम्पैक्ट प्लेयर नियम के फेवर में नहीं भारतीय कप्तान

नई दिल्ली,18 अप्रैल (एजेंसियां) । टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने इस बात का खंडन किया है कि टी-20 वर्ल्ड कप के लिए किसी तरह की उनकी मीटिंग चीफ कोच और चीफ सेलेक्टर के साथ हुई है। रोहित ने ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट और पूर्व इंग्लिश कप्तान माइकल वॉन से हुई प्रेयरी फायर पॉडकास्ट पर कई मुद्दों पर बात की। रोहित ने इम्पैक्ट प्लेयर के नियम पर जहां पर विचार रखे, वहीं दीनेश कार्तिक और धोनी की बल्लेबाजी की तारीफ भी की। रोहित ने पॉडकास्ट पर पूर्व क्रिकेटरों से बातचीत में कहा, मैं किसी से नहीं मिला। अजीत अजीत अगरकर दुबई में कहीं हैं, वो गोल्फ खेल रहे हैं। राहुल द्रविड़ बेंगलुरु में हैं और

अपने बच्चे को खेलते हुए देख रहे हैं। मैं मुंबई में था। ईमानदारी से कहूं तो हम मिले नहीं हैं। जब तक आप मुझे , राहुल द्रविड़, अजीत या बीसीसीआई के किसी व्यक्ति को कैमरे के सामने आकर बात करते हुए नहीं सुनते, तब तक सब बकवास है।

टी-20 वर्ल्ड कप 1 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाना है। वहीं 1 मई तक इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट सौंपनी हैं। ऐसे में वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान कुछ दिनों में हो जाएगा। टीम इंडिया के सिलेक्शन के लिए सिलेक्टर्स की मीटिंग 30 अप्रैल या 1 मई को हो सकती है

रोहित इम्पैक्ट प्लेयर नियम से नाखुश - रोहित इम्पैक्ट प्लेयर नियम से नाखुश हैं। उन्होंने पॉडकास्ट में इम्पैक्ट प्लेयर को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि मैं इम्पैक्ट प्लेयर नियम का प्रशंसक नहीं हूं। इससे ऑलराउंड खिलाड़ियों का महत्व घटेगा और उन्हें पीछे रखेगा। क्रिकेट 11 खिलाड़ियों का खेल है न कि 12 खिलाड़ियों। इम्पैक्टर प्लेयर के नियम आने से ऑलराउंड्स शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ियों को मौका नहीं मिल पा रहा है। आप लोगों के लिए ज्यादा मनोरंजक बनाने के लिए खेल से बहुत कुछ निकाल रहे हैं।

धोनी को रिटायरमेंट वापस लेने के लिए मनाना कठिन- रोहित से पूछा गया कि धोनी को टी-20 वर्ल्ड कप के लिए संन्यास से वापस लेकर आ सकते हैं, तो उन्होंने हंसते हुए कहा कि टी-20 वर्ल्ड कप के लिए एमएस धोनी को मनाना मुश्किल होगा लेकिन दीनेश कार्तिक को मनाना आसान होगा। रोहित ने आगे कहा कि दिनेश कार्तिक ने जिस तरह से इस आईपीएल में बल्लेबाजी की और एमएस धोनी जिस तरह से उन्होंने आकर सिर्फ 4 गेंदें खेलीं और खेल पर बड़ा प्रभाव डाला, उससे वास्तव में मैं प्रभावित हूं।

पंत हो सकते हैं वर्ल्ड कप टीम में शामिल - इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने रोहित शर्मा से पूछा कि क्या कोई ऐसा खिलाड़ी है, जिसे वह सिर्फ एंटरटेनमेंट के लिए टीम में रखना चाहेंगे। इस पर रोहित ने हंसते हुए कहा कि वह ऋषभ पंत को जरूर टीम में रखेंगे।

यूक्रेन में रूस ने तेज किए हमले, दागीं तीन मिसाइलें 17 की मौत, राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कही यह बात

कीव, 18 अप्रैल (एजेंसियां) ।

कीव और मॉस्को संघर्ष के बीच रूस ने यूक्रेन के चेर्निहीव में मिसाइल हमला किया। इस हमले में 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि 61 घायल हो गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि मरने वालों की संख्या में वृद्धि होने की आशंका है। इन मौतों के लिए उन्होंने यूक्रेन की हवाई सुरक्षा को जिम्मेदार ठहराया है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक बयान जारी करते हुए कहा, अगर यूक्रेन के पास पर्याप्त वायु सुरक्षा उपकरण होता तो ऐसे हमले नहीं होते। आतंकवादी, लोगों को तभी मारते हैं, जब कोई उन्हें रोकने में कामयाब होता है और उसका सामना करने के लिए तैयार रहता है।

मरने वालों में ज्यादातर युवा

चेर्निहीव शहर के प्रमुख ओलेकसैंडर लोमाको ने कहा, मैंने स्वयं सड़क पर क्षतिग्रस्त कारों के भीतर खून से लथपथ लोगों के शवों को देखा। मैंने पीड़ितों की जन्मतिथि देखी, मरने वालों में कई युवा भी शामिल थे।उन्होंने आगे कहा कि बचावकर्मी अभी भी मलबे में पीड़ितों की तलाश कर रहे हैं। लोमाको ने कहा, इस हमले ने यह बता दिया कि यूक्रेन को वायु सुरक्षा उपकरणों की जरूरत है।

चेर्निहीव शहर रूस की सीमा पर स्थित है और अक्सर ही यहां के आसमान में मिसाइलों को देखा जाता है। यूक्रेन के आंतरिक मामलों के मंत्री ईहोर क्लाइमेंको ने कहा, रूसी गोलाबारी में मारे गए लोगों में एक 25 वर्षीय पुलिस लेफ्टिनेंट भी शामिल हैं।उन्होंने आगे कहा, पड़ोस के घर में एक महिला बीमार होने के कारण छुट्टी पर थी, वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

बता दें कि रूस-यूक्रेन संघर्ष के शुरुआती दौर में रूस ने चेर्निहीव को घेर लिया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रूसियों को यहां से खदेड़े जाने और यूक्रेन की वायु सुरक्षा में सुधार के बाद से लोग इस क्षेत्र में वापस लौट आए थे। चेर्निहीव राजधानी कीव से करीब 150 किलोमीटर दूर रूस और बेलारूस की सीमा के पास स्थित है। इस क्षेत्र की आबादी लगभग 2,50,000 है। रूस ने इस क्षेत्र में तीन मिसाइलें दागीं। सैन्य साजो सामान न मिलने से यूक्रेन अब कमजोर पड़ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में विरोध के बीच भारत के साथ व्यापार संबंध सुधरे, रक्षा मंत्री बोले- जेट इंजन सौदा क्रांतिकारी

वॉशिंगटन । अमेरिका में भारत के साथ व्यापार संबंधों पर लगातार यहां के सांसद आरोप लगा रहे है। कुछ सांसद भारत में गेहूं-चावल पर सब्सिडी का मुद्दा उठा रहे हैं। वहीं, यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि भारत से आयातित झींगा जबरन मजदूरी पर निर्भर करता है और अवैध एंटीबायोटिक दवाओं वाला होता है। हालांकि इस बीच, बाइडन प्रशासन के एक शीर्ष व्यापार अधिकारी ने बुधवार को बताया कि भारत ने 12 विभिन्न श्रेणियों में अमेरिकी कृषि उद्योग के लिए अपना बाजार खोला है। 21 अरब डॉलर से अधिक की पहुंच हासिल अमेरिकी वित्त समिति द्वारा व्यापार पर बुलाई गई सदन की सुनवाई के दौरान सांसदों के सवालों का जवाब देते हुए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) कैथरीन टाई ने बाइडन प्रशासन के कदमों का बचाव किया। उन्होंने कहा, हम कड़ी मेहनत करने वाले अमेरिकी परिवारों और समुदायों, विशेष रूप से हमारे ग्रामीण समुदायों के लिए बाजार खोल रहे हैं। हमारे प्रशासन ने पिछले तीन साल में नए कृषि बाजार तक 21 अरब डॉलर से अधिक की पहुंच हासिल की है। देश भर के किसानों को लाभ होगा टाई ने आगे कहा, उदाहरण के लिए अमेरिका और भारत द्वारा डब्ल्यूटीओ के सात विवाद समाप्त किए जाने के बाद भारत कई अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी शुल्क हटाने पर सहमत हुआ था। इसका मतलब है कि छोले, दाल, बादाम, अखरोट और सेब की बेहतर पहुंच से मिशिगन, ओरेगन, कैलिफोर्निया और वाशिंगटन सहित हमारे देश भर के किसानों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि टर्की, बतख, ब्लूबेरी और क्रैनबेरी के लिए अधिक बाजार पहुंच से उत्तरी कैरोलिना, पेंसिल्वेनिया, वर्जीनिया, मैसाचुसेट्स और मिनेसोटा के किसानों को फायदा होगा। भारत-अमेरिका जेट इंजन सौदा क्रांतिकारी: बोले रक्षा मंत्री अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने बुधवार को सांसदों को बताया कि भारतीय वायु सेना के लिए संयुक्त रूप से लड़ाकू जेट इंजन बनाने का भारत-अमेरिका समझौता क्रांतिकारी है। उन्होंने भारत-अमेरिका समझौता के बारे में एलान करते हुए कहा कि इस ऐतिहासिक सौदे की घोषणा पिछले जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की ऐतिहासिक आधिकारिक यात्रा के दौरान की गई थी। जनरल इलेक्ट्रिक ने भारतीय वायुसेना के लिए लड़ाकू जेट इंजन बनाने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। ऑस्टिन ने सदन विनियोग उपसमिति को बताया कि संयुक्त राज्य अमेरिका के भारत के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा कि हमने हाल ही में भारत को जेट हथियार, भारत में जेट इंजन का उत्पादन करने में सक्षम बनाया है और यह एक तरह से क्रांतिकारी है। इससे भारत की क्षमता बढ़ेगी। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि हम भारत के साथ एक बख्तरबंद वाहन का सह-उत्पादन भी कर रहे हैं। इसलिए, पूरे समझौते को समग्रता में देखने पर हमें पता चलता है कि इस समझौते के कारण भारत और अमेरिका का रिश्ता कहीं अधिक और अच्छा होगा।

सूर्य को निगल जाने वाला सबसे बड़ा ब्लैक होल मिला, पृथ्वी से करीब 2000 प्रकाश वर्ष से भी कम दूरी पर मौजूद

वाशिंगटन। सूर्य को निगल जाने वाला अब तक का सबसे बड़ा ब्लैक होल मिला है। इसकी दूरी पृथ्वी से

करीब 2,000 प्रकाश वर्ष से भी कम दूरी पर है। 'जीएआईए बीएच3' नामक ब्लैक होल एक्विला तारामंडल में छिपा है। इसका द्रव्यमान हमारे सूर्य से 33 गुना ज्यादा बड़ा है। पहली बार तारकीय उत्पत्ति का इतना बड़ा ब्लैक होल आकाशगंगा में खोजा गया है। अंतरिक्ष में एक असामान्य डगमगाहट का पता लगाने के बाद खगोलविदों ने मिल्की वे आकाशगंगा में ये ब्लैक होल देखा गया। इस प्रकार के ब्लैक होल केवल बहुत दूर की आकाशगंगा में ही खोजे गए हैं। यूरोपियन अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) ने कहा कि अधिकांश तारकीय-द्रव्यमान वाले ब्लैक होल पास के तारे से पदार्थ खींच रहे हैं। यह पदार्थ इतनी तेज गति से ब्लैक होल में गिरता है कि गर्म होकर एक्सरे विकिरण छोड़ता है। एक्विला तारामंडल में हुई खोज कभी-कभी, ब्लैक होल के पास कोई तारा नहीं होता है। इसका मतलब है कि वे कोई प्रकाश उत्पन्न नहीं करते हैं, जिससे उन्हें पहचानना बेहद मुश्किल हो जाता है। खगोलशास्त्री इन ब्लैक होल को सुप्त कहते हैं। ऐसे तारों की खोज करते समय शोधकर्ताओं ने एक्विला तारामंडल में एक पुराने विशाल तारे की खोज की। उन्होंने इसके पथ में डगमगाहट का विस्तार से विश्लेषण किया और पाया कि यह असाधारण रूप से उच्च द्रव्यमान वाले एक निष्क्रिय ब्लैक होल के साथ एक कक्षीय गति में बंद था। 10 लाख सूर्य के बराबर होता है एक सुपरमैसिव ब्लैक होल आकाशगंगा में स्थित सुपरमैसिव ब्लैक होल का द्रव्यमान एक करबी 10 लाख सूर्य के बराबर है।

ईरान-इजराइल के बनते-बिगड़ते रिश्ते : पहले मान्यता देने से लेकर दोस्ती और फिर दुश्मनी तक

तेहरान, 16 अप्रैल (एजेंसियां) ।

ईरान और इजराइल बीते कई दिनों से आमने-सामने हैं। इस तनाव की शुरुआत 1 अप्रैल को हुई। जब सीरिया स्थित ईरानी दूतावास पर हवाई हमला हुआ। इस हमले में ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के अल-कुद्स बल के एक वरिष्ठ कमांडर सहित कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। ये सभी दमिश्क दूतावास परिसर में एक बैठक में भाग ले रहे थे। हमले का आरोप इजराइल पर लगाया गया, जिसने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली। इस हमले के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कहा कि इजराइल को उसके ऑपरेशन के लिए दंडित किया जाना चाहिए और किया भी जाएगा। चेतावनी के बाद ईरान ने शनिवार 13 अप्रैल की रात इजराइल पर 330 मिसाइलें दागीं। इस दौरान ड्रोन हमले भी किए गए। अब इजराइल भी ईरान पर जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दे रहा है। इससे संकेत मिल रहा है कि क्रिया-प्रतिक्रिया का यह सिलसिला जल्द थमने वाला नहीं है। आज ईरान और इजराइल भले ही आमने-सामने हैं लेकिन ये कभी दोस्त हुआ करते थे।

1948 में इजराइल बना तो ईरान ने दी मान्यता - साल 1948 दुनिया के नक्शे पर एक नए देश का जन्म होता है। ये देश होता है इजराइल। अरब देशों के बीच में अस्तित्व में आए इस देश को अधिकांश मुस्लिम-बहुल राष्ट्र मान्यता तक नहीं देते हैं। हालांकि, कुछ अपवाद भी होते हैं। इन अपवादों में जो देश शामिल होते हैं उनमें से एक ईरान भी होता है। उस वक्त ईरान में पहलवी राजवंश का शासन था। इस राजवंश ने आधी सदी से अधिक समय तक शासन किया गया था। पहलवी राजवंश अमेरिका का समर्थक था जबकि इजराइल अमेरिका का समर्थन करता था। आज जिस फलस्तीन के समर्थन में ईरान खड़ा है उसने उस वक्त ईरान के इस कदम को नकबा यानी तबाही बताया था। फलस्तीन ने भी इसे तबाही की एक मौन अंतर्राष्ट्रीय स्वीकृति के रूप में देखा। कहते हैं कि इजराइल बनने से 7,00,000 से अधिक फलस्तीनी अपनी जमीन से बेदखल हो गए थे।

इजराइल-ईरान ने मजबूत किए रिश्ते - शीत युद्ध के उस दौर में ईरानी शासन को अमेरिका का समर्थन मिला हुआ था। वहीं, इजराइल को भी अमेरिका और यूरोप का समर्थन मिला हुआ था। ईरान में भी बड़ी संख्या में यहूदी रहते थे। यहां तक की आज भी पश्चिमी एशिया में इजराइल के बाद सबसे ज्यादा यहूदी ईरान में ही रहते हैं। 1956 में ईरान में हुई जनगणना के अनुसार, उस समय ईरान में लगभग 65,000 यहूदी रहते थे। देश बनने के बाद इजराइल ने भी अन्य देशों से संबंध स्थापित करने के प्रयास शुरू किए। इजराइल ने ईरान की राजधानी तेहरान में एक दूतावास की स्थापना की। दोनों ने एक दूसरे के यहां अपने राजदूत नियुक्त किए। व्यापारिक संबंध भी बढ़े और जल्द ही ईरान इजराइल के लिए तेल आपूर्ति का प्रमुख स्त्रोत बन गया। दोनों ने 1968 में एक पाइपलाइन शुरु की जिसका उद्देश्य ईरान के तेल को इजराइल और फिर यूरोप भेजना था।

इस्लामी क्रांति से संबंधों में खटास की शुरुआत - साल 1979, ईरान में इस्लामी क्रांति होती है। ईरान की सत्ता पर काबिज शाह मोहम्मद रजा पहलवी को देश छोड़ कर भागना पड़ता है। वहीं, वर्षों के देश से बेदखल चल रहे अयातुल्ला रुहोल्ला खोमैनी देश लौटते हैं और ईरान की सत्ता पर उनका कब्जा हो जाता है। ईरान की इस इस्लामिक क्रांति के बाद दोनों देशों के बीच के संबंधों में खटास की शुरुआत होती है। इस क्रांति के बाद कभी फारस कहा जाने वाला पारसियों का देश रहा ईरान एक इस्लामी गणतंत्र के रूप में बदल जाता है। ईरान के नए सर्वोच्च नेता खोमैनी ने उस वक्त विश्व शक्तियों को अहंकारी करार दिया और उनके खिलाफत की नीति अपनाई। उन्होंने विश्व शक्तियों के क्षेत्रीय सहयोगियों के खिलाफ खड़े होने का एलान जिसे वह मानते थे कि ये अपने हितों को साधने के लिए फलस्तीनियों सहित दूसरों पर अत्याचार करेंगे।

ईरान पर सद्दाम की सेना ने हमला बोला, इराक को मिला अमेरिका का साथ - हालांकि, रिश्ते तत्काल पूरी तरह से नहीं बिगड़ते हैं। इस्लामी क्रांति के बाद एक शिया उलेमा सत्ता पर काबिज हुआ। पड़ोसी देश इराक की सत्ता पर सुन्नी तानाशाह सद्दाम हुसैन का शासन था। अस्थिरता के दौर से गुजर रहे ईरान पर सितंबर 1980 में सद्दाम की सेना ने अचानक हमला बोल दिया। इराक को अमेरिका का साथ मिला। वहीं, इजराइल ने ईरान का साथ दिया। सद्दाम को अमेरिका की ओर से मदद मिल रही थी। सद्दाम को उम्मीद थी कि वो कुछ ही दिनों में ईरान पर जीत दर्ज कर लेंगे, लेकिन ऐसा हो नहीं सका। ईरान के सुप्रीम लीडर खोमैनी सद्दाम को इस्लामी क्रांति में बाधा के रूप में देखते थे। उनकी सेना डटी रही और इराकी नेता को उखाड़ फेंकने के प्रयास में युद्ध जारी रखा। कई वर्षों तक चला यह युद्ध किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सका। न सद्दाम खोमैनी को सत्ता से बेदखल कर सके न ही खोमैनी सद्दाम को सत्ता से हटा सके। इस युद्ध का एक और दिलचस्प पहलू भी था। कई रिपोर्ट्स बताती हैं कि जो अमेरिका सद्दाम की मदद कर रहा था वही, गुप्त रूप से खोमैनी की सेना को भी हथियारों की सप्लाई कर रहा था। आठ साल चले युद्ध के खत्म होते-होते पश्चिम एशिया के समीकरण बदल चुके थे। इस युद्ध के चंद साल बाद ही सद्दाम अमेरिका के निशाने पर आ गए। जब 1990 में उन्होंने कुवैत पर कब्जा कर लिया था। ईरानी सत्ता ने अमेरिका को महान शैतान की संज्ञा दी वहीं, दूसरी ओर ईरान और इजराइल के रिश्ते भी कड़वे होने लगे। दोनों के बीच छद्म युद्ध की शुरुआत हो गई। ईरानी सत्ता ने अमेरिका को महान शैतान और इजराइल को छोटा शैतान की संज्ञा दे दी।

दोस्तों के हंसने पर छात्र ने कुर्सी पर बैठी शिक्षिका को जड़ा थप्पड़ पुलिस ने किया गिरफ्तार

सैकरामेंटो, 18 अप्रैल (एजेंसियां) ।

कैलिफोर्निया के एक स्कूल का अजीबो-गरीब वीडियो सामने आया है। जिसमें एक छात्र अपनी शिक्षिका को थप्पड़ मारता दिख रहा है। थप्पड़ के बाद शिक्षिका के यह कहने पर कि उसे इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा, छात्र ने उसको एक और थप्पड़ मारकर उसका चश्मा तोड़ दिया। वीडियो वायरल होने के बाद स्कूल प्रशासन सफाई देता घूम रहा है। छात्र पर मुकदमा दर्ज हुआ है। गुरू को भगवान मानने वाली पीढ़ी और परंपरा खत्म सी होती जा रही है। इसका ताजा उदाहरण कैलिफोर्निया के पार्कलैंड हाईस्कूल में देखने मिला। जब सोशल मीडिया पर एक छात्र का अपनी शिक्षिका थप्पड़ मारने का वीडियो वायरल हुआ। जिसमें एक छात्र कुर्सी पर बैठी अपनी शिक्षिका को उठकर थप्पड़ मार देता है। जिस पर शिक्षिका जवाब देती है कि तुम्हें क्या लगता है, इसका मुझ पर फर्क पड़ेगा। इस पर छात्र अपशब्द बोलते हुए कहा कि अगर ऐसा है तो मैं तुम्हें फिर से थप्पड़ मारुं। और छात्र ने शिक्षिका को दूसरा थप्पड़ जड़ दिया। जिससे उसका चश्मा टूट गया। इस पर शिक्षिका ने कहा तुम ये सब गलत कर रहे हो, क्या करना चाहते हो और क्यों दूसरा थप्पड़ मारने के बाद छात्र ने चिल्लाते हुए कहा कि क्या करोगी तुम्हारे साथ गलत हो रहा है और तुम यूं ही कुर्सी पर बैठी रहोगी। तुम्हें मैंने दो थप्पड़ मारे क्या कोई तुम्हें बचाने आया। इस घटना के बाद कक्षा के अन्य छात्र-छात्राएं हंसने लगी। थप्पड़ मारना छात्र ने पहले से ही प्लान किया था, इसलिए उसने अपने एक दोस्त से इसे रिकॉर्ड करने को भी कहा था। इस घटना के वायरल होने के बाद फोर्थिस शेरिफ कार्यालय की ओर से बयान आया कि छात्र पर सरकारी अधिकारी पर हमला करना, धमकी देना और पहले से अभद्रता के मामले दर्ज किया है। इस घटना के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। वहीं स्कूल प्रशासन भी इस घटना के बाद सफाई दे रहा है। पार्कलैंड हाईस्कूल के प्रधानाचार्य नोएल कीनर ने कहा कि आरोपी छात्र पर अनुशासनात्मक कार्रवाइ की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्कूल में इस प्रकार का वातावरण नहीं है, न ही हम इस तरह का व्यवहार बर्दाश्त करते हैं। यह वीडियो और घटना बेहद शर्मनाक है। घटना की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि वीडियो स्कूल की छवि खराब करने वाला है। वहीं शेरिफ बॉबी एफ. किम्ब्रू जूनियर ने कहा कि यह घटना बहुत ही शर्मनाक है। छात्र और शिक्षक के पवित्र रिश्ते का अपमान कर रही है।

सिडनी के चर्च में हमला करने वाले शख्स को बिशप ने किया माफ, कहा- जिसने उसे भेजा, उसे भी क्षमा किया

सिडनी, 18 अप्रैल (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया में हाल ही में चर्च में चल रहे समारोह के दौरान चाकूबाजी की घटना सामने आई थी। हमले में बिशप भी घायल हो गए थे, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया था। गुरुवार को बिशप ने बताया कि वह अब ठीक हो रहे हैं। इसके साथ उन्होंने कहा कि हमलावर उनके बेटे जैसा है, इसलिए वह उसे माफ करना चाहते हैं। दरअसल, बीते सोमवार को बिशप मार्च मारी इमैनुएल पर एक 16 वर्षीय लड़के ने सिर और सीने पर चाकू से हमला किया था, जिसके बाद चर्च में अफरा-तफरी मच गई थी। इस घटना पर बिशप ने कहा कि मैं अभी ठीक हूं और बहुत जल्दी चर्च में वापसी करूंगा।

हमले के बाद बिशप ने हमलावर को किया माफ - बता दें कि बिशप इमैनुएल के लगभग 200,000 फॉलोअर्स हैं। उनके फॉलोअर्स में इजाफा कोविड-19 टीकाकरण और लॉकडाउन के साथ-साथ इस्लाम की आलोचना से जुड़ी कई पोस्ट के बाद हुआ था। हमले के बाद उन्होंने एक वीडिया जारी किया। इस वीडियो के जरिए उन्होंने कहा कि चिंता करने की कोई बात नहीं है। जिसने भी ये काम किया, मैंने उसे माफ कर दिया है। मैं उससे कहना चाहता हूं, तुम मेरे बेटे हो और मैं तुमसे प्यार करता हूं। मैं हमेशा तुम्हारे लिए प्रार्थना करूंगा। जिसने भी तुम्हें इस काम के लिए भेजा था, मैं उसे भी माफ करूंगा।

बिशप की लोगों से शांत रहने की अपील - हमले के बाद चर्च के बाहर आक्रोश देखने को मिला, जिसे देखते हुए बिशप ने लोगों से शांत रहने की अपील की। हमले की रात समुदाय के सैकड़ों सदस्य घटनास्थल पर पहुंचे। कुछ लोगों ने पत्थरबाजी भी की, जिसमें पुलिसकर्मी भी घायल हुए और कई पुलिस वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। इस पर बिशप ने कहा कि मैं चाहता हूं कि आप लोग शांत रहें।

उन्होंने आगे कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम ऑस्ट्रेलियाई होने के नाते बहुत भाग्यशाली हैं। इसके साथ ही हम ईसाई हैं और हमें इसी शांत व्यवहार करने की जरूरत है। पुलिस ने चर्च के बाहर हिंसा के मामले में बुधवार को एक 19 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आगे और भी लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की जरूरत, भारत की स्थाई सदस्यता के लिए मस्क के समर्थन पर अमेरिका

वॉशिंगटन, 18 अप्रैल ।

अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत सभी यूएन निकायों में सुधार का समर्थन किया है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रधान उप-प्रवक्ता वेदांत पटेल से बुधवार को एक प्रेसवार्ता के दौरान यूएनएससी में भारत की स्थाई सीट को लेकर टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के बयान पर सवाल किया गया था।

इस दौरान उन्होंने जवाब दिया कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस पर पहले भी बात की है। यूएन के सचिव ने भी इसके बारे में बताया है। हम निश्चित तौर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत यूएन निकायों में सुधार का समर्थन करते हैं। इसके लिए क्या कदम उठाए जाएंगे इसे लेकर मेरे पास ज्यादा जानकारी नहीं है। हमें लगता है कि इसमें सुधार की जरूरत है। दरअसल, मस्क ने जनवरी में यूएन में भारत को स्थाई सीट न मिलने को बेतुका बताया था।

स्थाई सदस्यता न मिलने पर एलन मस्क ने की थी टिप्पणी - यूएन में भारत को स्थाई सीट न मिलने पर एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा था, कुछ पहलुओं पर सुधार की जरूरत है। समस्या यह है कि जिनके पास अधिक ताकत है, वह इसे छोड़ना नहीं चाहते हैं। भारत के पास यूएन में स्थाई सीट नहीं है। सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के बावजूद परिषद में भारत को स्थाई सीट नहीं दी गई है। यह बेतुका है। अफ्रीका को भी एक स्थाई सीट दी जानी चाहिए।

लंबे समय से हो रही मांग - भारत लंबे समय से ही विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यता की मांग कर रहा है। बता दें कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद 15 देशों से मिलकर बना है। उनमें से पांच स्थाई देशों के पास वीटो ताकत है, जबकि 10 अस्थाई देशों को दो साल के कार्यकाल के लिए चुना जाता है। पांच स्थाई देशों में अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन शामिल हैं।

भारत ने भी स्थाई सदस्यता पर दिया जोर - भारत में लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा की तरफ से जारी घोषणा-पत्र (संकल्पपत्र) में पार्टी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थाई सीट को लेकर भी बात की गई है। इससे पहले जनवरी में केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थाई सदस्यता पर जोर दिया था। उन्होंने इस पर कहा था कि कभी कभी चीजें उदारता से की जाती है और कभी इसे हर हाल में हासिल करना पड़ता है।

अफगानिस्तान में महिला उद्यमियों से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिल रहा सहारा, यूएन की रिपोर्ट में दावा

अफगानिस्तान, 18 अप्रैल (एजेंसियां) ।

यूएन विकास कार्यक्रम ने लिस्निंग टू वूमन एंटरप्रेन्योर इन अफगानिस्तान, देयर स्ट्रगल एंड रेसिलेंस (अफगानिस्तान में महिला उद्यमियों, उनके संघर्ष और कामकाज पर गौर) नाम की रिपोर्ट प्रकाशित की है। इसमें पिछले तीन वर्षों में संकलित डेटा का विश्लेषण किया गया है। अध्ययन में अफगानिस्तान में महिला उद्यमियों के लिए बदलती परिस्थितियों के सिलसिले में विस्तापूर्वक जानकारी दी गई है।

एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए यूएन कार्यक्रम की क्षेत्रीय निदेशक कन्नी विग्नाराजा ने बताया कि अफगानिस्तान में महिला उद्यमियों ने बेहद विकट परिस्थितियों में भी अविश्वसनीय हौसले, निडरता और साधन-सम्पन्नता का परिचय दिया है। विश्लेषण के अनुसार, अफगानिस्तान में महिला उद्यमियों को अपने व्यवसाय में ऊंची लागत और अनेक प्रकार के अवरोधों का सामना करना पड़ रहा है। भेदभाव गहरा हुआ है और व्यवसाय संचालन में कई बाधाएं हैं। देश में गंभीर हालात से जूझ रही वित्तीय प्रणाली के कारण, इस सर्वेक्षण में हिस्सा लेने वाली तीन हजार महिलाओं में से 41 फीसदी कर्ज लेने के लिए मजबूर हो गई हैं। तीन-चौथाई प्रतिभागियों ने बताया कि आवाजाही पर पाबंदियां हैं। उदाहरणस्वरूप, महिलाओं के लिए एक पुरुष संगी के बिना स्थानीय बाजार तक जाना भी सम्भव नहीं है। केवल पांच प्रतिशत ने बताया कि उन्हें बैंक या माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं के जरिये कर्ज मिला।

चुनौतियों से उबरने के उपाय

यूएन विकास कार्यक्रम के अनुसार, अफगानिस्तान में 1.58 करोड़ लोग खाद्य असुरक्षा का शिकार हैं और कामकाजी महिलाओं के लिए रोज़गार दर, पिछले वर्ष से अब तक घटकर छह फीसदी रह गई है। इन हालात में महिलाएं मौजूदा चुनौतियों से उबरने के लिए रास्तों की तलाश कर रही हैं। उद्यमिता, महिलाओं व उनके परिवारों के लिए एक जीवनरेखा बनकर उभरी है। महिलाओं के नेतृत्व वाले 80 प्रतिशत उद्यम अपने आय के मुख्य स्त्रोत के लिए अपने व्यावसायिक राजस्व पर निर्भर हैं।

महिलाओं द्वारा संचालित व्यवसायों से अन्य महिलाओं के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। यूएन विकास कार्यक्रम ने बताया कि साझेदारों के साथ मिलकर 75 हजार सूक्ष्म व लघु-व्यवसायों को सहारा दिया गया है, जिनसे नौ लाख लोगों के लिए रोजगार अवसर उत्पन्न हुए हैं और उनके परिवारों को गुजर-बसर का साधन मिला है। संकल्प व आशा अफगानिस्तान में यूएन कार्यक्रम के रेजिडेंट प्रतिनिधि स्टेफन रोड्रिक्स ने बताया कि लम्बे समय से महिलाएं देश में घर-परिवारों के कल्याण के लिए एक अहम शक्ति हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को सहारा देने में अहम भूमिका निभा रही हैं। यूएन प्रतिनिधि ने कहा कि महिला उदयमियों की आवाज को समर्थन दिया जा रहा है और महिलाओं में निवेश से होने वाले लाभ को रेखांकित किया गया है।

तमाम चुनौतियों से उबरने के लिए उनका साहस व सहनसक्षमता, संकल्प व आशा की एक उत्कृष्ट कहानी है। उन्हें अंतरराष्ट्रीय समर्थन की दरकार है और इस रिपोर्ट में इसी विषय पर अहम जानकारी साझा की गई है। रेजिडेंट प्रतिनिधि ने कहा कि अफगानिस्तान का भविष्य उन्हीं पर निर्भर है।

आज कामदा एकादशी

इस पेड़ की पूजा करने से हर मनोकामना होती है पूरी

कामदा एकादशी, इस साल 19 अप्रैल को मनायी जाएगी, हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण एकादशी है । यह भगवान विष्णु की पूजा का विशेष दिन माना जाता है। इस दिन, भक्त न केवल व्रत रखते हैं और भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, बल्कि वे केले के पेड़ की भी पूजा करते हैं। कामदा एकादशी हिन्दू धर्म में महत्वपूर्ण त्योहार है जो वैष्णव समुदाय द्वारा मनाया जाता है। यह एकादशी चैत्र मास के कृष्ण पक्ष को मनाई जाती है। कामदा एकादशी का उपयोग भगवान विष्णु की पूजा और भक्ति में किया जाता है, जिससे उनकी कृपा और आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस एकादशी को 'कामदा' के नाम से जाना जाता है, क्योंकि इसे मनाने से व्यक्ति की इच्छाएं पूरी होती हैं और वह अपने जीवन में कामनाओं को प्राप्त करता है। इस दिन भक्त व्रत रखते हैं और भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। कामदा एकादशी को मनाने से व्यक्ति को धार्मिक और आध्यात्मिक उन्नति की प्राप्ति होती है। यह एकादशी भक्तों को पापों से मुक्ति दिलाती है और उन्हें सच्चे मन से भगवान की शरण में ले जाती है। इसके अलावा, कामदा एकादशी का उत्सव विभिन्न धार्मिक क्रियाओं के साथ सामाजिक और पारंपरिक रूप में मनाया जाता है।

कामदा एकादशी आज

पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 5.41 से सुबह 7.19 तक

पारण का समय 20 अप्रैल 2024, सुबह 5.41 से 10.11 तक

केले के पेड़ की पूजा का महत्व

ऐसा माना जाता है कि भगवान विष्णु केले के पेड़ में वास करते हैं। इसलिए, कामदा एकादशी के दिन केले के पेड़ की पूजा भगवान विष्णु की पूजा के समान मानी जाती है। कामदा एकादशी के दिन केले के पेड़ की पूजा करने से पुण्य लाभ होता है और पापों का नाश होता है। ऐसा भी माना जाता है कि कामदा एकादशी के दिन केले के पेड़ की पूजा करने से भगवान विष्णु भक्तों की इच्छाओं को पूरा करते हैं। कामदा एकादशी के दिन केले के पेड़ की पूजा करने से ग्रह दोषों का निवारण होता है और ग्रह शांति प्राप्त होती है।

केले के पेड़ की पूजा विधि

स्नान और शुद्धिकरण कामदा एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें।

वेदी का निर्माण अपने घर के पूजा स्थान पर या किसी पवित्र स्थान पर एक वेदी बनाएं। वेदी को स्वच्छ कपड़े से ढकें और उस पर भगवान विष्णु और केले के पेड़ की मूर्ति या चित्र स्थापित करें।

दीप प्रज्वलन वेदी पर घी या तेल का दीपक जलाएं।

नैवेद्य भगवान विष्णु और केले के पेड़ को फल, फूल, मिठाई और अन्य भोग अर्पित करें।

केले के पेड़ की पूजा केले के पेड़ को जल, दूध, गंगाजल और हल्दी से स्नान कराएं। फिर, पेड़ पर कलावा, मौली और फल बांधें। धूप और अगरबत्ती जलाएं और भगवान विष्णु और केले के पेड़ की मंत्रों का जाप करें।

आरती भगवान विष्णु और केले के पेड़ की आरती उतारें।

पारण दूसरे दिन सुबह सूर्योदय के बाद व्रत का पारण करें। फल, दूध और खीर का सेवन करें।

केले के पेड़ की पूजा करते समय, स्वच्छ और पवित्र वस्त्र पहनें। पूजा करते समय मन को शांत और एकाग्र रखें। भगवान विष्णु और केले के पेड़ के प्रति श्रद्धा और भक्ति रखें। कामदा एकादशी के दिन केले के पेड़ की पूजा करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

कामदा एकादशी से पहले जरूर करें 10 बार स्नान सफलता मिलने में नहीं लगेगा समय

यह भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की पूजा का विशेष दिन माना जाता है। इस दिन, भक्त न केवल व्रत रखते हैं और भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं, बल्कि वे केले के पेड़ की भी पूजा करते हैं।

पवित्रता प्राप्ति दशमी तिथि को 10 बार स्नान करने से शरीर और मन शुद्ध होता है और पवित्रता प्राप्त होती है। यह व्रत की तैयारी के लिए आवश्यक माना जाता है।

पापों का नाश ऐसा माना जाता है कि दशमी तिथि को 10 बार स्नान करने से पिछले जन्मों के पापों का नाश होता है।

नकारात्मक ऊर्जा का नाश दशमी तिथि को 10 बार स्नान करने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है।

मन की शांति दशमी तिथि को 10 बार स्नान करने से मन शांत होता है और एकाग्रता बढ़ती है।

भगवान विष्णु की कृपा दशमी तिथि को 10 बार स्नान करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है।

दशमी तिथि को 10 बार स्नान करने की विधि

दशमी तिथि के दिन सूर्योदय से पहले उठें। स्वच्छ जल में गंगाजल मिलाकर स्नान करें। स्नान करते समय ॐ गंगाय नमः मंत्र का जाप करें। स्नान करने के बाद स्वच्छ और नए वस्त्र पहनें। भगवान विष्णु का ध्यान करें और उनसे व्रत को सफलतापूर्वक पूरा करने की प्रार्थना करें। दशमी तिथि को 10 बार स्नान करना ऑप्शनल है। अगर आप ऐसा करने में असमर्थ हैं, तो आप एक बार स्नान भी कर सकते हैं।

कामदा एकादशी व्रत के नियम

दसमी तिथि को दसमी तिथि के दिन दस बार स्नान करके स्वयं को शुद्ध करें। फिर, भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी का ध्यान करें और व्रत का संकल्प लें।

एकादशी तिथि को एकादशी तिथि के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें। फिर, अपने घर में पूजा स्थान की सफाई करें और भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की मूर्ति या चित्र स्थापित करें।

पूजा विधि प्रातःकाल, भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी को दीप, धूप, नैवेद्य, फल, फूल आदि अर्पित करें। फिर, ॐ नमो नारायणाय और ॐ श्रीं लक्ष्मी नमः मंत्रों का जाप करें। केले के पेड़ की पूजा करें। दिन भर व्रत रखें और केवल फलाहार करें। शाम को, दीप प्रज्वलित करें और भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की आरती उतारें। दूसरे दिन सुबह सूर्योदय के बाद व्रत का पारणा करें। फल, दूध और खीर का सेवन करें। दान-पुण्य करें और ब्राह्मणों को भोजन खिलाएं।

वास्तु के अनुसार घर में रखेंगे ये शुभ चीजें, तो नहीं सताएगी धन की कमी

वास्तु शास्त्र, में ऐसी कई चीज बताई गई हैं, जिन्हें घर में रखने से व्यक्ति को जीवन में पॉजिटिव चेंज देखने को मिल सकता है। ऐसे में यदि आप वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में इन शुभ मानी गई चीजों को रखते हैं, तो इससे आपको धन संबंधी समस्याओं से मुक्ति मिल सकती है। आइए जानते हैं कि वास्तु शास्त्र में घर में किन चीजों को रखना शुभ माना गया है।

बनी रहेगी लक्ष्मी जी कृपा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में लघु नारियल यानी श्रीफल जरूर रखना चाहिए। ऐसा करने से आपको अपनी आर्थिक स्थिति में लाभ देखने को मिल सकता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जिस घर में श्रीफल रखा जाता है, वहां मां लक्ष्मी जी का वास सदैव बना रहता है, जिससे साधक को धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ता।

मंदिर में रखें ये चीज

हिंदू धर्म में शंख को भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का प्रिय माना गया है। ऐसे में आप अपने मंदिर में वास्तु के अनुसार, शंख रख सकते हैं। माना जाता है कि मंदिर में शंख रखने से व्यक्ति को वास्तु दोष से छुटकारा मिल सकता है, जिससे धन संबंधी समस्याओं से भी मुक्ति मिलने लगती है।

घर की इस दिशा में रखें कछुआ

वास्तु शास्त्र की मानें, तो घर में धातु का कछुआ रखना बहुत शुभ होता है। इसके लिए आप चांदी, पीतल या तांबे का कछुआ घर में रख सकते हैं। ऐसा करने से आपको आर्थिक तंगी से राहत मिल सकती है। शास्त्रों में कछुए को भगवान विष्णु का अवतार माना गया है। ध्यान रखें कि कछुए को घर की उत्तर दिशा में रखना चाहिए।

विवाह में क्यों जरूरी माना जाता है सिंदूरदान?

ज्योतिष में भी बताया गया है महत्व

हिंदू धर्म में सुहागिन महिलाओं द्वारा 16 शृंगार किया जाता है, जिन्हें सुहाग की निशानी के तौर पर देखा जाता है। सिंदूर भी इन्हीं में से एक है, इसे किसी भी सुहागिन महिला का सबसे जरूरी शृंगार समझा जाता है। विवाह के दौरान भी कन्यादान की तरह ही सिंदूर दान का विशेष महत्व समझा गया है। चलिए जानते हैं इसके पीछे का धार्मिक कारण।

सिंदूर का महत्व

सनातन परम्पराओं के अनुसार, सिंदूर को अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। साथ ही यह भी माना जाता है कि विवाहिता द्वारा रोजाना मांग में सिंदूर लगाने से वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहता है। इसलिए भारतीय संस्कृति में विवाहित महिलाओं द्वारा सिंदूर लगाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है। यह भी माना गया है कि मांग में जितना लंबा सिंदूर होगा, जीवनसाथी की उम्र भी उतनी ही लंबी होगी। सिंदूर का रंग लाल होता है, जिसे हिंदू धर्म में प्रेम और शक्ति का प्रतीक माना जाता है। शास्त्रों में माना गया है कि सिंदूर आपके वैवाहिक रिश्ते में मजबूती ला सकता है।

इसलिए जरूरी है सिंदूर दान

विवाह के दौरान जब वर, वधू की मांग में सिंदूर भरता है, तो इसे सिंदूर दान कहा जाता है। हिंदू शास्त्रों के मुताबिक सिंदूर दान की रस्म करने के बाद ही विवाह संपन्न माना जाता है। यह न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्व रखता है, बल्कि इसका ज्योतिष रूप से भी विशेष महत्व माना गया है। हमारे शरीर में 7 चक्र होते हैं, जिनका नियंत्रण सिर के उस हिस्से में होता है, जहां सिंदूर भरा जाता है।

ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, मांग के पीछले हिस्से में सूर्य विराजमान होते हैं। ऐसे में यदि मांग में सिंदूर भर जाए, तो इससे सूर्य की स्थिति मजबूत होती है। इसके साथ ही मेष राशि का स्थान भी माथे पर ही माना गया है, जिसके स्वामी मंगल ग्रह हैं। मंगल ग्रह के लिए भी लाल यानी सिंदूरी रंग ही शुभ माना गया है। इसलिए मांग में सिंदूर भरने से जीवन में सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। इस दृष्टि से भी सिंदूर दान को महत्व-पूर्ण माना गया है।

बोला जाता है ये मंत्र

विवाह के दौरान जब सिंदूर दान किया जाता है, तो इस दौरान एक मंत्र पढ़ा जाता है, जो इस प्रकार है -

'ॐ सुमंगलीरियं वधूरिमां समेत पश्यत। सौभाग्यमस्यै दत्त्वा याथास्तं विपरेतन।। '

अर्थ – इस मंत्र में वर कहता है कि विवाह मंडप में उपस्थित सभी महिलाओं और पुरुषों के समक्ष मैं कन्या की मांग में सिंदूर भर रहा हूं। आप वधू को सुमंगली यानी कल्याणकारी होते हुए देखें। साथ ही हमें सौभाग्य और समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करें। हे वधू, तुम्हारे सौभाग्य को बढ़ाने वाले इस सिंदूर को मैं तुम्हें दान देकर अपना कर्तव्य पूर्ण कर रहा हूं, यह तुम्हारी विपरित स्थितियों में भी रक्षा करेगा।

हनुमान जयंती पर करें अचूक उपाय, बजरंगबली से जुड़ी 4 चीजें लाएं घर

जाग उठेगा सौभाग्य, दूर होंगे वास्तु और ग्रह दोष

हिंदू पंचांग में चैत्र महीना विशेष रूप से देवताओं को समर्पित होता है। जहां नवरात्रि, राम नवमी और उनके भक्त हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। चैत्र माह की पूर्णिमा के दिन कलयुग के भगवान कहे जाने वाले हनुमान जी के बाल रूप की पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि हनुमान जयंती के दिन हनुमान जी के बाल रूप की पूजा करने से भक्तों के जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं। साथ ही भगवान की विशेष कृपा मिलती है। उपासना करने के साथ ही यदि आप हनुमान जी से जुड़े कुछ प्रतीक चिह्न लाएं तो घर में सुख-समृद्धि बढ़ती है और साधक को कई लाभ मिलते हैं। हनुमान जयंती के दिन कौन से प्रतीक चिह्न घर लाकर स्थापित करें?

घर में लाएं सिंदूर

भगवान हनुमान जी को लेकर गोस्वामी तुलसी दास ने भी कहा है 'लाल देह लाली लसे अरू धर लाल लंगूर।' इससे यह पता चलता है कि हनुमान जी को सिंदूर बहुत प्रिय है। जब उनकी पूजा की जाती है तो सिंदूर विशेष रूप से चढ़ाया जाता है। पुराणों में मान्यता है कि हनुमान जयंती के दिन घर में सिंदूर लाने से साधक का सौभाग्य जागता है। सिंदूर अर्पित करने से भगवान हनुमान की विशेष कृपा मिलती है। हनुमान जयंती पर भगवान को सिंदूर का लेप जरूर लगाएं।

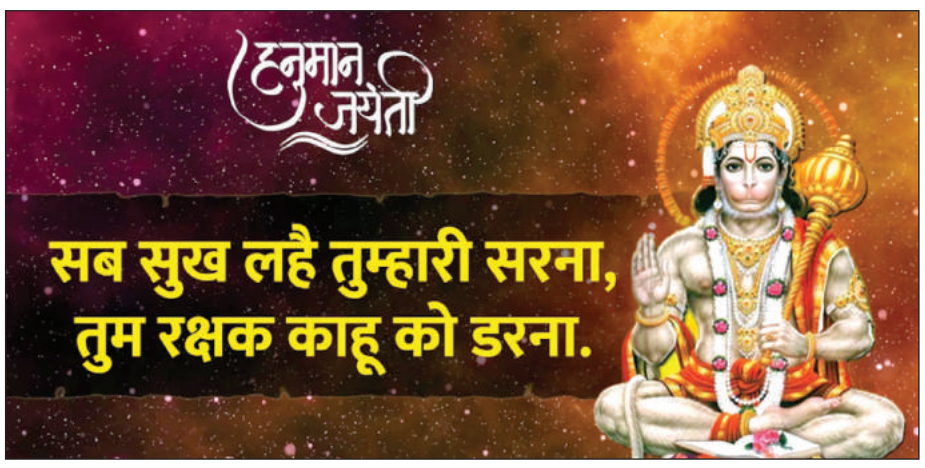

हनुमान जी के रूप बंदर को लाएं घर

पुराणों में भगवान हनुमान को वानर रूप में बताया गया है। भगवान के इस रूप को शुभता का प्रतीक माना जाता है। हनुमान जयंती के दिन उनके वानर रूप यानी बंदर की फोटो या मूर्ति घर अवश्य लाएं। वानर की फोटो या प्रतिमा में एक सकारात्मक ऊर्जा समाहित होती है, जिससे घर में छाई विपदाएं दूर होती हैं। साथ ही घर में शांति का वातावरण बनता है।

भगवान का अस्त्र गदा लाएं घर

भगवान हनुमान जी के अस्त्र गदा को नकारात्मक शक्तियों के नाशक के रूप में जाना जाता है, इसलिए हनुमान जयंती के दिन घर में गदा लेकर आना चाहिए। यदि घर में कोई बुरी ऊर्जा हो और किसी प्रकार का भय सता रहा हो तो हनुमानोत्सव के दिन गदा लाकर पूजा करने के बाद पूर्व दिशा में स्थापित करना चाहिए।

फरसा करें स्थापित

यदि आपके घर में वास्तु दोष हो और आपको उसे दूर करना हो या फिर आपकी कुंडली में ग्रह दोष हो तो इसका निदान हनुमान जयंती के दिन कर सकते हैं। इसके लिए हनुमानोत्सव के दिन घर में फरसा लाना चाहिए। इसका साइज छोटा होने के साथ तांबे का बना हो तो और भी श्रेष्ठ है।

भूल भुलैया 3 से नाम जुड़ते ही माधुरी दीक्षित ने बिखेरा जलवा, लोग बोले, मोहिनी

बॉलीवुड स्टार माधुरी दीक्षित अपनी खूबसूरती को लेकर आज भी दर्शकों का दिल जीत लेती हैं। 'धक धक' गर्ल माधुरी दीक्षित के चाहने वालों की कमी आज भी नहीं हैं। यही वजह है कि उन्हें इंस्टाग्राम पर भी 39 मिलियन लोग फॉलो करते हैं। फिल्मों में कम ही नजर आने वाली अदाकारा माधुरी दीक्षित को लेकर हाल ही में एक दिलचस्प जानकारी सामने आई है। खबर है कि फिल्म स्टार माधुरी दीक्षित जल्दी ही कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी स्टारर मूवी 'भूल भुलैया 3' में नजर आ सकती हैं। जिसके बाद एंटरटेनमेंट न्यूज की दुनिया में ये खबर आग की तरह फैली। इस रिपोर्ट के वायरल होते ही अदाकारा माधुरी दीक्षित ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। सामने आईं इन तस्वीरों में अदाकारा बेहद खूबसूरत नजर आई हैं।

56 साल की उम्र में अदाकारा माधुरी दीक्षित की खूबसूरती देखते ही बनती है। इन तस्वीरों को शेयर कर अदाकारा ने कैप्शन में लिखा, 'खुशी की सिंपल सी भाषा है- एक असली मुस्कुराहट'। सोशल मीडिया पर सामने आते ही माधुरी दीक्षित की इन तस्वीरों पर लोग जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा, 'आप सदाबहार खूबसूरती हैं भारत की। जिस पर पूरी दुनिया गर्वित और खुशी से भरपूर है। ब्यूटीफुल।' तो एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा है, 'इतना खूबसूरत दिखने के लिए ये क्या करती हैं।'

भूल भुलैया 3 में होगी माधुरी दीक्षित की एंट्री?

बता दें कि अभी हाल ही में खबर सामने आई थी कि अदाकारा माधुरी दीक्षित फिल्म स्टार कार्तिक आर्यन की ब्लॉकबस्टर मूवी भूल भुलैया 2 की अगली सीरीज में नजर आ सकती हैं। खबर है कि अदाकारा इस फिल्म में विद्या बालन संग ऑन स्क्रीन नजर आएंगी। सामने आ रहीं रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स इस फिल्म के सुपरहिट गाने 'आमी जो तुमार' को एक बार फिर से फिल्माने की कोशिश में हैं। जिसमें माधुरी दीक्षित और विद्या बालन के बीच एक जबरदस्त डांस फेस ऑफ नजर आएगा। इस गाने की प्लानिंग इन दिनों जोरों पर है। खबर की मानें तो इस डांस फेसऑफ को बेहद विशाल बनाने की प्लानिंग है। जिसमें कार्तिक आर्यन भी परफॉर्म करते दिखेंगे। हालांकि अभी तक मेकर्स ने इसका आधिकारिक ऐलान नहीं किया है।

इस सुपरहिट फिल्म के बाद टूट गई थी राज कपूर-नरगिस की शानदार जोड़ी

इस वजह से फिर दोबारा कभी साथ नहीं किया काम

बॉलीवुड में समय समय पर हीरो और हीरोइनों की शानदार केमेस्ट्री के चलते उनकी जोड़ी बनना आम बात रही है। धर्मेंद्र और हेमा मालिनी हों या किशोर कुमार और मधुबाला इन जोड़ियों ने अपने दौर में जबरदस्त फिल्में दी और लंबे समय तक फैंस के दिलों पर राज किया है। ऐसी ही एक जोड़ी थी जिसने अपने दौर में कई सुपरहिट फिल्में दीं और इसीलिए इनकी जोड़ी बॉलीवुड में काफी लोकप्रिय रही। जी हां बात हो रही है शो मैन राज कपूर और नरगिस की जोड़ी की। राज और नरगिस ने अपने दौर में श्री 420, आवारा, अनाड़ी, अंदाज, बरसात, आग और आह जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया। लेकिन एक वक्त ऐसा भी आया जब इनकी जोड़ी टूट गई। 1956 में इस जोड़ी ने बतौर लीड कपल जिस फिल्म में काम किया वो फिल्म तो सुपरहिट गई लेकिन इस फिल्म के बाद ये खूबसूरत जोड़ी टूट गई।

1956 में राज कपूर और नरगिस की फिल्म आई थी जिसका नाम था चोरी चोरी। इस फिल्म में राज कपूर के साथ नरगिस लीड रोल में थीं और ये बहुत ही प्यारी लव स्टोरी थी। फिल्म के गाने बहुत हिट हुए। कहा जाता है कि फिल्म की शूटिंग के वक्त राज कपूर और नरगिस के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा था। फिल्म उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शुमार हुई लेकिन इसके बाद राज कपूर और नरगिस के रास्ते अलग अलग हो इसके बाद ये जोड़ी किसी भी फिल्म में लीड रोल में साथ नजर नहीं आई। इस फिल्म को अनंत ठाकुर ने डायरेक्ट किया था और इसकी रोमांटिक कॉमेडी लोगों को आज तक याद है।

हालांकि इस फिल्म के बाद राज कपूर और नरगिस कभी लीड रोल में साथ नहीं लेकिन इसके कुछ दिन बाद आई फिल्म जागते रहो में नरगिस राज कपूर के साथ कुछ देर के लिए पर्दे पर नजर आई थीं। ये फिल्म ज्यादा सफलता हासिल नहीं कर पाई थी। ये फिल्म राज कपूर ने प्रोड्यूस की थी और इसके डायरेक्टर शम्भू मित्रा थे। फिल्म में कपूर ने एक गरीब व्यक्ति का रोल किया था जो अच्छी जिंदगी की चाह में शहर आता है और फंस जाता है। फिल्म के आखिरी के कुछ सीन में नरगिस नजर आई थीं।

मोनालिसा ने रेड आउटफिट में गिराई बिजली

भोजपुरी और टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस मोनालिसा की हॉटनेस और कातिलाना अंदाज हर किसी को उनका दीवाना बना देता है। वहीं, अभिनेत्री अपनी सादगी और हॉटनेस से फैंस के बीच लाइमलाइट भी बटौरती रहती हैं।भोजपुरी अदाकारा मोनालिसा सोशल मीडिया पर बेहद लोकप्रिय हैं। वे इंस्टाग्राम के जरिए अपने फैंस को अपनी लाइफ से रूबरू कराती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं जोकि तापमान हाई कर रही हैं। मोनालिसा ने रेड कलर का लहंगा-चोली पहना है। ग्लोइंग मेकअप के साथ बालों को खुला छोड़ा है और बड़े-बड़े गोल्डन झुमके उनकी खूबसूरती को और भी निखार रहे हैं। साथ ही एक्ट्रेस के किलर पोज फैंस को घायल कर रहे हैं और वे अपनी चहेती एक्ट्रेस की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। इस आउटफिट में मोनालिसा नेपाल के इवेंट में शामिल हुई थीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह लास्ट नाइट के ग्लैम के बारे में है।मोनालिसा आए दिन अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर लोगों का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक अंदाज सोशल मीडिया पर आते ही वायरल होने लगता है।भोजपुरी क्वीन मोनालिसा ये बात अच्छी तरह से जानती हैं कि उन्हें फैंस को किस तरह से रिझाना है।बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया लवर हैं। और आए दिन अपनी हर एक पोस्ट फैंस के बीच शेयर कर फैंस के दिलों पर छुरियां चलाती रहती है।एक्ट्रेस अंतरा बिसवास उर्फ मोनालिसा का जन्म कोलकता में हुआ था। और उन्हें असली पहचान भोजपुरी इंडस्ट्री से मिली है।

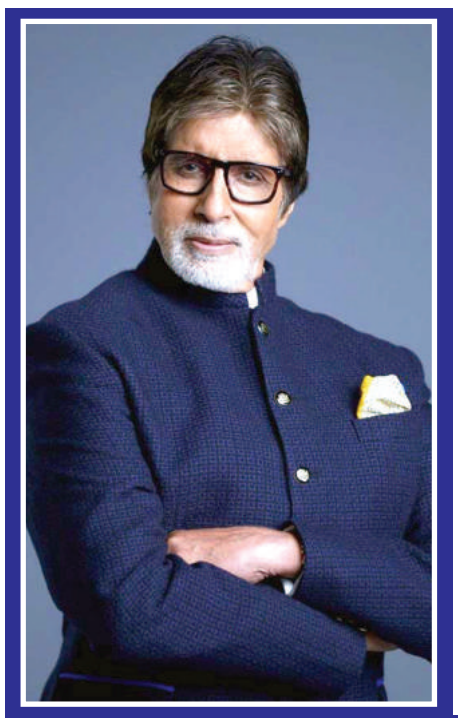

अमिताभ बच्चन फिर कहते नजर आएंगे-देवियों और सज्जनों...

बॉलीवुड इंडस्ट्री के मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने अपनी एक्टिंग से लोगों को ऐसा दीवाना बनाया है कि उनकी फिल्मों का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। अमिताभ बच्चन सिनेमाघरों में हिट हैं और इसके साथ ही टीवी पर भी उनका बोलबाला देखने को मिलता है। अमिताभ बच्चन का क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' काफी ज्यादा पसंद किया जाता है। 'कौन बनेगा करोड़पति' और अमिताभ बच्चन के फैंस के लिए खुशखबरी है। दरअसल, 'कौन बनेगा करोड़पति' के अगले सीजन जल्द लौटने वाला है और इसके रजिस्ट्रेशन की डेट का अनाउंसमेंट खुद अमिताभ बच्चन ने किया है। आइए जानते हैं कि अमिताभ बच्चन के शो 'कौन बनेगा करोड़पति 16' को रजिस्ट्रेशन कब से स्टार्ट होने जा रहे हैं।

'कौन बनेगा करोड़पति 16' का प्रोमो वीडियो वायरल

सोनी टीवी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'कौन बनेगा करोड़पति 16' का प्रोमो वीडियो शेयर किया है। इस प्रोमो वीडियो में अमिताभ बचचन कहते नजर आ रहे हैं कि उन्होंने 'कौन बनेगा करोड़पति 15' को भारी मन से अलविदा किया था लेकिन ऐसा करना काफा कठिन होता है। इसके साथ ही अमिताभ बच्चन बताते हैं कि 'कौन बनेगा करोड़पति 16' के रजिस्ट्रेशन शुरु होने वाले हैं और इस खबर से फैंस काफी खुश हो गए हैं। बताते चलें कि 'कौन बनेगा करोड़पति 16' के रजिस्ट्रेशन 26 अप्रैल से रात 9 बजे से शुरू हो रहे हैं। अमिताभ बच्चन के क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति 16' का प्रोमो वीडियो काफी पसंद किया जा रहा है।

अमिताभ बच्चन की अपकमिंग फिल्में

अमिताभ बच्चन बीते दो दशक से ज्यादा समय से क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' से जुड़े हुए हैं। अमिताभ बच्चन ने इस शो के एक सीजन को छोड़कर सभी सीजन को होस्ट किया है। 'कौन बनेगा करोड़पति' के तीसरे सीजन को शाहरुख खान ने होस्ट किया था। अमिताभ बच्चन के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी पाइपलाइन में 'कल्कि 2898 एडी', 'द उमेश क्रॉनिकल्स', 'वेट्टैयन' जैसी फिल्मों में नजर आएंगी। अमिताभ बच्चन की इन फिल्मों का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

फिल्म श्रीकांत का ट्रेलर रिलीज दृष्टिहीन उद्योगपति की भूमिका में छा गए राजकुमार राव

राजकुमार राव का नाम बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में शुमार हैं, जो अपने हर किरदार में रच-बस जाते हैं। ट्रैप्ड, बरेली की बर्फी और स्त्री जैसी कई फिल्मों में वह अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके हैं।अब एक बार फिर राजकुमार चर्चा में हैं, क्योंकि उनकी फिल्म श्रीकांत: आ रहा है सबकी आंखें खोलने का ट्रेलर रिलीज हो गया है। पिछले दिनों पहले इससे राजकुमार की पहली झलक सामने आई थी, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था।कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जो पैसा कमाती हैं और कुछ ऐसी होती हैं, जो एक अभिनेता या निर्देशक या यहां तक कि निर्माता बनने के उसके पूरे सफर को सार्थक बनाती हैं और जिनकी कहानी सीधे दिल को छूती है, श्रीकांत इसी श्रेणी में आती है।इसका ट्रेलर शानदार है। राजकुमार ने एक दृष्टिहीन व्यक्ति के किरदार की नब्ज को बखूबी पकड़ा है। उनका एक-एक सीन देखने लायक है।ये कहानी सचमुच काफी रोचक और दमदार होने वाली है।श्रीकांत का निर्देशन तुषार हीरानंदानी ने किया है, वहीं इस फिल्म का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और निधि परमार हीरानंदानी ने मिलकर किया है।फिल्म में राजकुमार के अलावा ज्योतिका, अलाया एफ और शरद केलकर भी अहम किरदार निभाते दिखेंगे।यह फिल्म 10 मई, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। राजकुमार के अभिनय ने इसकी रिलीज को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। खुद अभिनेता भी इसे लेकर दर्शकों की प्रतिक्रिया जानने के लिए बेहद उत्साहित हैं।यह फिल्म दृष्टिहीन उद्योगपति श्रीकांत बोला के जीवन पर आधारित है जो कई लोगों के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। इस फिल्म के जरिए उनकी जिंदगी के संघर्ष को दिखाया जाएगा।श्रीकांत एक भारतीय उद्योगपति और बोलैंट इंडस्ट्रीज के संस्थापक हैं। श्रीकांत ने बोलैंट इंडस्ट्रीज के संस्थापक के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त की, जो अकुशल और अलग-अलग विकलांग व्यक्तियों को पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद बनाने के अवसर प्रदान करती है।

अंकिता लोखंडे का वेब सीरीज आम्रपाली से फर्स्ट लुक पोस्टर हुआ रिलीज

वेब सीरीज आम्रपालीका फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज हो गया है, जिसमें अभिनेत्री लोखंडे को रॉयल अवतार में देखा जा सकता है. पोस्टर के तहत, अंकिता एक गौरवमयी लुक में दिखाई दे रही हैं. इस मैग्नम ओपस सीरीज के साथ संदीप सिंह ओटीटी पर कदम रखने जा रहे हैं. अभी तक इस सीरीज की रिलीज, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म या फिर अन्य किरदारों ऐलान किया गया है. उम्मीद जताई जा रही है कि इसका ऐलान जल्द होगा. अंकिता हाल ही में रणदीप हुड्डा के साथ स्वातंत्र्य वीर सावरकर फिल्म में दिखाई दी थी.जानकारी के अनुसार संदीप प्राचीन भारत में वैशाली गणराज्य की शाही नर्तकी के जीवन को पर्दे पर उतारना चाहते हैं। मशहूर आम्रपाली का किरदार निभाने के लिए उन्होंने अंकिता को चुना है।अंकिता ने कहा कि फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर में जमुना बाई का किरदार निभाने के लिए उन्हें दुनिया भर में काफी सराहना मिली है, जिसके कारण उन्हें इस तरह के रोल के प्रस्ताव मिल रहे हैं।उन्होंने आगे कहा, मुझे से रोल चुनना है। मैं स्वातंत्र्य वीर सावरकर के बाद आम्रपाली में काम करूंगी। मैं जल्द ही कुछ और अच्छे चयन करूंगी। आम्रपाली मेरे और दर्शकों के लिए सरप्राइज होगी। मुझे उम्मीद है कि मैं दर्शकों को निराश नहीं करूंगी।यह सीरीज एक नर्तकी के नगरवधू बनने से लेकर उसके धर्म अपनाने तक की कहानी को बताएगी, जो अंतत: सभी विलासिता को त्याग देती है और एक बौद्ध भक्त के रूप में ब्रह्मचर्य अपनाती है।संदीप ने कहा कि आम्रपाली अपनी सुंदरता के लिए जानी जाती थी और वह भारत के इतिहास में सबसे मजबूत पात्रों में से एक थी।उन्होंने मैंने अंकिता लोखंडे के अलावा किसी और के बारे में नहीं सोचा, जिन्होंने मेरी फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर में अपने शानदार प्रदर्शन से सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है। वह इस भूमिका के लिए बिल्कुल उपयुक्त हैं। उनमें एक आकर्षक राजकुमारी और नगरवधू के सभी गुण हैं और वह बेहतरीन नर्तकी भी हैं।उन्होंने कहा कि सलमान खान और ऐश्वर्या राय बच्चन अभिनीत हम दिल दे चुके सनम और शाहरुख खान की देवदास के बाद, आम्रपाली उनके लिए सबसे चुनौतीपूर्ण संगीत यात्रा होगी।संगीतकार इस्माइल दरबार सीरीज के लिए संगीत देंगे।

रिया चक्रवर्ती ने स्कर्ट-टॉप में दिखाया बोल्ड अवतार तो एक्टिव हुए ट्रोल्स

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती आए दिन किसी न किसी वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। रिया चक्रवर्ती ने दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत को डेट किया था। सुशांत की मौत के बाद लोगों को इस बात की जानकारी मिली थी। बता दें कि रिया चक्रवर्ती पर सुशांत सिंह को ड्रग्स देने के आरोप भी लगा था। रिया चक्रवर्ती इन दिनों सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। इस बीच रिया चक्रवर्ती की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें वो बेहद बोल्ड लग रही हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को अपडेट करते हुए कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो अपना किलर लुक दिखा रही हैं।सुशांत सिंह राजपूत को डेट करने वाली एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती की इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया का पारा हाई कर दिया है। रिया चक्रवर्ती के फैंस इन फोटोज पर दिल खोलकर प्यार बरसा रहे हैं। सामने आई इन फोटोज में रिया चक्रवर्ती ने कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज दिए हैं। रिया चक्रवर्ती का हर एक पोज इंटरनेट वर्ल्ड में धड़ल्ले से वायरल हो रहा है।बॉलीवुड की सबसे विवादित एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती का ये अंदाज कुछ लोगों को पसंद नहीं आया है। इस वजह से लोग रिया को जमकर ट्रोल कर रहे हैं। बता दें कि इससे पहले भी कई बार रिया चक्रवर्ती अपने फोटोशूट की वजह से ट्रोल हो चुकी हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। अगर आप यक़ीन करते हैं कि वक़्त ही पैसा है तो आपको अपनी क्षमताओं को शीर्ष पर पहुँचाने के लिए ज़रूरी क़दम उठाने होंगे। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। शाम के वक्त सेहत गड़बड़ हो सकती है ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप महसूस करेंगे कि आस-पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को ख़ुश करने के लिए ख़ुद को तनाव से नहीं थकाएँ। आर्थिक समस्याओं ने रचनात्मक सोचने की आपकी क्षमता को बेकार कर दिया है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज का दिन समझ-बूझ के क़दम उठाने का है, इसलिए तब तक अपने विचार व्यक्त न करें जब तक आप उनकी सफलता के लिए आश्वस्त न हों। आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

सेहत बढ़िया रहेगी। केवल एक दिन को नज़र में रखकर जीने की अपनी आदत पर क़ाबू करें और ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त व पैसा मनोरंजन पर ख़र्च न करें। एक मज़ेदार शाम के लिए दोस्त आपको अपने घर पर बुलाएंगे। आपका साथी आपसे आज कुछ ज़्यादा ही अपेक्षा करेगा। आप बहुत कठिन काम पूरा करने में क़ामयाब रहेंगे।
दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है, लेकिन आप दोनों होशियारी से चीज़ें संभाल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। अगर आप कार्यक्षेत्र में बेहतर करना चाहते हैं तो अपने काम में आधुनिकता लाने की कोशिश करें। इसके साथ ही नई तकनीक से अपडेटेड रहें। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने कारोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा।
आज हो सकता है कि पहली नज़र में ही आपको कोई पसंद कर ले। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फुर्सत के पल मिल सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे- आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। दिन बहुत लाभदायक नहीं है- इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। यह उन कुछ दिनों में से एक है, जब आपकी रचनात्मकता अपने चरम पर होगी। चिट्ठी-पत्री में सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके आस-पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। अटके कामों के बावजूद रोमांस और बाहर घूमना-फिरना आपके दिलो-दिमाग़ पर छाया रहेगा। आज आपने जो नई जानकारी हासिल की है, वह आपको अपने प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता-पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी-भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। बच्चे ज़्यादा वक़्त साथ बिताने की मांग करेंगे- लेकिन उनका बर्ताव सहयोगी और समझदारी भरा होगा। किसी छोटी-मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोंक-झोंक हो सकती है। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार है। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

कुछ रचनात्मक करने के लिए अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ।
आपको अपने भागीदार को आपकी योजना से जुड़े रहने के लिए मनाने में दिक़्क़त होगी। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। मुमकिन है कि वैवाहिक जीवन में ठहराव से तंग आकर आपका जीवनसाथी आपके ऊपर फूट पड़े।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। अगर आप परिवार के सदस्यों के साथ समय नहीं बिताएंगे, तो आप घर पर समस्याओं की उम्मीद कर सकते हैं। अपने प्रिय की पुरानी बातों को माफ़ करके आप अपनी ज़िंदगी में सुधार ला सकते हैं। अगर आपको लगता है कि कुछ लोगों की संगति करना आपके लिए ठीक नहीं है और उनके साथ रहकर आपका समय बर्बाद होता है तो उनका साथ आपको छोड़ देना चाहिए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास प्रचुर ऊर्जा होगी- लेकिन काम का बोझ आपकी खीज की वजह बन सकता है। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। कामकाज के सिलसिले में आपके ऊपर ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। परिवार वालों का हँसी-मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का-फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। किसी की प्यार में क़ामयाबी मिलने की कल्पना को सच कराने में मदद करें। साझीदारी में किसी नई परियोजना को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। इससे सभी को मुनाफ़ा होगा। लेकिन साझीदार से हाथ मिलाने से पहले भली-भांति विचार कर लें। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 19 अप्रैल 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 08:07 तक
नक्षत्र : मघा प्रात: 10:57 तक
योग : वृद्धि रात्रि 01:44 तक
करण : वणिज प्रात: 06:49 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:33 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:23 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : कामदा एकादशी व्रत , भद्रा प्रात: 06:48 से रात्रि 08:05 , ग्रीष्म ऋतु आरंभ , गण्डमूल प्रात: 10:57 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

क्रिश्चयनगंज थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

युवती का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म करने वाले तीन गिरफ्तार

अजमेर,18 अप्रैल (एजेंसियां)।

अजमेर की क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस ने पिछले महीने हुए युवती से गैंगरेप के मामले में तीन युवकों को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया। तीनों आरोपी मुकदमा दर्ज होने के बाद कोटा, नागौर, एमपी में फरारी काट रहे थे। अजमेर पहुंचने पर पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जांच में जुटी है। साथ ही अन्य आरोपी की तलाश की जा रही है। आरोपियों ने शराब के नशे में अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर पीड़िता से दुष्कर्म किया था। इस मामले में पुलिस पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी जो फिलहाल जेल में हैं। इसके साथ एक नाबालिग को निरुद्ध किया गया था, जो बाल संप्रेषण गृह में है। मामले में अब एक आरोपी फरार चल रहा है।

मामले की जानकारी देते हुए क्रिश्चियन गंज थानाधिकारी अरविंद सिंह चारण ने बताया कि अजमेर जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार के निर्देश पर मामले में जिला नागौर निवासी राहुल कछावा (24) पुत्र महावीर प्रसाद, मोहित चौधरी(23) सहित जिला अजमेर निवासी देवराज गुर्जर (21) पुत्र हीरा गुर्जर को गिरफ्तार किया गया है। तीनों युवकों को बापर्दा रखा गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम ने घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी चेक किया

था। थानाधिकारी अरविंद सिंह चारण ने बताया कि पूर्व में मामले में पुलिस ने आरोपी महेश गुर्जर व रामराज गुर्जर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसके साथ एक नाबालिग को निरुद्ध किया गया था। वर्तमान में मामले में एक अन्य आरोपी फरार चल रहा है, तलाश की जा रही है।

पीड़िता ने 22 मार्च को क्रिश्चयनगंज थाने में रिपोर्ट दी थी कि वह 18 मार्च अपने जीजा के साथ पुष्कर घाटी पर घूमने गई थी। इस बीच एक कार आई और 4 आरोपियों ने उसके जीजा को धक्का देकर नीचे गिरा दिया। बंदूक के पर उसका अपहरण कर लिया। आरोपियों ने उसका फोन स्विच ऑफ कर दिया। इसके बाद पुष्कर घाटी की तरफ ले गए और एक खंडहर कमरे में शराब के नशे में उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोपियों ने उसे धमकी दी कि अगर वह चिल्लाई तो गोली से मार देंगे। दिन पीड़िता को बाइक पर दो लड़के जनाना हॉस्पिटल की तरफ ले गए। वहां भी एक लड़के ने दुष्कर्म किया। बाद में आरोपियों ने उसे रोडवेज बस स्टैंड पर छोड़ दिया। जाते वक्त धमकी दी कि अगर थाने में शिकायत की तो उसे जान से मार देंगे। इसके बाद ने अपने जीजा से संपर्क किया और घरवालों को घटना की जानकारी दी थी।

पीड़िता ने धमकी से परेशान होकर जिला पुलिस अधीक्षक को शिकायत दी। एसपी के निर्देश पर क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस ने दुष्कर्म सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था, जिसके बाद से पुलिस आरोपियों तलाश में जुटी थी।

फिर चाइनीज मांझे का शिकार हुआ बाइक सवार

आंख और चेहरे पर लगा कट डॉक्टरों ने लगाए 30 टांके

बीकानेर,18 अप्रैल (एजेंसियां)।

चाइनीज मांझे की बिक्री रोक पाने में असफल पुलिस और जिला प्रशासन की नाकामी का खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। जस्सूसर निवासी गिरिराज राठी अपनी बाइक से बाजार जा रहे थे। इस दौरान चौखूंटी पुलिया के पास वे चाइनीज मांझे की चपेट में आकर खून से लथपथ हो गए। उनकी हालत देखकर पास से गुजर रहे लक्ष्मण सोनी ने गिरिराज राठी को अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने गिरिराज की गंभीर हालत देखते हुए उसका ऑपरेशन शुरू किया। गिरिराज की आंखों, चेहरे पर 30 टांके आए हैं। चिकित्सकों के अनुसार अब गिरिराज राठी की हालत ठीक है।

बीकानेर में अक्षय तृतीया पर पतंगबाजी की परंपरा है। इस दिन होने वाली पतंगबाजी के दौरान प्रतिबंधित होने के बावजूद चाइनीज मांझे का जमकर होता है। चाइनीज मांझा खुदरा विक्रेताओं को साधारण मांझे से आधी कीमत में मिल जाता है। इसका एक किलो का पैकेट 300 रुपये में मिलता है, जबकि बाजार में साधारण मांझे का 500 ग्राम का पैकेट 450 रुपये तक में बिक रहा है। खास बात ये है कि

चाइनीज साधारण मांझे से ज्यादा मजबूत होता है। यही वजह है कि इसकी मांग ज्यादा होती है। अक्षय तृतीया से पहले ही बीकानेर में पतंगबाजी शुरू हो जाती है और जगह-जगह सड़कों पर गिरने वाली इस डोर से लोग घायल भी होते हैं। शहर में कई जगह चाइनीज डोर की हो रही है। इसकी जानकारी पुलिस और प्रशासन दोनों को है, लेकिन चाइनीज मांझे की खरीद फरोख्त करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के बजाय पुलिस खानापूर्ति कर अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री कर लेती है।

सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी

बीएसएफ ने 2.6 किलो हेरोइन से लदे ड्रोन को मार गिराया

जयपुर,18 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रदेश के अनूपगढ़ में पाकिस्तानी सीमा से लगे क्षेत्र में गश्त के दौरान बीएसएफ ने नशीले पदार्थ हेरोइन के साथ भेजे गए ड्रोन को गिराकर 2.6 किलो बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 13 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

मामले के बारे में जानकारी देते हुए रावला थाना प्रभारी बलवंत सिंह ने कहा कि थाना अंतर्गत आने वाली नेमीचंद चौकी के पास से तीन पैकेटों में 2.6 किलो हेरोइन जब्त की गई जिस जगह पर यह कार्रवाई की गई है, वह भारतीय सीमा से 1600 मीटर अंदर की तरफ है। बीएसएफ की 140वीं बटालियन के कंपनी कमांडर अखिलेश कुमार ने बताया कि मंगलवार रात करीब दस बजे गश्त के दौरान ड्रोन की आवाज सुनाई देने पर जवानों ने उस दिशा में चलाई, जिससे वह गिर गया। इसके बाद रावला पुलिस और बीएसएफ के अधिकारियों और जवानों ने मिलकर तलाशी अभियान चलाया जिसमें यह नशीले पदार्थ की खेप बरामद हुई है। इससे पहले भी बॉर्डर एरिया में इस तरह से भेजे जाने वाले मादक पदार्थों से लदे ड्रोन पर कार्रवाई की चुकी है।

स्टील वर्क्स फैक्टरी के ऑफिस में घुसकर चोर निकाल ले गए कैश

अलवर,18 अप्रैल (एजेंसियां)।

अलवर के उद्योग नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत एमआईए स्थित स्टील वर्क्स एंड पावर इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड फैक्टरी में सुबह चोरों ने फैक्ट्री के अकाउंट ऑफिस कार्यालय में घुसकर केबिन में रखे 4 लाख 56 हजार 265 रुपये चोरी कर लिए। हालांकि चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। ये सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रही है। फैक्ट्री मालिक ने उद्योग नगर थाना पुलिस में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज फैक्ट्री में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर अज्ञात चोरों की तलाश जांच शुरू दी है।

जेसीबी के दुरुपयोग को लेकर चालक बर्खास्त

नगर परिषद सचिव ने नुकसान की भरपाई के आदेश जारी किए

दौसा,18 अप्रैल (एजेंसियां)।

दौसा नगर परिषद सचिव मोनिका सोनी ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करने जेसीबी चालक को बर्खास्त कर नुकसान की भरपाई के आदेश जारी किए हैं। सोनी दौसा शहर में नियुक्ति के बाद से ही सुर्खियों हैं। दौसा शहर में लगे कचरे के ढेरों पर अंकुश लगाने के साथ ही नगर परिषद में व्याप्त भ्रष्टाचार पर भी लगाम लगाने का काम इन्होंने है। हाल ही में किसी नागरिक ने मोनिका को एक वीडियो भेजा था, जिसमें नगर परिषद दौसा में कार्यरत संविदा जेसीबी ड्राइवर सीताराम गुर्जर, नगर परिषद की सरकारी गाड़ी को बिना स्वीकृति निजी कार्य से गोबर खाद उठवाने के लिए घंटों उपयोग में ले रहा था।

सोनी ने इस के आधार पर छानबीन करते हुए दोषी पाए जाने पर जेसीबी ड्राइवर सीताराम गुर्जर को बर्खास्त कर दिया और इस संबंध में नगर परिषद के खर्च की भरपाई के आदेश किए। साथ ही ड्राइवर के इस कार्य करे सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग और अनुशासनहीनता की श्रेणी में रखते हुए भविष्य में नगर परिषद कार्यालय में कार्य के लिए नहीं लगाए जाने के आदेश भी जारी किए हैं।

इंडियन नेशनल लोकदल ने जारी की तीन प्रत्याशियों की सूची

चंडीगढ़ ,18 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) ने लोकसभा चुनाव को तीन प्रत्याशियों की सूची जारी की है। इसमें कुरुक्षेत्र से अभय चौटाला, अंबाला से गुरप्रीत सिंह और हिसार से सुनैना चौटाला को मैदान में उतारा गया है। हरियाणा में भाजपा सभी सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर चुकी है, वहीं जजपा ने भी पांच सीटों पर उम्मीदवार उतार दिए हैं। गठबंधन में कांग्रेस की 9 सीटों पर सभी को प्रत्याशियों का इंतजार है, वहीं आम आदमी पार्टी ने अपने खाते की सीट कुरुक्षेत्र से काफी पहले प्रत्याशी उतार दिया था।

जननायक जनता पार्टी ने हिसार से विधायक नैना सिंह चौटाला को प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं गुरुग्राम से राहुल फाजिलपुरिया को उतारा है। सिरसा से पूर्व विधायक रमेश खटक को टिकट दिया है। भिवानी-महेंद्रगढ़ से पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह को मैदान में उतारा है। जजपा ने फरीदाबाद से नलिन हुड्डा को

हिसार से सुनैना के नाम पर मुहर

टिकट दिया है।

भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा में दसों सीटों पर प्रत्याशी उतार दिए हैं। ने पूर्व सीएम मनोहर लाल को करनाल से मैदान में उतारा है। करनाल लोकसभा सीट पर 2019 में भाजपा को देश की दूसरी सबसे बड़ी जीत मिली थी और यहां से संजय भाटिया लोकसभा पहुंचे थे। अंबाला से बंतो कटारिया, गुरुग्राम से राव इंद्रजीत सिंह, भिवानी महेंद्रगढ़ से धर्मबीर सिरसा से अशोक तंवर, फरीदाबाद से कृष्णपाल गुर्जर, नवीन जिंदल को कुरुक्षेत्र से, रणजीत चौटाला को हिसार, अरविंद शर्मा को रोहतक से और मोहनलाल को सोनीपत लोकसभा से उम्मीदवार बनाया गया है।

भाजपा उम्मीदवार रणजीत को टक्कर देने मैदान में जजपा से बहू नैना उतरीं हैं। वहीं इनेलो की से सुनैना चौटाला को टिकट मिल गई है। इसके अलावा कांग्रेस का प्रत्याशी अभी मैदान में नहीं आया है।

लोकसभा चुनाव में हिसार की सीट पर रोचक मुकाबला होगा। चुनावी मैदान में सगे चाचा ससुर और बहू एक-दूसरे को टक्कर देंगे। भाजपा प्रत्याशी रणजीत सिंह के सामने जजपा ने की विधायक नैना चौटाला को उतार दिया है। यह पहला मौका होगा जब लोकसभा चुनाव में चौटाला परिवार के सदस्य आमने-सामने लड़ेंगे। वहीं इनेलो की ओर से सुनैना चौटाला भी मैदान में आ गई हैं। हिसार के रण में चौटाला बनाम चौटाला बनाम चौटाला होगा। हिसार लोकसभा सीट पर उपप्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी देवीलाल का परिवार टकराएगा। भाजपा ने चौधरी देवीलाल के बेटे 78 वर्षीय रणजीत सिंह चौटाला को मैदान में उतारा है। जजपा ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय चौटाला की पत्नी नैना चौटाला को मैदान में उतार दिया है।

पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला की मां जजपा की बाढड़ा से विधायक नैना चौटाला अपने चाचा ससुर को टक्कर देंगी। बता दें कि नैना चौटाला का मायका आदमपुर के गांव दड़ौली में है। वहीं, सुनैना चौटाला का मायका हिसार जिले के उकलाना के दौलतपुर गांव में है।

लूट की योजना बनाते हथियारों के साथ चार युवक काबू

सिरसा,18 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा के सिरसा जिला की एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने गश्त व चैकिंग के दौरान बुधवार को महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर हिसार रोड पर लूट की योजना बनाते चार युवकों को काबू किया। जिनके पास से ने तेजधार हथियार बरामद किए। वहीं दो युवक रात के अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। पुलिस चार युवकों को रिमांड पर लेगी।

सिविल लाइन थाना पुलिस ने बताया कि बुधवार रात को उप निरीक्षक अजय कुमार की अगुवाई में एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने के आधार पर हिसार रोड स्थित दिल्ली पुल के पास सुनसान एरिया में लूट की योजना बनाते हुए चार युवकों को काबू किया है। पकड़े गए युवकों की पहचान अमन कुमार, सूरजभान निवासी खैरपुर तथा रोहिन व राहुल निवासी गांव कंगनपुर जिला सिरसा के रूप में हुई है।

पुलिस गिरफ्तार युवकों से दो कापे तथा दो तलवारें बरामद की। वहीं रात के अंधेरे का फायदा उठाकर दो युवक मौके से फरार हो गए। इस संबंध में युवकों के खिलाफ सिविल लाइन थाना में विभिन्न आपराधिक धाराओं के तहत अभियोग दर्ज कर मौका से फरार हुए दोनों युवकों की शुरू कर दी है। रात के समय शहर का व्यस्त रोड हिसार रोड हो जाता है। इस रोड पर जहां ट्रक चालक रूकते हैं।

पीजीआई में आई जींद की महिला बंदी से जेल वाहन में दुष्कर्म

दो बंदियों के खिलाफ केस दर्ज

रोहतक,18 अप्रैल (एजेंसियां)।

रोहतक पीजीआई में महिला बंदी साथ जेल वाहन में दो बंदियों द्वारा दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। वारदात फरवरी माह की है, जिसकी अब एफआईआर जींद सिविल लाइन थाने में हुई है। कार्रवाई के लिए फाइल रोहतक पुलिस को भेजी गई है। पुलिस रिकार्ड के मुताबिक महिला बंदी ने दी शिकायत में बताया कि वह आपराधिक मामले के चलते जींद जेल में बंद है। फरवरी माह में बीमार होने के कारण उसे जींद जेल से उनको

रोहतक पीजीआई में लेकर आए थे। सुरक्षा कर्मी दाखिल कराने के लिए कागजात तैयार करवाने लगे। इसी बीच प्रिजनर वाहन में मौजूद दो बंदियों ने उसे नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश कर दिया। इसके बाद दुष्कर्म की वारदात अंजाम दी। जींद के सिविल लाइन थाने में दुष्कर्म का मामला किया गया है, जिसे आगे कार्रवाई के लिए रोहतक भेजा गया है। जींद पुलिस का फोन आया था कि एक महिला बंदी की शिकायत पर दुष्कर्म की जीरो एफआईआर की है, जिसे कार्रवाई के लिए रोहतक भेजा गया है। हालांकि अभी थाने में एफआईआर की कॉपी नहीं आई है। मिलने के बाद आगे की जांच करेंगे।

जिला राजस्व अधिकारी कार्यालय में सीएम फ्लाइंग की रेड

फसलों के मुआवजा वितरण संबंधी रिपोर्ट ली

फतेहाबाद,18 अप्रैल (एजेंसियां)।

फतेहाबाद लघु सचिवालय स्थित जिला राजस्व अधिकारी कार्यालय में वीरवार को मुख्यमंत्री उड़न दस्ते की टीम ने रेड की। टीम के साथ विभाग के कर्मचारी भी मौजूद रहे। इस दौरान प्रदेश सरकार की ओर से भेजे गए फसलों के मुआवजा की वितरण संबंधी रिपोर्ट ली गई।

जानकारी के अनुसार किसानों की ओर से बार-बार फसल मुआवजा नहीं देने की शिकायतों को लेकर यह रेड संबंधी कार्रवाई की गई है। पिछले दिन हलके के दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष भी मुआवजा वितरण नहीं होने का मामला रखा गया था। मुख्यमंत्री उड़नदस्ते के सदस्यों ने कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों से मुआवजा वितरण की जानकारी ली। इसके अलावा तहसीलदारों के अकाउंट की जानकारी भी ली गई।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

पटना (एजेंसियां)।

पटना में सड़क के किनारे बन रहे डायवर्सन में बाइक सवार तीन युवक गिर पड़े। इस हादसे में दो युवकों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि एक युवक घायल हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी का माहौल कायम हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों युवकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है, जबकि घायल युवक को इलाज के लिए पास के नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है।

बताया जा रहा है कि तीन बाइक सवार युवक नालंदा से चलकर धनरूआ के वीर गांव में शादी समारोह में शामिल होने के लिए बुधवार की देर रात जा रहे थे। बताया जा रहा है कि गौरीचक थाना क्षेत्र के सर्फाबाद में सड़क के किनारे एक डायवर्सन बन रहा है। अंधेरा रहने के कारण मोटरसाइकिल सवारी युवकों को डायवर्सन का अंदाजा नहीं लगा और तेज रफ्तार गाड़ी डायवर्सन में जा गिरी।

बताया जा रहा है कि हादसे में दोनों युवकों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि एक युवक बुरी तरह घायल हो गए। गुरुवार की सुबह स्थानीय लोगों ने डायवर्सन में दो युवकों के शव को देखने के बाद इसकी सूचना गौरीचक थाने को दी।

बांका के युवक की आतंकवादियों ने गोली मारकर की हत्या

भागलपुर (एजेंसियां)।

मृतक की गर्दन के दाएं तरफ और पेट में दो गोलियां लगी है। लोकल पुलिस सूत्रों ने बताया कि देर रात तक किसी आतंकी संगठन ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली थी, लेकिन उन्होंने बताया कि ऐसा घिनौना काम लश्कर-ए-तैयबा के द रेजिस्टेंस फ्रंट का हो सकता है। इससे पहले 8 अप्रैल को आतंकियों ने सोपिया में विदेशी पर्यटक को कश्मीर घुमाने लेकर आए उत्तराखंड के एक टैक्सी चालक को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था।

यह एक सप्ताह के अंदर आतंकियों की यह दूसरी घटना है। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल द्वारा सभी सुरक्षा एजेंसियों को प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दे दिया गया है।

फोन पर मृतक के पुत्र अंकुश राज के द्वारा पूछे जाने पर बताया कि बुधवार की देर संध्या बिजबिहारड़ा करीब 8:00 बजे पापा ठेले को घर के अंदर रख रहे थे कि अंधेरे में एक युवक ने पिस्तौल से गोली मार दी। मैंने मारते हुए देखा, लेकिन अंधेरे में पहचान नहीं सका।

चिराग को जमुई में अपशब्द कहे जाने के मामले में तेजस्वी की प्रतिक्रिया

मुझे पता ही नहीं

पटना (एजेंसियां)।

चुनावी सभा में तेजस्वी यादव के सामने चिराग पासवान के परिवार को गाली-गलौज का मामले पर सियासत काफी गरमा गई है। बुधवार को 'अमर उजाला से एक्सक्लूसिव इंटरव्यू के दौरान चिराग पासवान ने इसे अत्यंत दुखद बताया था। आज पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हमें इसकी कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने एक वीडियो डाला है। जो जनता के बीच का है। हम अपना भाषण दे रहे थे। अब जनता में कौन क्या बोलता है मंच पर नहीं सुनाई देता।

तेजस्वी यादव ने स्पष्ट कहा कि हम अपना भाषण दे रहे थे। ऐसे

में कौन वीडियो बनाया और कौन गालियां दे रहा था? मुझे सुनाई नहीं दिया। लोग तो ऐसे ही बात करते रहते हैं। कोई वीडियो बनाकर डाल दिया। सब लोग ऐसी बात समझते हैं। हमलोगों को कई लोग ऐसी गालियां देते होंगे। इस बात को तूल नहीं दिया जाए।

राहुल गांधी की यात्रा पर उन्होंने कहा कि चुनावी सभा को संबोधित करने के लिए आ रहे हैं। वह पूरे देशभर में चुनावी सभा कर रहे हैं। हमलोगों ने पहले चरण के चारों सीट पर 40 से अधिक चुनावी सभाएं की। हमलोग चारों सीट पर भारी बहुमत से जीतने जा रहे हैं। वहीं तेजस्वी यादव ने अनंतनाग में बिहार के प्रवासी मज़दूर की गोली मारकर हत्या की घटना पर उन्होंने कहा, ''दुखद घटना है, प्रशासन को देखना है कि ऐसी घटना क्यों हो रही हैं।

वायरल वीडियो पर चिराग पासवान ने कहा कि उस मंच पर मेरे छोटे भाई तेजस्वी यादव खड़े थे। तेजस्वी से मेरा रिश्ता काफी पुराना है। हम दोनों अलग-अलग राजनीतिक खेमे में हैं लेकिन इस कारण हमलोग एक-दूसरे के परिवार को गाली तो नहीं देंगे न। उस मंच पर तेजस्वी यादव मौजूद थे, उनके सामने जिस तरह मेरे परिवार को गाली दी गई। मेरी मां और मेरी बहन के बारे में टिप्पणी की गईं यह काफी दुखद है।

जमीनी विवाद में भाई ने भाई को वाहन चढ़ाकर रौंदा

इलाज के दौरान मौत, पुलिस जांच में जुटी

मुज्जफरपुर (एजेंसियां)।

जिले में जमीनी विवाद में एक चचेरे भाई ने अपने भाई पर वाहन चढ़ा दी। इस घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी तो वहीं परिजनों में चीख पुकार मच गई है। जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। वहीं घटना में इस्तेमाल वाहन को जब्त कर लिया है, जिससे आरोपी ने घटना को अंजाम दिया था।

घटना को लेकर बताया जा रहा है कि बीते कुछ दिनों से मृतक शशि कुमार का विवाद चचेरे भाई सोनू कुमार से चल रहा था, जिसको लेकर लगातार दोनों के बीच मारपीट भी हुआ करती थी, लेकिन आज सुबह 9 बजे आर-ोपी सोनू कुमार ने अपने चचेरे

भाई शशि कुमार पर एक वाहन को चढ़ाकर रौंद डाला, जिसमें वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

जिसके बाद आनन फानन में परिजनों ने मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में मातम छा गया। वहीं ग्रामीणों में घटना को लेकर आक्रोश व्याप्त है। इस पूरे मामले में अहियापुर थाना के प्रभारी रोहन कुमार ने बताया एक युवक की मौत एक डीजे बजाने वाले वाहन के चढ़ने से हुई है। परिजनों के द्वारा बताया गया है कि उसके ऊपर चचेरे भाई ने चढ़ाकर हमला किया है और जिसमें उसकी मौत हो गई है। फिलहाल आरोपी फरार है। शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

पटना में युवक का मर्डर, चबूतरा निर्माण को लेकर दो पक्ष में हुई थी भिड़ंत

पटना (एजेंसियां)।

पटना के शाहपुर में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। परिजन आननफानन में युवक अस्पताल लेकर गए लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पूरे गांव में हड़कंप। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना शाहपुर थाने को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची शाहपुर थाने की पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल दानापुर भेज दिया है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। घटना की पुष्टि करते हुए शाहपुर थाना प्रभारी ने बताया कि अंबेडकर जयंती के अवसर पर चार दिन पूर्व विवाद को लेकर बुधवार की देर रात एक युवक की गोली मारकर हत्या का मामला प्रकाश में आया है। उन्होंने बताया कि फिलहाल परिजनों द्वारा लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। बताया जा रहा है कि चार दिन पूर्व शाहपुर थाना के दियारा स्थित मखदुमपुर गांव में दलित युवकों के द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई थी। इसी क्रम में मखदुमपुर गांव में ही बुधवार की देर रात वहां चबूतरा निर्माण का कार्य चल रहा था। बताया जा रहा है कि चबूतरा निर्माण को लेकर कुछ लोगों ने नाराजगी जताई थी। इसे लेकर दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट शुरू हो गया। इसी क्रम में एक पक्ष के लोगों के द्वारा जमकर फायरिंग की गई। इस गोलीबारी में मखदुमपुर गांव के युवक को गोली लगी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान मखदुमपुर निवासी विक्रम कुमार 19 वर्ष के रूप में हुई है। शाहपुर थाना प्रभारी मनीष आनंद ने बताया कि विक्रम कुमार गुजरात के एक कंपनी में काम किया करता था। अभी कुछ दिन पूर्व वह अपने गांव छुट्टी मनाने पहुंचा था। इसी क्रम में बुधवार की देर रात हुई गोलीबारी का शिकार हो गया।

इस बार भी पुरुष प्रत्याशी आजमाएंगे भाग्य

गोपालगंज लोकसभा : महिलाओं को प्रतिनिधित्व का आज तक नहीं मिला मौका

गोपालगंज (एजेंसियां)।

जिले की विधानसभा सीटों की बात करें तो छह विस क्षेत्रों में से चार सीटों पर कभी भी महिला प्रत्याशी को जीत नहीं मिली है। इन विधानसभा सीटों में बैकुंठपुर, बरौली, भोरे (सुरक्षित), हथुआ सीटें शामिल रही हैं। गोपालगंज विधानसभा सीट इसका अपवाद रहा है। एक बार कटेया विधानसभा से किरण राय राजद के टिकट पर चुनाव में जीत दर्ज की थी। अब कटेया विधानसभा अस्तित्व में नहीं है। कटेया प्रखंड को भोरे विधानसभा में शामिल कर दिया गया।

गोपालगंज सदर विधानसभा सीट से चार बार महिलाओं को जनता ने मौका दिया है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 1969 में हुए

विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस की रामदुलारी सिन्हा निर्वाचित घोषित की गई थीं। उन्होंने जनसंघ के कमला प्रसाद सिंह को हराया।1971 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर रामदुलारी सिन्हा दोबारा विधानसभा की सदस्य निर्वाचित हुईं। उन्होंने नागेश्वर सिंह को हराया। 1977 में हुए विधानसभा चुनाव में जनता पार्टी के टिकट पर राधिका देवी निर्वाचित हुईं। उन्होंने निर्दलीय काली प्रसाद पाण्डेय को हराया। वहीं वर्ष 2022 में पूर्व मंत्री सह सदर विधायक रहे सुभाष सिंह के निधन के बाद हुए उपचुनाव में उनकी पत्नी कुसुम देवी भाजपा के टिकट पर विजयी हुईं। उन्होंने राजद के मोहन प्रसाद गुप्ता को हराया।

गोपालगंज लोकसभा क्षेत्र के वर्ष 2014 के चुनाव में महिला प्रत्याशी उपविजेता रही थीं। तब भारतीय जनता पार्टी के जनक राम ने कांग्रेस की ज्योति भारती को 2,86,936 मतों के अंतर से पराजित किया। इस चुनाव में जनक राम को 4,78,773 तथा ज्योति भारती को 1,91,837 मत मिले थे। 2014 के बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में भी महत्वपूर्ण दलों ने महिला को उम्मीदवार नहीं बनाया। इस बार 2024 के चुनाव में यह उम्मीद जताई जा रही थी की महागठबंधन के द्वारा कहीं महिला प्रत्याशी को गोपालगंज में अपना उम्मीदवार बनाया जाए लेकिन यह भी प्रयास असफल रहा। महागठबंधन ने इस चुनाव में गोपालगंज सीट पर प्रेमनाथ चंचल को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं एनडीए अपने निवर्तमान सांसद डॉक्टर आलोक कुमार सुमन पर ही भरोसा जताया है।

ट्रेन की चपेट में आने से किशोर की मौत, परिजनों में मचा कोहराम, मौके पर पहुंची पुलिस

गोपालगंज (एजेंसियां)।

गोपालगंज जिले के सिधवलिया थाना क्षेत्र के शेर रेलवे स्टेशन स्थित रेलवे ट्रैक के पास ट्रेन के चपेट में आने से एक 15 वर्षीय किशोर की मौत मौके पर ही हो गई। वहीं इसकी सूचना किसी ने पुलिस को दे दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची सिधवलिया थाना की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक की पहचान सिधवलिया थाना क्षेत्र के शेर गांव निवासी मनोज साह के 15 वर्षीय पुत्र सेहान साह के रूप में की गई।

बताया जाता है की मृतक बुधवार की सुबह से ही अपने घर से लापता था। इसी बीच गुरुवार

को शेर रेलवे स्टेशन स्थित ट्रैक के पास खेत में पड़ा हुआ उसका शव ग्रामीणों ने देखा। ग्रामीणों ने शव की पहचान कर परिजनों को इसकी सूचना दी। वहीं शव मिलने के बाद मौके पर परिजन और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। परिजनों ने शव को देख कर पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। परिजनों ने बताया की मृतक बुधवार की सुबह से ही घर से गायब था। काफी खोजबीन की गई, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल सका। आज सुबह कुछ लोग रेलवे ट्रैक के पास गए थे, जहां उसका शव पड़ा हुआ पाया। बताया जा रहा है कि ट्रेन के चपेट में आने से उसकी मौत हो गई है और एक पैर भी कट गया है।

मृतक दो भाइयों में बड़ा था, एक छोटी बहन है। पिता मजदूरी कर के परिवार का भरण पोषण करते है। किशोर की मौत से परिजनों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं इस मामले में सिधवलिया थानाध्यक्ष ने बताया की रेलवे ट्रैक के बगल में किशोर का शव बरामद किया गया है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

शॉर्ट सर्किट के कारण आधा दर्जन फूस के घर जलकर राख, तीन मवेशी की झुलसकर हुई मौत

मुंगेर (एजेंसियां)।

तेज पछुआ हवा चलने के कारण इनदिनों अगलगी की घटना बढ़ गई है। इसी कड़ी में धरहरा प्रखंड के महगामा पंचायत के महगामा गांव में शॉर्ट सर्किट के कारण आधा दर्जन से अधिक घर जलकर राख हो गए। जब अगलगी की घटना की जानकारी आस-पास ग्रामीणों को मिली तो आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तेज पुछवा हवा चलने के कारण आग की लपटें और बढ़ने लगी। बढ़ती आग की लपटों को देख ग्रामीणों ने अग्निशमन विभाग को सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची अग्निशमन विभाग की टीम ने ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया। बताया जाता है इस घटना में फूस के घर में रखे सारे

खाने-पीने सहित अनाज जलकर राख हो गए, साथ ही तीन मवेशी की मौत हो गयी। घटना की जानकरी मिलने के बाद लड़ैयाटांड़ थाना पुलिस और प्रखंड के कर्मी मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार से पूछताछ कर रहे हैं।

बताया जाता है की पिंकू यादव के घर के पास बिजली का पोल था और बिजली के तार में शार्ट सर्किट से निकली चिंगारी के कारण पहले पिंकू यादव के फूस में घर में आग लग गई, जिसके बाद सटे त्रिलोकी यादव, सिंकदर यादव, नेपाली यादव, उदय यादव, विजय यादव और श्रवण यादव का घर जलकर राख हो गया।

मतदान कराने क्लस्टर सेंटर के लिए रवाना हुए चुनाव कर्मी, गर्मी से दिखे परेशान

औरंगाबाद (एजेंसियां)।

औरंगाबाद शहर के सच्चिदानंद सिंहा कॉलेज स्थित इवीएम डिस्पैच सेंटर से मतदान कर्मियों को ईवीएम और अन्य चुनाव सामग्रियों के साथ बारी-बारी से बूथवार क्लस्टर सेंटर के लिए रवाना किया जा रहा है। पहले सुदूरवर्ती मतदान केंद्रों के कर्मियों को रवाना किया जा रहे है। बाद में निकटवर्ती और शहर के बूथों के मतदान कर्मियों को निर्वाचन सामग्रियों के साथ कलस्टर सेंटर्स के लिए रवाना किया जाएगा। यह प्रक्रिया देर शाम तक पूरी हो जाएगी। क्लस्टर सेंटर से ही शुक्रवार को अहले सुबह निर्वाचन कर्मी बूथों पर पहुंचकर सुबह के 7 बजे से मतदान कार्य आरंभ कराएंगे।

भयंकर गर्मी से निर्वाचन कार्य में लगाए गए चुनाव कर्मी हलकान है। एक तो निर्वाचन और मतदान कराने का काम जोखिम भरा है। वहीं भयंकर गर्मी और लू निर्वाचन कर्मियों पर कहर बनकर टूट रही है। चुनाव कर्मी बेहद हलकान और परेशान है। मौसम का तापमान 40 डिग्री पर पहुंचा है। ऐसे में यह सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि चुनाव कर्मियों को किस हद तक परेशानी झेलनी पड़ रही होगी। गर्मी से राहत पाने के लिए कर्मियों ने अपने स्तर से मौसमी ठंडे फलों, पानी और सत्तू आदि का इंतजाम कर रखा है, जिससे वें गर्मी से राहत पाने के प्रयास में लगे है।

लोकतंत्र का पर्व संपन्न कराने को ले चुनाव कर्मी उत्साहित

भले ही चुनाव कर्मियों को गर्मी का मौसम परेशान कर रहा है।

बेगूसराय में तेजस्वी यादव बोले-

पीएम की गारंटी चाइनीज माल की तरह इनके झांसे में बिल्कुल मत आइये

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बेगूसराय लोकसभा से इंडी गठबंधन के उम्मीदवार अवधेश कुमार राय के नामांकन के अवसर पर जन आशीर्वाद महासभा का आयोजन किया गया। यह आयोजन बेगूसराय के आईटीआई मैदान में आयोजित हुआ। जहां सभा को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी पर जमकर निशाना साधा। तेजस्वी यादव ने कहा कि पीएम मोदी के पास कोई मुद्दा नहीं है। ये लोगों को गुमराह करने का काम कर रहे हैं, क्योंकि देश के प्रधानमंत्री ने लोगों को ठगने का काम किया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज देश में बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर है, लेकिन देश के प्रधानमंत्री मुद्दे की बात ना

करके परिवारवाद पर बात करते हैं। इस दौरान तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर मेरी सरकार बनेगी तो रोजगार की भरमार लगेगी और युवाओं को नौकरी दी जाएगी। वहीं तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को चाइनीज माल करार दिया है। अपने संबोधन में तेजस्वी यादव ने कहा की मोदी जी का गारंटी चीनी माल वाली गारंटी है। जबतक चुनाव है तब तक की गारंटी है, उसके बाद कुछ होने वाला नहीं है। इसलिए इनके झांसे में नहीं आना है। भाजपा को हमें और आपको मिलकर हराना है। इस दौरान तेजस्वी यादव ने अपने उम्मीदवार अवधेश राय के पक्ष में लोगों से मतदान करने की अपील भी की है। वहीं स्थानीय सांसद सह केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर भी हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने बेगूसराय में अभी तक किया क्या है, सिवाय हिंदू-मुस्लिम करने के अलावा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com